NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 312 लखनऊ, शुक्रवार 10 जुलाई 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

हम भारतीय दूध में चीनी जैसे...पीएम मोदी ने आस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय को दिया दोस्ती का क्रेडिट

एजेसी।

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर भारत–ऑस्ट्रेलिया संबंधों के नई ऊंचाइयों पर पहुंचने का श्रेय प्रवासी भारतीयों को दिया, उन्होंने 12 वर्षों में अपनी तीसरी यात्रा को दोनों देशों के बीच बढ़ते रणनीतिक महत्व का प्रतीक बताया। मेलबर्न में एक सामुदायिक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई समाज के विकास में भारतीय समुदाय के योगदान की सराहना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि 12 सालों में यह ऑस्ट्रेलिया का उनका तीसरा दौरा है। उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के रिश्ते नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए हैं और इसमें भारतीय समुदाय की अहम भूमिका रही है। यहां एक कम्युनिटी इवेंट को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वहां रहने वाले भारतीयों की दिनचर्या उन्हें भारत से जोड़े रखती है और वे ऑस्ट्रेलिया के विकास में भी योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब मैंने 2014 में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था, तो 28 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का यह पहला दौरा था। और आपको याद होगा कि मैंने तब कहा था कि आपको अगले 28 सालों तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। पिछले 12 सालों में यह मेरा तीसरा दौरा है यानी दौरों की हैट्रिक। यह दिखाता है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के रिश्ते कितनी ऊंचाइयों पर पहुंच गए हैं। और क्या आप जानते हैं कि इसमें सबसे बड़ी भूमिका किसने निभाई? यह मोदी नहीं थे, यह आप सभी थे। प्रधानमंत्री ने वहां मौजूद लोगों के उत्साह की सराहना की।उन्होंने कहा कि मैं सबसे पहले उस जमीन के पारंपरिक मालिकों को नमन करना चाहता हूँ जहाँ हम मिल रहे हैं, और मैं उनके बुजुर्गों – जो गुजर चुके हैं, जो अभी हैं और जो आने वाले हैं – का सम्मान करता हूँ। यह शो हाउसफुल है। यह ब्लॉकबस्टर है... इससे पहले, मैं आप सभी से सिडनी में दो बार मिल चुका हूँ। मैं मेलबर्न के लोगों से मिलने का भी इंतजार कर रहा था। इसलिए इस बार मैंने सोचा कि मेलबर्न के लोगों के साथ 'फ्लैट व्हाइट कॉफी' पी जाए। प्रधानमंत्री ने प्रवासी भारतीयों के भारत के साथ गहरे जुड़ाव के बारे में बात की। आप में से कई लोग ऐसे होंगे जो अपने घरों में कम से कम दो टाइम जोन (समय क्षेत्रों) को मैनेज करते होंगे। यहाँ, बच्चे ऑस्ट्रेलियाई समय के अनुसार स्कूल से लौटते हैं, जबकि भारत में दादा–दादी वीडियो कॉल के जरिए जुड़ने का इंतजार कर रहे होते हैं। हो सकता है कि यहाँ वीकेंड हो, फिर भी भारत में हो रही किसी शादी की लाइव स्ट्रीमिंग चल रही हो। इस दिनचर्या के साथ–साथ, आप सभी ऑस्ट्रेलिया के विकास में पूरे जोश के साथ योगदान दे रहे हैं। मुझे आप सभी पर गर्व है। हम भारतीय दूध में घुलने वाली चीनी की तरह हैं, जो उसे और भी मीठा बना देती है। हम भारतीय दुनिया में अपने प्यार की मिठास घोलते रहते हैं। घर में दूध भले ही ऑस्ट्रेलियाई हो, लेकिन बनी हुई चाय भारतीय होती है। दालें और सब्जियाँ ऑस्ट्रेलियाई होती हैं, फिर भी उनमें असली भारतीय मसालों का तड़का लगा होता है। कहा जाता है कि मेलबर्न शहर में एक ही दिन में चारों मौसमों की झलक मिल जाती हैय पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय समुदाय ने अपने सांस्कृतिक रंगों से इसे और भी जीवंत बना दिया है। यहाँ मेलबर्न और आस–पास के इलाकों में कई ऐसी जगहें और बाजार हैं जो भारतीयता की भावना से ओत–प्रोत हैं। कुछ लोग उन्हें शलिटिल इंडियाश कहते हैं, तो कुछ शमिनी इंडियाश्य नाम चाहे जो भी हो, वे भारतीय संस्कृति में रचे–बसे हैं। किसी ने मुझे ऐसे ही एक बाजार का वीडियो दिखाया। वीडियो में बताया गया था कि वहाँ लगातार सेल (बिक्री) चलती रहती है। लोग इन सेल्स के उत्साह में पूरी तरह बह जाते हैं, भले ही किसी का खरीदारी करने का मन न हो, फिर भी वे कुछ न कुछ खरीद ही लेते हैं।

आतंकवाद मानवता के लिए चुनौती, पीएम मोदी का पाकिस्तान पर बड़ा प्रहार

मेलबर्न।

मेलबर्न में तीसरे भारत–ऑस्ट्रेलिया सालाना शिखर सम्मेलन के बाद ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच बढ़ते ऑपरेशनल तालमेल का जिक्र किया। ग्लोबल सिक्योरिटी के मुद्दे पर मजबूत और एकजुट रुख अपनाते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सीमा–पार आतंकवाद दुनिया की स्थिरता के लिए एक बड़ा खतरा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नई दिल्ली और कैनबरा मिलकर आतंकी नेटवर्क को खत्म करने के साझा अभियान में मजबूती से एकजुट हैं। मेलबर्न में तीसरे भारत–ऑस्ट्रेलिया सालाना शिखर सम्मेलन के बाद ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच बढ़ते ऑपरेशनल तालमेल का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि आज हमने कई क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तार से

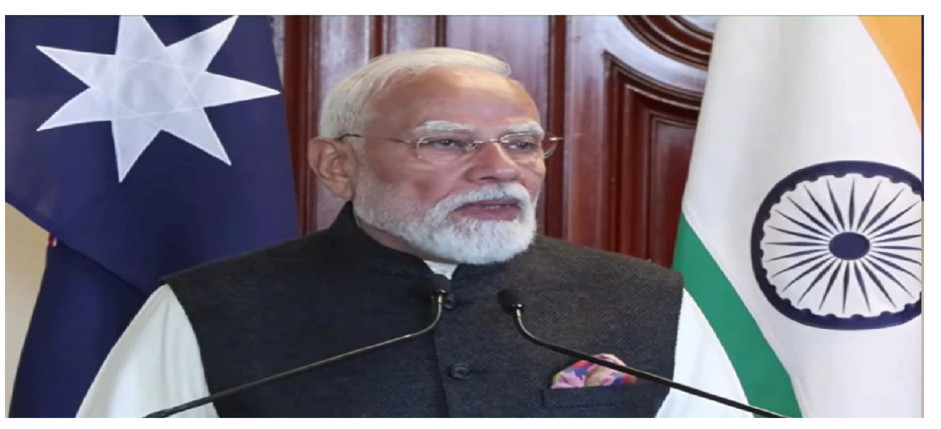

चर्चा की। भारत और ऑस्ट्रेलिया का मानना घ्है कि आतंकवाद न केवल किसी एक देश के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक गंभीर चुनौती है। इसलिए, आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई साझा है, हमारा संकल्प अटूट है और इस क्षेत्र में हमारा सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है। दुनिया भर में तनावपूर्ण और संवेदनशील हालात के बीच, प्रधानमंत्री ने भारत के इस सैद्धांतिक रुख को मजबूती से दोहराया कि सैन्य टकराव से कोई स्थायी समाधान नहीं निकल सकताय उन्होंने कहा कि भू–राजनीतिक तनाव की जगह बातचीत के जरिए समाधान निकाला जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा हमारा यह भी मानना घ्है कि दुनिया के कई हिस्सों में तनाव और युद्धों का समाधान केवल बातचीत और कूटनीति से ही हो सकता है। हम मिलकर पूरे इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में शांति, स्थिरता, नेविगेशन की आजादी और नियमों पर आधारित व्यवस्था को और मजबूत करेंगे। प्रधानमंत्री ने इस क्षेत्र के रणनीतिक भूगोल को केवल समुद्री रास्तों के मिलन–स्थल के बजाय लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए एक अहम क्षेत्र के तौर पर देखा और कहा कि दोनों देश क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने में खास भूमिका निभा सकते हैं।

उत्तराखंड सीएम धामी ने कैसे बदली देवभूमि की तस्वीर, कानून से इंफ्रा तक बड़ा बदलाव

एजेंसी।

उतराखण्ड मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार ने यूनिफॉर्म सिविल कोड, देश के सबसे सख्त नकल विरोधी कानून और कड़े धर्मांतरण विरोधी कानून जैसे ऐतिहासिक सुधारों को लागू किया है, जिनका उद्देश्य राज्य में कानून व्यवस्था को मजबूत करना और शासन में पारदर्शिता लाना है। उत्तराखंड में पिछले पांच वर्षों के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली सरकार ने नीतिगत निरंतरता, शासन सुधार और योजनाओं को जमीन पर उतारने पर विशेष ध्यान दिया है। राजनीतिक अस्थिरता के पुराने दौर से बाहर निकलकर इस सरकार को प्रशासनिक निरंतरता का पूरा लाभ मिला है। सरकार ने इस स्थिरता का उपयोग लंबे समय से लंबित विधायी सुधारों को पूरा करने और इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए किया है। प्रशासन का मानना है कि इस स्थिर शासन से नीतियों को तेजी से लागू करने, पारदर्शिता बढ़ाने और राज्य के दीर्घकालिक विकास की मजबूत

नींव तैयार हुई है।यूनिफॉर्म सिविल कोड का ऐतिहासिक निर्णयधामी सरकार के सबसे बड़े और ऐतिहासिक सुधारों में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को लागू करना शामिल है, जो 27 जनवरी 2025 से पूरे राज्य में प्रभावी हो चुका है। इसके साथ ही उत्तराखंड विवाह, तलाक, संपत्ति के उत्तराधिकार और लिव–इन रिलेशनशिप के लिए एक समान नागरिक कानून लागू करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। इस कानून ने धर्म–आधारित व्यक्तिगत नागरिक कानूनों की जगह ले ली है। सरकार के अनुसार, इस कानून का उद्देश्य कानूनी एकरूपता और लैंगिक न्याय को बढ़ावा देना है, साथ ही बाल विवाह, बहुविवाह, तीन तलाक, हलाला और इद्दत जैसी प्रथाओं पर रोक लगाना है।देश का सबसे सख्त एंटी–कॉपींग कानूनभर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक मामलों पर कड़ा एक्शन लेते हुए राज्य सरकार ने उत्तराखंड सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम और निवारण के उपाय) अधिनियम, 2023 लागू किया। इसे देश के सबसे कड़े नकल विरोधी कानूनों में से एक माना जाता है। इस कानून के तहत संगठित रूप से नकल कराने वाले रैकेट, कोचिंग संस्थानों, सर्विस प्रोवाइडर्स और प्रिंटिंग प्रेसों के शामिल होने पर आजीवन कारावास और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। इसके अलावा, अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने वाले उम्मीदवारों को भी जेल, भारी जुर्माने और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं से 10 साल तक के लिए प्रतिबंधित किए जाने की सजा मिल सकती है। राज्य में कानून–व्यवस्था को मजबूत करने के लिए उत्तराखंड सार्वजनिक और निजी संपत्ति नुकसान वसूली अध्यादेश, 2024 लाया गया। यह कानून अधिकारियों को दंगों, विरोध प्रदर्शनों, हड़तालों और बंद के दौरान सरकारी या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले उपद्रवियों से ही नुकसान की पूरी भरपाई करने का अधिकार देता है। इसमें पुलिस और अन्य सरकारी एजेंसियों द्वारा स्थिति को नियंत्रित करने में हुए खर्च की वसूली का भी नियम है, साथ ही 8 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।

सपा-कांग्रेस ने बुंदेलखंड के युवाओं को तमंचे दिए, हमने तस्वीर बदली- योगी आदित्यनाथ

संवाददाता।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उन्होंने बुंदेलखंड को डकैत और युवाओं को तमंचे दिए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने डिफेंस कॉरिडोर और एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाओं से इस पिछड़े इलाके की तस्वीर बदल दी है।बांदा (उप्र), मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उनकी सरकारों ने बुंदेलखंड को डकैत और स्थानीय युवाओं को तमंचे पकड़ा दिये थे, मगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने मूलभूत ढांचे, रोजगार और डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के जरिये इस पिछड़े इलाके की तस्वीर ही बदल दी है।योगी ने बांदा और बबेरू विधानसभा क्षेत्रों में 710 करोड़ रुपये की लागत वाली 229 विकास परियोजनाओं के उद्घाटनधशिलान्यास और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जो बुंदेलखंड कभी पलायन, सूखे और खराब कानून–व्यवस्था के लिए जाना जाता था, वह भाजपा की 'डबल–इंजन सरकार' के राज में यातायात सम्पर्क, निवेश और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग का केंद्र बनकर उभरा है।मुख्यमंत्री ने कहा, श्आज बुंदेलखंड के पास अपना एक्सप्रेस वे है और यहां डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर बन रहा है... लेकिन याद करिये, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के लोगों ने यहां डकैत दिए थे।

नौजवानों को नौकरी तो नहीं दी लेकिन उनके हाथ में तमंचे पकड़ा दिये थे और हमारी सरकार अब बुंदेलखंड को डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर का एक हब बना रही है।उन्होंने कहा कि इस कॉरिडोर के माध्यम से सरकार ब्रह्मोस जैसी मिसाइल बनाती है और वह मिसाइल जब दुश्मन पर दागी जाती है तो पाकिस्तान भी श्बाप–बापश करके चिल्लाता दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि यह भारत का शौर्य है, यह भारत का पराक्रम है, भारत के बहादुर जवानों के लिए भारत की विजय का शंखनाद है और बुंदेलखंड उसका केंद्र बिंदु बन रहा है।पूर्ववर्ती सरकारों पर बुंदेलखंड की अनदेखी का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र का पिछड़ापन यहां के युवाओं के पलायन का कारण बना था और पलायन तथा प्यास बुंदेलखंड की पहचान बन गयी थी। उन्होंने कहा, श्अगर कोई भू – माफिया या डकैत चुनाव जीतकर जाएगा तो वह व्यापारी का अपहरण करेगा, सम्मानित लोगों की जमीनों पर कब्जा करेगा और गरीबों को उजाड़ेगा। वर्ष 2017 के पहले यही तो होता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड में कहीं खनन माफिया, कहीं लैंड माफिया, कहीं सैंड माफिया और कहीं पर डकैतों का ऐसा आतंक था कि किसान भी खेत में जाने से डरते थे। उन्होंने कहा कि पहले न तो कनेक्टिविटी थी, न पेयजल और सिंचाई की सुविधा थी, न नौकरी–रोजगार था और बेटियों की सुरक्षा भी नहीं थी।उन्होंने कहा कि 2014 में केंद्र में नरेन्द्र मोदी सरकार बनने के बाद बुंदेलखंड के लिये आशा की किरण जागी और 2017 में प्रदेश में 'डबल इंजन' की सरकार बनी तो बुंदेलखंड का विकास हुआ।योगी ने कहा, श्आज बुंदेलखंड में क्या नहीं है? आज सब कुछ है। महारानी दुर्गावती के नाम पर मेडिकल कॉलेज, कृषि विश्वविद्यालय, इंजीनियरिंग कॉलेज और पॉलिटेक्निक का शिलान्यास और उद्घाटन हो रहा है। यह तभी संभव है जब अच्छे जन प्रतिनिधि चुने जाते हैं। उन्होंने सवाल किया कि सपा या कांग्रेस के शासनकाल में वीरांगना अवंती बाई लोधी और महाराणा प्रताप की मूर्तियां क्यों नहीं स्थापित हो पायीं या मंदिरों का सौंदर्यीकरण क्यों नहीं हो पाया, क्योंकि उनकी रुचि ही नहीं थी।

अखिलेश यादव ने ट्रस्ट के पुनर्गठन की मांग की, बीजेपी पर साधा निशाना

संवाददाता।

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने अयोध्या राम मंदिर चंदा में कथित अनियमितताओं को महापाप बताते हुए बीजेपी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सरकार द्वारा गठित SIT को लीपा–पोती करार देते हुए मंदिर ट्रस्ट के पुनर्गठन और निष्पक्ष जांच की मांग की है। आरोपियों से पूछताछ जारी रहने के बीच, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को अयोध्या राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित गड़बड़ियों को लेकर बीजेपी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने इसे सनातन धर्म में महापाप बताया और मंदिर ट्रस्ट के पूरी तरह से पुनर्गठन की मांग की। लखनऊ में आध्यात्मिक गुरु स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के कार्यक्रम में उनसे मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए यादव ने कहा कि अयोध्या में उन्होंने अपने स्वार्थ के लिए भगवान श्री राम की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने महापाप किया है। यादव ने आगे कहा कि हमारे सनातन धर्म में धार्मिक चढ़ावे या दान में चोरी करने से बड़ा कोई पाप नहीं है। हर गांव और घर में इस बात पर चर्चा हो रही है कि उन्होंने दान और चढ़ावे का प्रबंधन कैसे किया। हमारा हिंदू धर्म और सनातनी लोग बहुत भावुक हैंय उन्हें इससे गहरा दुख पहुंचा है। सपा प्रमुख ने इस मामले की जांच कर रही सरकार की बनाई स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) को खारिज कर दिया। उन्होंने इसे लीपा–पोती बताया और इसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि इसके एक सदस्य पर क्रिमिनल कोड की धारा 420 के तहत धोखाधड़ी के आरोप हैं।उन्होंने कहा कि यह SIT (स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम) क्या है? यह सिर्फ लीपा–पोती है। यह SIT किसने बनाई? मैंने सुना है कि इसके एक सदस्य पर खुद धोखाधड़ी (धारा 420) के आरोप हैं। ऐसा व्यक्ति जांच कैसे कर सकता है? यह एक बड़ा मामला है जिसमें BJP के बड़े नेता शामिल हैं। यादव ने आरोप लगाया कि इस

विवाद में ठश्रच के एक सीनियर नेता द्वारा नकली डोनेशन कूपन छापने का मामला शामिल है। उन्होंने कहा कि BJP के एक बड़े नेता द्वारा नकली डोनेशन कूपन रसीदें छापने का मामला सामने आया था। मैं नाम नहीं लूंगा, लेकिन अब परतें खुल रही हैं। इससे न सिर्फ देश की छवि खराब होती है, बल्कि इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट भी रुकेगा। यादव ने इस कथित घोटाले को लेकर मंदिर ट्रस्ट के ट्रेजरर के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने अधिकारियों पर आरोप लगाया कि वे विपक्ष को निशाना बना रहे हैं जबकि उनकी पार्टी की शिकायतों को नजरअंदाज कर रहे हैं। साथ ही, उन्होंने कॉल डिटेल रिकॉर्ड्स (CDRs) जारी करने की भी मांग की और दावा किया कि इनसे ज़्यादातर BJP सदस्य ही फंसेंगे।

केजरीवाल ने सरकार से की बड़ी मांग, पेट्रोल की कीमत 82 रुपये होनी चाहिए, 102 रुपये नहीं

एजेंसी।

दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है, उनका कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बावजूद उपभोक्ताओं को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने पेट्रोल का दाम 82 प्रति लीटर करने की वकालत करते हुए आरोप लगाया कि सरकार तेल मार्केटिंग कंपनियों को नाजायज मुनाफा कमाने दे रही है, जिससे महंगाई बढ़ रही है और परिवारों पर बोझ पड़ रहा है। आम आदमी पार्टी (AAP) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भारी कटौती की मांग की। उन्होंने तर्क दिया कि पिछले एक दशक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट का फायदा ग्राहकों को नहीं मिला है। पत्रकारों से बात करते हुए केजरीवाल ने मांग की कि पेट्रोल की कीमत मौजूदा 102 प्रति लीटर के बजाय 82 प्रति लीटर होनी चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह तेल मार्केटिंग कंपनियों को नाजायज मुनाफा कमाने दे रही है।केजरीवाल ने कहा कि पेट्रोल 102 प्रति लीटर के बजाय 82 प्रति लीटर मिलना चाहिए और डीजल की कीमतें भी कम होनी चाहिए। उन्होंने सरकार से अपील की कि कच्चे तेल की कम कीमतों का फायदा ग्राहकों तक पहुंचाया जाए। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि 2014 के बाद से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें कई बार गिरी हैं, लेकिन इसका असर पेट्रोल–डीजल की खुदरा कीमतों पर नहीं दिखा।उन्होंने पूछा कि 2014 से अब तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें कम से कम छह बार घटी हैं, लेकिन देश में पेट्रोल की कीमतें उस हिसाब से कम नहीं की गईं। इन सालों में जो भारी मुनाफा कमाया गया, उसका क्या हुआ? केजरीवाल ने तर्क दिया कि ईंधन की कीमतें कम करने से महंगाई का दबाव कम होगा और परिवारों व व्यवसायों, दोनों पर वित्तीय बोझ भी घटेगा। उन्होंने केंद्र पर यह आरोप भी लगाया कि वह तेल कंपनियों को ईंधन की कीमतें कृत्रिम रूप से ऊंची बनाए रखने की अनुमति दे रहा है, जबकि उन्हें सस्ते कच्चे तेल से होने वाले लाभ का फायदा जनता तक पहुंचाना चाहिए। उनके ये बयान केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के उस संकेत के कुछ दिनों बाद आए हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें चार महीने के निचले स्तर पर आने के बावजूद पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तुरंत कटौती की संभावना नहीं है। मंत्री के अनुसार, सरकारी रिफाइनर अभी भी उस कच्चे तेल को प्रोसेस कर रहे हैं जिसे वेस्ट एशिया में संघर्ष के चरम पर ऊंची कीमतों पर खरीदा गया था। संघर्ष शुरू होने के दो महीने से भी अधिक समय बाद, मई के दूसरे भाग में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 7.50 प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी, लेकिन यह बढ़ोतरी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईंधन की लागत में हुई वृद्धि से कम थी, जिससे सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों को बोझ का कुछ हिस्सा उठाना पड़ा।

ऑटो खरीदने निकले युवक की दोस्त ने कर दी हत्या, मोबाइल और नकदी के लालच में रची खौफनाक साजिशय 24 घटे में पुलिस ने किया खुलासा

लखनऊ, (आरएनएस)। राजधानी के काकोरी थाना क्षेत्र में ऑटो–रिक्शा खरीदने के लिए घर से निकले एक युवक की हत्या के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक के साथ ऑटो खरीदने गया उसका परिचित ही शराब के नशे और मोबाइल व नकदी के लालच में उसका हत्यारा बन गया। हत्या के बाद आरोपी शव को एक्सप्रेस–वे की सर्विस रोड किनारे फेंककर मोबाइल फोन और बचे हुए रुपये लेकर फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन, नकदी और घटना में प्रयुक्त ई–रिक्शा बरामद कर लिया है।पुलिस के अनुसार, ग्राम दोना निवासी मस्तराम रावत ने 8 जुलाई को थाना काकोरी में तहरीर देकर बताया कि उनके छोटे भाई दिलीप रावत (30) एक दिन पहले घर से करीब 80 हजार रुपये लेकर ऑटो–रिक्शा खरीदने के लिए मुजीब उर्फ मुन्ना के साथ गए थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल भारतीय न्याय संहिता की धारा 140(1) के तहत मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी।घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना काकोरी पुलिस ने परिजनों के साथ दो टीमें गठित कीं तथा सर्विलांस टीम की मदद से मोबाइल नंबरों का विश्लेषण शुरू किया। इसी दौरान सूचना मिली कि भलिया अंडर एक्सप्रेस–वे के आगे एक व्यक्ति का शव पड़ा है। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची, घटनास्थल को सुरक्षित कर फील्ड यूनिट की सहायता से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए गए। बाद में परिजनों ने शव की पहचान दिलीप रावत के रूप में की। पुलिस ने पंचायतनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए सर्विलांस टीम सहित तीन पुलिस टीमों को लगाया गया। लगातार दबिश और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 9 जुलाई को नामजद आरोपी मुजीब उर्फ मुन्ना निवासी नकटौरा, मजरा दोना, थाना काकोरी को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से मृतक का लूटा गया एआई प्लस कंपनी का मोबाइल फोन, 4,800 रुपये नकद और घटना में प्रयुक्त ई–रिक्शा (यूपी32टीटी4614) बरामद किया गया।पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह ऑटो चालक है। 7 जुलाई को उसकी मुलाकात दिलीप रावत से हुई, जो नया ऑटो खरीदने के लिए रुपये लेकर आया था। दोनों ने ऑटो एजेंसी पहुंचकर वाहन की बुकिंग के लिए 50 हजार रुपये तथा ड्राइविंग लाइसेंस के लिए एक हजार रुपये जमा किए। इसके बाद दोनों ने शराब पी और अपने एक परिचित शक्ति के साथ घुरघुरी तालाब पहुंचे, जहां दिलीप ने करीब 12 हजार रुपये का नया मोबाइल फोन खरीदा। आरोपी ने उसी मोबाइल में अपना सिम कार्ड डाल लिया।इसके बाद तीनों बड़ागांव अंडरपास पहुंचे और फिर शराब पी। कुछ देर बाद शक्ति वहां से अपने गांव चला गया। आरोपी ने बताया कि मोबाइल फोन को लेकर उसके और दिलीप के बीच विवाद हो गया। गांव लौटते समय नागेश्वर मंदिर के पास उसने सिगरेट पीने के बहाने ई–रिक्शा रुकवाया और अंगोछे से दिलीप का गला कसकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद उसने शव को एक्सप्रेस–वे की सर्विस रोड के किनारे फेंक दिया और मृतक का मोबाइल फोन व बची हुई नकदी लेकर फरार हो गया।पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने शराब के नशे में मोबाइल फोन और पैसों के लालच में इस वारदात को अंजाम दिया। मामले में हत्या, लूट, साक्ष्य मिटाने सहित भारतीय न्याय संहिता की अन्य धाराओं तथा एससीध्एसटी अधिनियम की संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी करते हुए अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सरकारी चकमार्गो को मिलाकर कर दी प्लाटिंग, भूमिधरी पर भी किया कब्जा

प्रयागराज। यमुना नगर के करछना तहसील अंतर्गत ग्राम चकहीरानन्द में भू–माफियाओं द्वारा सरकारी और निजी जमीनों पर अवैध कब्जा कर उन्हें बेचने का एक गंभीर मामला सामने आया है। क्षेत्र के दबंगों पर सरकारी चकमार्गों को गायब करने, सीमा चिन्हों को नष्ट करने और एक पीड़ित की पैतृक भूमि पर छलपूर्वक कब्जा कर उसे जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगे हैं। मामले को लेकर पीड़ित ने प्रशासन और पुलिस के उच्चाधिकारियों से न्याय की गुहार लगाते हुए प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है।

प्राप्त विवरण के अनुसार करछना क्षेत्र के पनासा गांव निवासी कपिल देव द्विवेदी ने बताया कि नैनी कोतवाली क्षेत्र के चकहीरानन्द में अजय कुमार मिश्र, सुजीत कुमार मिश्र और श्रीमती सुनीता मिश्र निवासी नैनी गांव द्वारा बड़े पैमाने पर भूमि की प्लाटिंग का कार्य किया जा रहा है। कपिल देव का आरोप है कि प्लाटिंग के दौरान इन व्यक्तियों ने नियमों को ताक पर रखकर ग्राम समाज के चकमार्ग संख्या–3, 16, 24, 26, 30, 37, 46, 53, 61, 68 और 74 पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया। इन सरकारी रास्तों की जमीनों को प्लाटिंग का हिस्सा बनाकर आम जनता को बेच दिया गया और सभी पुराने सीमा चिन्हों (मेड़ व पत्थर) को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, उक्त आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और उनके खिलाफ पूर्व में भी कई मुकदमे दर्ज हैं।

चकमार्गों के अतिरिक्त, इन लोगों ने कपिल देव की निजी भूमि पर भी शोरेपुश्ती के बल पर कब्जा कर लिया है। पनासा गांव निवासी कपिलदेव द्विवेदी ने बताया कि उन्होंने नैनी कोतवाली क्षेत्र के चकहीरानन्द में स्थित आराजी संख्या 8 (रकबा 90 वर्गमीटर) और आराजी संख्या 6 (रकबा 70 वर्गमीटर), कुल रकबा 160 वर्गमीटर के पंजीकृत बैनामा कराया है और संक्रमणीय भूमिधर हैं। सरकारी अभिलेखों में भी उनका नाम दर्ज है।

आरोप है कि उक्त भू–माफियाओं ने पीड़ित की इस 160 वर्गमीटर जमीन को भी अपनी बताकर दूसरों को बेच दिया। जब पीड़ित ने इसका विरोध किया, तो उन्हें धमकी दी गई कि ष्अभी तो जमीन गायब हुई है, अब तुम भी गायब हो जाओगे।ष पीड़ित कपिल देव ने इस मामले में मार्च 2019 से उपजिलाधिकारी करछना के यहां राजस्व संहिता की धारा–24 के तहत नाप का मुकदमा (कपिल देव बनाम सरकार) दाखिल कर रखा है, लेकिन सात साल बीत जाने के बाद भी प्रशासनिक शिथिलता के कारण जमीन की नाप नहीं हो सकी। पीड़ित द्वारा तहसील दिवस और थाना दिवस पर दिए गए दर्जनों प्रार्थना पत्रों पर भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। मामले में नया मोड़ दिसंबर 2025 में आया, जब आरोपी अजय कुमार मिश्र ने पीड़ित से संपर्क कर विवादित भूमि के बजाय दूसरी जगह 105 वर्गमीटर जमीन छोड़ने की बात कही और वहीं निर्माण करने की सलाह दी। इस आश्वासन पर भरोसा करके पीड़ित कपिलदेव द्विवेदी ने उस स्थान पर पिलर खड़े कर नींव भरवाई, सेफ्टी टैंक बनवाया और बोरिंग का काम शुरू करवाया। इस निर्माण कार्य में पीड़ित के लगभग सात लाख रुपये खर्च हो चुके थे। आरोप है कि इसके बाद बीते दिन आरोपी अजय कुमार मिश्र अपने साथ कई अज्ञात लोगों को लेकर मौके पर पहुंचे और चल रहे निर्माण कार्य को जबरन बंद करवा दिया। जब पीड़ित ने इस अन्याय का कारण पूछा, तो आरोपियों ने उन्हें हथियार के बल पर डराया और धमकी दी कि ष्यदि दोबारा निर्माण कार्य शुरू किया, तो जान से मार दिए जाओगे।

अलीगढ़ से राजेंद्र पाल गौतम ने शिक्षा और निजीकरण को लेकर भाजपा सरकार पर साधा निशाना

लखनऊ अलीगढ़, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी एवं पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने अपने एक दिवसीय उत्तर प्रदेश दौरे के दौरान अलीगढ़ में शिक्षा व्यवस्था, सरकारी स्कूलों के निजीकरण और रोजगार के मुद्दे पर केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा को कमजोर कर गरीब, दलित, पिछड़े और वंचित वर्गों को अवसरों से दूर करने का काम कर रही है।राजेंद्र पाल गौतम मंगलवार सुबह दिल्ली से बुलंदशहर पहुंचे। रास्ते में लालकुआं (गाजियाबाद), दादरी, सिकंदराबाद और बुलंदशहर सहित विभिन्न स्थानों पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। बुलंदशहर पहुंचने पर उन्होंने बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।इसके बाद वह खुर्जा और खैर होते हुए अलीगढ़ पहुंचे, जहां अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय सर्किल के निकट आयोजित प्रबुद्धजन संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि टीईटी उत्तीर्ण शिक्षक सरकारी विद्यालयों में पढ़ाते हैं, जबकि निजी विद्यालयों में ऐसे शिक्षक भी पढ़ाते हैं जिन्होंने टीईटी उत्तीर्ण नहीं की। इसके बावजूद सरकारी विद्यालयों में छात्रों की संख्या लगातार घट रही है, जो सरकार की शिक्षा नीति पर गंभीर सवाल खड़े करती है।उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी, बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर, मौलाना अबुल कलाम आजाद, पंडित जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस सरकारों ने गरीब, दलित और पिछड़े वर्गों के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए छात्रवृत्ति और अन्य योजनाओं के माध्यम से प्रोत्साहित किया, जिससे इन वर्गों के बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर और अन्य उच्च पदों तक पहुंचे। लेकिन वर्तमान सरकार सरकारी विद्यालयों को बंद कर शिक्षा का निजीकरण कर रही है, जिससे गरीब परिवारों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करना कठिन होता जा रहा है।उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है और बड़ी संख्या में सरकारी विद्यालय बंद किए जा रहे हैं, जबकि निजी स्कूलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। उनके अनुसार यह नीति शिक्षा को आम लोगों की पहुंच से दूर करने वाली है।राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि वर्तमान सरकार केवल कुछ चुनिंदा पूंजीपतियों के हित में काम कर रही है। यदि सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध नहीं करा पा रही है तो युवाओं को रोजगार देने का दावा भी खोखला साबित होगा। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं पर होने वाले भारी खर्च और शिक्षा व्यवस्था को लेकर विश्वविद्यालयों, वकीलों, श्रमिकों, किसानों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बुद्धिजीवियों के बीच व्यापक बहस की आवश्यकता है, जिसकी शुरुआत उन्होंने अलीगढ़ से की है।इसके बाद राजेंद्र पाल गौतम अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने छात्रों के साथ बैठक की। उन्होंने युवाओं को देश की रीढ़ बताते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था को कमजोर करने के प्रयासों के खिलाफ सभी वर्गों को एकजुट होकर आवाज उठानी चाहिए।

अधिवक्ता हित की लड़ाई आदेश वापसी तक रहेगी जारी- अध्यक्ष, राजस्व बार

प्रयागराज। राजस्व परिषद अध्यक्ष श्रीमती अर्चना अग्रवाल के निर्देश पर राजस्व परिषद लखनऊ द्वारा जारी 3 जुलाई के आदेश को गलत करार देते हुए बार एसोसिएशन बोर्ड ऑफ रेवेन्यू उ०प्र० प्रयागराज ने इसकी कड़ी शब्दों में निंदा की है। बार के पदाधिकारी आज अध्यक्ष डॉ बाल कृष्ण पांडेय के नेतृत्व में सदस्य न्यायिक प्रभारी साहब सिंह आई0 ए0 एस0 से मिलकर एक ज्ञापन सौंपा।इस दौरान हुई बैठक में पदाधिकारियों ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता में दी गई व्यवस्था एवं पूर्व में राजस्व परिषद बोर्ड की बैठक में लिए गए निर्णय पर अमल न करके मनमानी तरीके से जो आदेश जारी किए गए हैं वह पूरी तरह गलत हैं। उसे हर–हाल में वापस लेना ही पड़ेगा। अन्यथा बार एसोसिएशन बोर्ड आफ रिवेन्यू उत्तर प्रदेश प्रयागराज के अधिवक्ता न्यायिक कार्य का बहिष्कार करेंगे और आने वाले समय में इस काले आदेश के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय का भी शरण लेंगे। बैठक को संबोधित करते हुए संयुक्त सचिव प्रेस सुरेंद्र कुमार ने राजस्व परिषद अध्यक्ष द्वारा जारी 3 जुलाई के आदेश को गलत करार देते हुए कहा कि सरकार की छवि खराब करने वाले ऐसे अधिकारियों के खिलाफ सुबह के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर अवगत कराया जाएगा। बैठक में महासचिव अनिरुद्ध शर्मा ने अधिवक्ता हित के खिलाफ 3 जुलाई के आदेश को वापस लेने तक संघर्ष जारी का ऐलान किया और कहा कि अध्यक्ष राजस्व परिषद के द्वारा गलत तरीके से आदेश जारी कर राजस्व की सबसे बड़ी अदालत के न्यायिक सदस्यों का अपमान किया है जो हर हाल में बर्दाश्त योग्य नहीं है। राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज के अधिवक्ता इस आदेश को को खत्म कर कर ही दम लेंगे।बैठक का संचालन संयुक्त सचिव प्रशासन रोहित तिवारी ने किया। बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह उपाध्यक्षगण कल्लन उर्फ विजय शंकर तिवारी, रमेश पुंडीर, अरुणेश खरे, राजेश प्रताप सिंह, सुनील वर्मा, संयुक्त सचिव लाइब्रेरी सूर्यकांत शर्मा मोनू, कोषाध्यक्ष नवीन कुमार पाण्डेय, कार्यकारिणी सदस्यगण कृष्ण मुरारी त्रिपाठी, अशोक कुमार श्रीवास्तव, अम्बुज श्रीवास्तव, सत्यदेव शर्मा ,उदय नारायण सिंह , हरिश्चंद्र सिंह, संतोष कुमार तिवारी ,पंकज कुमार श्रीवास्तव, मनीष कुमार पांडेय ,राहुल सिंह, ज्ञान प्रकाश ओझा ,रजत मिश्रा, रविंद्र सिंह ,प्रसून मिश्रा ,सत्येंद्र कुमार सिंह पूर्व अध्यक्ष, क्षमा नाथ सरोज, देवेश वर्मा, राजेश कुमार श्रीवास्तव, समेत सैकड़ो अधिवक्ता उपस्थित रहे।

टैक्स बार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी ने संभाला पदभार

प्रयागराज। इलाहाबाद टैक्स बार एसोसिएशन की आज एजीएम–2026 सभा संपन्न हुई जिसमें चुनाव अधिकारी आगम प्रकाश सत्संगी में बार के चुनाव संपन्न होने एवं निर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा की एवं उनको शपथ दिलाई।

पूर्व अध्यक्ष के के गुप्ता एवं उनकी टीम को धन्यवाद देते हुए विदाई दी गई एवं नई टीम ने रजनीकांत श्रीवास्तव के नेतृत्व में पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर बार के कोषाध्यक्ष ने बार का लेखा–जोखा प्रस्तुत किया एवं महामंत्री ने अपने बार की उपलब्धियां के बारे में अवगत कराया। इस बार ए जी एम–26 में डिस्ट्रिक्ट टैक्स बार एसोसिएशन और द टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश मिश्रा, सुशील अग्रवाल एवं उनके महामंत्री को भी आमंत्रित किया गया था। बार के वरिष्ठ एवं संस्थापक सदस्य एनसी गुप्ता ने बार के नवनिर्वाचित पदाधिकारी को आशीर्वाद दिया एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इसके साथ ही उन्होंने जीएसटी ट्रिब्यूनल की कठिनाइयों के बारे में भी सदस्यों को अवगत कराया और अन्य दोनों बार एसोसिएशन के अध्यक्षों तथा उवप्रव कर अधिवक्ता संगठन श्उपकासश का आह्वान किया कि इस बारे में वह साथ मिलकर आवाज उठाएं।अंत में पूर्व अध्यक्ष के के गुप्ता ने सभी सदस्यों एवं अपने टीम के सदस्यों को धन्यवाद दिया। इस एजीएम में आरके अग्रवाल, वीके पांडे, लालचंद जायसवाल, विनोद श्रीवास्तव, विनोद सिंह, शरद गोयल, रूपनाथ ,अनुराग, दिलीप यादव, मो जैद, आदि सभी सदस्य एवं श्उपकासश के सदस्य विपिन सिंह व आमंत्रित नवीन सिंह चौहान भी मौजूद थे।

बीबीएयू के प्रो. नरेंद्र कुमार एएनआरएफ की तकनीकी कार्यक्रम समिति के सदस्य पुनः नामित

लखनऊ, (आरएनएस)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ के पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रो. नरेंद्र कुमार को एक बार फिर अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) के अंतर्गत पृथ्वी एवं वायुमंडलीय विज्ञान विषय की तकनीकी कार्यक्रम समिति (टीपीसी) का सदस्य नामित किया गया है। इसे विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि और प्रो. कुमार की वैज्ञानिक विशेषज्ञता एवं अनुसंधान उत्कृष्टता का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान माना जा रहा है।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने प्रो. नरेंद्र कुमार को बधाई देते हुए कहा कि उनका पुनः चयन विश्वविद्यालय की अनुसंधान क्षमता और वैज्ञानिक उत्कृष्टता का प्रमाण है।एएनआरएफ देश में अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली शीर्ष संस्था है, जिसका उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाले वैज्ञानिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना तथा वैश्विक स्तर पर भारत की अनुसंधान क्षमता को मजबूत बनाना है। हाल ही में एएनआरएफ ने एडवांस्ड रिसर्च ग्रांट (एआरजी) कार्यक्रम शुरू किया है। यह अत्यंत प्रतिस्पर्धी अनुदान योजना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अग्रणी क्षेत्रों में उच्च प्रभाव वाले मौलिक और अनुप्रयुक्त अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई है। इसके तहत शोधकर्ताओं और वैज्ञानिकों को अत्याधुनिक एवं नवाचार आधारित अनुसंधान के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।एआरजी योजना के तहत प्राप्त अनुसंधान प्रस्तावों के निष्पक्ष, पारदर्शी और वैज्ञानिक मूल्यांकन के लिए एएनआरएफ ने विभिन्न विषयों की तकनीकी कार्यक्रम समितियों का गठन किया है। पृथ्वी एवं वायुमंडलीय विज्ञान विषय की समिति के सदस्य के रूप में प्रो. नरेंद्र कुमार अनुसंधान प्रस्तावों का तकनीकी मूल्यांकन करेंगे और अपनी अनुशंसाएं एएनआरएफ को भेजेंगे। यह समिति अधिकतम 5 करोड़ रुपये तक की वित्तीय सहायता तथा पांच वर्ष की अवधि वाले अनुसंधान प्रस्तावों के तकनीकी परीक्षण एवं मूल्यांकन के लिए अधिकृत है।प्रो. नरेंद्र कुमार का पुनः चयन पृथ्वी एवं वायुमंडलीय विज्ञान के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय अनुसंधान, विशेषज्ञता और योगदान की राष्ट्रीय स्तर पर मिली मान्यता है। साथ ही यह बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ की अनुसंधान उत्कृष्टता और राष्ट्रीय पहचान को भी मजबूत करता है।इस उपलब्धि पर पर्यावरण विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों ने प्रो. नरेंद्र कुमार को शुभकामनाएं देते हुए भारतीय वैज्ञानिक अनुसंधान एवं नवाचार को सुदृढ़ बनाने में उनके सफल योगदान की कामना की।

जोमैटो-हाइपर प्योर के रेस्टोरेंट पार्टनर से 25.98 लाख की ठगी

अलग-अलग रेस्टोरेंट से फर्जी आर्डर बुक करके उड़ा दिया सामान

प्रयागराज। जोमैटो और हाइपर प्योर के रेस्टोरेंट पार्टनर्स के साथ करीब 25.98 लाख रुपये की साइबर ठगी की गई है। इस मामले में कंपनी के एरिया मैनेजर की तहरीर पर बुधवार देर रात जार्जटाउन थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। शिकायत में आरोप है कि मार्च और अप्रैल के बीच अज्ञात लोगों ने कंपनी के कर्मचारी बनकर कई रेस्टोरेंट पार्टनर्स को निशाना बनाया। जांच में इस्तेमाल हुए कुछ मोबाइल नंबरों की लोकेशन प्रयागराज के टैगोर टाउन और छितपुर क्षेत्र में मिलने का दावा किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हरियाणा के गुरुग्राम स्थित जल विहार कॉलोनी निवासी राजबीर सिंह, जो वर्तमान में जोमैटोध हाइपरप्योर में एरिया मैनेजर हैं, ने जार्जटाउन थाने में शिकायत दी। उन्होंने बताया कि 23 मार्च से 22 अप्रैल 2026 के बीच अज्ञात लोगों ने कंपनी के कर्मचारी बनकर रेस्टोरेंट पार्टनर्स से संपर्क किया और धोखाधड़ी कर 25,98,625 रुपये की ठगी कर ली।

शिकायत में कहा गया है कि ठगी के दौरान सात अलग– अलग मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल किया गया। इन नंबरों की लोकेशन और गतिविधियों की जांच में उनका संबंध प्रयागराज के छितपुर और टैगोर टाउन क्षेत्र से सामने आया। इसी आधार पर मामले की रिपोर्ट जार्जटाउन थाने में दर्ज कराई गई। ठगों ने सबसे पहले मेडिकल चौराहा स्थित कान्हा स्वीट्स को निशाना बनाया। इसके बाद अलग–अलग रेस्टोरेंट पार्टनर्स को झांसे में लेकर कुल 25.98 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई।शिकायत में दावा किया गया है कि कंपनी की जांच में धोखाधड़ी में इस्तेमाल हुए दो मोबाइल नंबर भोलू केसरवानी के नाम पर मिले। वह देवरी कला का निवासी है और वर्तमान में घूरपुर क्षेत्र में रहता है। भोलू केसरवानी से संपर्क करने पर उसने बताया कि उसके दो साथियों ने उसके मोबाइल फोन और अलग–अलग नंबरों का इस्तेमाल इस धोखाधड़ी में किया था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि पूरी वारदात छितपुर और टैगोरटाउन क्षेत्र में रहकर अंजाम दी गई।

जार्जटाउन एसएचओ योगेंद्र कुमार ने बताया, मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मोबाइल नंबरों, डिजिटल साक्ष्यों, कॉल डिटेल और अन्य तकनीकी पहलुओं की जांच की जा रही है। पता लगाया जा रहा है कि आखिर रेस्टोरेंट्स पार्टनर ने इतनी ज्यादा मात्रा में माल बिना सत्यापन के कैसे किसी को दे दिया।

मऊमें 5.30 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा नया 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र, 4 हजार उपभोक्ताओं को मिलेगा लाभ - ए.के. शर्मा

लखनऊध्मऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने बुधवार को मऊ जनपद के बंधा रोड स्थित प्रस्तावित 33ध्11 केवी विद्युत उपकेंद्र का वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि–विधान के साथ भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विद्युत क्षेत्र को आधुनिक, सुदृढ़ और उपभोक्ता–केंद्रित बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है तथा प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण, निर्बाध और विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।बहुउद्देशीय भवन 'मंगलम' में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण व्यवस्था को लगातार मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिजली केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि आर्थिक विकास, उद्योग, व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और आम जनजीवन की आधारशिला है।ए.के. शर्मा ने बताया कि करीब 5 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से बनने वाले इस 33ध्11 केवी विद्युत उपकेंद्र की क्षमता 55 एमवीए होगी। इसके अंतर्गत चार नए 11 केवी फीडरों का निर्माण किया जाएगा, जिससे मौजूदा विद्युत उपकेंद्रों पर पड़ने वाला अतिरिक्त भार कम होगा और क्षेत्र की बिजली वितरण व्यवस्था अधिक संतुलित एवं प्रभावी बनेगी।उन्होंने बताया कि इस उपकेंद्र के निर्माण से पटन टोला, व्यारी टोला, संस्कृत पाठशाला, हरिकेशपुरा, सदर चौक, मलिक टोला, हट्टी मदारी, औरंगाबाद, हनुमान घाट, ऑफिसर्स कॉलोनी, रेलवे क्वार्टर, गायघाट, खालसा, ख्वाजाजहांपुर और कागजीवनचक सहित अनेक क्षेत्रों के लगभग 4 हजार उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। इन क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता में सुधार होगा और उपभोक्ताओं को अधिक स्थिर एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिल सकेगी।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि नए उपकेंद्र के चालू होने से 11 केवी लाइनों की लंबाई कम होगी, जिससे तकनीकी हानियों और फॉल्ट की घटनाओं में कमी आएगी। साथ ही ओवरलोडिंग की समस्या दूर होगी, लो–वोल्टेज से राहत मिलेगी और बार–बार बिजली बाधित होने जैसी समस्याओं का प्रभावी समाधान होगा। इससे विद्युत वितरण प्रणाली की कार्यक्षमता भी बढ़ेगी।उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपकेंद्र का निर्माण निर्धारित समय सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए, ताकि क्षेत्र की जनता को शीघ्र इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विद्युत सेवाओं के निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध है और आवश्यकता के अनुसार नए उपकेंद्रों, विद्युत लाइनों तथा अन्य आधारभूत संरचनाओं का विस्तार लगातार किया जा रहा है।कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार और विधि–विधान के साथ भूमि पूजन से हुई। इस अवसर पर विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

पहली बारिश में शहर के अधिकांश हिस्सों में जलभराव

प्रयागराज। गुरुवार को मानसून की पहली झमाझम बारिश ने जहां लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत दिलाई, वहीं नगर निगम की तैयारियों की भी पोल खोलकर रख दी। सुबह से ही शहर में बादलों का डेरा रहा और ठंडी हवाओं के चलते मौसम खुशनुमा बना रहा। इसके बाद दोपहर में शुरू हुई तेज बारिश ने कई इलाकों को जलमग्न कर दिया। सड़कों पर पानी भरने से यातायात प्रभावित हुआ और जगह–जगह लंबा जाम लग गया।नगर निगम ने बारिश से पहले करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से नालों और नालियों की सफाई कराने का दावा किया था, लेकिन पहली ही तेज बारिश में ये दावे धराशायी होते नजर आए। शहर के पॉश इलाके सिविल लाइंस में धरना स्थल के आसपास और कई प्रमुख सड़कों पर जलभराव हो गया। सड़कें तालाब जैसी दिखाई देने लगीं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही जार्ज टाउन, टैगोर टाउन, अल्लापुर, सोहबतियाबाग आदि इलाकों में सड़कें नदियां बन गईं।पुराने शहर के अकबरपुर इलाके में भी हालात बेहद खराब रहे। यहां गलियों में घुटनों तक पानी भर गया, जिससे लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया। कई मोहल्लों में पानी निकासी की व्यवस्था पूरी तरह फेल दिखाई दी।स्थानीय लोगों ने नगर निगम की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि हर साल नाला सफाई के दावे किए जाते हैं, लेकिन बारिश होते ही सच्चाई सामने आ जाती है।बारिश के कारण शहर के कई प्रमुख मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। धीमी रफ्तार से चल रहे वाहनों और जलभराव के कारण लोगों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ा। हालांकि मौसम सुहावना होने से लोगों ने गर्मी और उमस से राहत महसूस की। कई स्थानों पर लोग बारिश का आनंद लेते भी दिखाई दिए।मुहल्ले में हुए जलभराव को कम करने के लिए कई लोगों ने डंडे से कूड़ा हटाकर पानी की निकासी कराई।

विज़डम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

sheelshukla100@gmail.com

-सत्ता का नशा में उड़ाई कानून की धज्जियाँ भाजपा नेत्री पूजा कसौधन पर मुकदमा दर्ज

सुलतानपुर। नगर कोतवाली की शाहगंज पुलिस चौकी में भाजपा नेत्री पूजा कसौधन का एक व्यक्ति को पुलिस की मौजूदगी में थप्पड़ मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में चौकी प्रभारी मूकदर्शक बने दिखाई दे रहे हैं। थप्पड़ मारने के बाद कथित तौर पर भाजपा नेत्री यह कहते हुए भी सुनाई दे रही हैं कि अब तुम अपनी औकात भूल जाओगे।

यदि वायरल वीडियो सही है तो सवाल केवल एक थप्पड़ का नहीं बल्कि कानून के सम्मान का है। क्या किसी राजनीतिक पद या प्रभाव के दम पर पुलिस चौकी के भीतर ही किसी के साथ अभद्रता और मारपीट की जा सकती है? और यदि ऐसा हुआ तो पुलिस की भूमिका केवल तमाशबीन बनने की क्यों रही। बताया जाता है कि संबंधित भाजपा नेत्री पहले भी कई विवादों को लेकर चर्चा में रही हैं। ऐसे में यह घटना और भी गंभीर सवाल खड़े करती है। पुलिस कप्तान ने मामले को संज्ञान में लेते हुए भाजपा नेघ्त्री पूजा कसौधन पर मुकदमा पंजीकृत करने का आदेश कर दिया और चौकी इंचार्ज पर विभागीय जांच के आदेश दिया।

घर के अंदर युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कुड़वारध्सुल्तानपुर। सुबह खाना बनाने के बाद घर के अंदर टीन शेड में लगे बांस के सहारे लटक कर युवती ने आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेसिक टीम व अधिकारी के निरीक्षक के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया है। मामला स्थानीय थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव से जुड़ा है जहां गुरुवार को सुबह कल्पना(18) पुत्री गोकुल प्रजापति ने खाना बनाकर भाई व पिता को खिलाया। खाना खा कर भाई दिलीप स्कूल चला गया और पिता मजदूरी करने चला गया। मां फूल कुमारी गांव में दूसरे के घर बर्तन मांजने चली गई। जब मां वापस लौटी तो घर का दरवाजा अंदर से बंद था।काफी देर बुलाने के बाद जब दरवाजा नहीं खुला तो पड़ोसियों को बुलाकर घर खुलवाया तो देखा कि उसकी बड़ी बेटी कल्पना टीन शेड के लगे बॉस में दुपट्टे के सहारे लटक रही है। आनन फानन में नीचे उतरवाया लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई थी। सूचना पर पुलिस टीम के साथ पहुंचे प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार यादव ने घटना की सूचना उच्च अधिकारियों सहित फॉरेसिक टीम को दी।फॉरेसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर सैंपल एकत्रित किए। उपनिरीक्षक अम्बरीष पाठक ने मृतका के पिता की लिखित सूचना पर पंचनामा की कार्यवाही की।

चोरी की घटना का पुलिस ने किया खुलासा, चोरी की 4 लाख के आभूषण के साथ दो बाल अपचारी सहित 4 अभियुक्तगिरफ्तार

कुशीनगर (आरएनएस)। जनपद के विशुनपुरा पुलिस ने थाना क्षेत्र में हुई चोरी की घटना का अनावरण करते हुए चोरी गये सामान के साथ 02 बाल अपचारी सहित 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बुलाई गई प्रेसवार्ता में चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एसपी केशव कुमार ने बताया कि जनपद में अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे विशुनपुरा पुलिस टीम एवं सर्विलांस टीम द्वारा थाना क्षेत्र के ग्राम शाहपुर उचकी पट्टी में कई घरो मे हुए चोरी का सफल अनावरण करते हुए मु0अ0सं0 177ध्2026 से संबंधित चोरी गये सामान के साथ 02 बाल अपचारी सहित 4 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि हम लोगों का एक संगठित गिरोह है जो आस–पास के थाना क्षेत्रों में दिन मे घूमकर रेकी करते है तथा मौका मिलने पर घरो, दुकानो मे घुसकर जेवरात रुपया व वाहन आदि की चोरी करके उसको औनेपौने दामो पर बेचकर अवैध लाभ कमा लेते है। जिसको अपने ऐशो आराम मे खर्च कर देते है तथा फिर रुपया खर्च होने के पश्चात दूसरी घटना की योजना बनाकर अन्जाम देते है। हम अपने गिरोह में दो नाबालिग लडके रखते है। जिससे घर मे घुसते समय पकडे जाने पर कोई न कोई बहाना बनाकर निकल जाते है और लोगो को शक भी नही होता है। गिरफ्तार अभियुक्तों में रुस्तम अंसारी पुत्र समीउल्लाह अंसारी सा0 जंगल शंकरपुर थाना तुर्कपट्टी जनपद कुशीनगर, जुल्फकार अंसारी पुत्र एनुल अंसारी सा0– जंगल शंकरपुर थाना तुर्कपट्टी जनपद कुशीनगर व दो बाल अपचारी को हिरासत में लिया गया है। अभियुक्तों के पास से चोरी के कुल 30,810 रुपया नकद, अंगूठी एक अदद पीली धातु, हार एक अदद पीली धातु, मांग टीका एक अदद पीली धातु, झुमकी एक जोडी पीली धातु, पाजेब चार जोड़ी सफेद धातु, बिछिया एक जोडी सफेद धातु, एन्ड्रायड मोबाइल फोन तीन अदद चोरी का, सिगरेट 5 पैकेट चोरी का, एक अदद मोटर साइकिल प्लेटिना नं0 न्ब्57ल9843 चोरी की, एक अदद साइकिल चोरी की बरामद किया गया है। गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष विशुनपुरा शनि कुमार जावला, उ0नि0 स्वतंत्र कुमार सिंह प्रभारी स्वाट टीम मय टीम, उ0नि सनी दुबे सर्विलांस प्रभारी, उ0नि0 सौरभ गिरी, उ0नि0 सूरज सिंह यादव, उ0नि0 उदयराज यादव सहित अन्य पुलिस कर्मी शामिल रहे।

जनपद के दो मिनी औद्योगिक आस्थानों में उद्योग स्थापना हेतु भूखण्डों की ई-नीलामी, 15 जुलाई तक करें पंजीकरण

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद के इच्छुक उद्यमियों के लिए उद्योग स्थापित करने का सुनहरा अवसर उपलब्ध कराया गया है। मिनी औद्योगिक आस्थान, सरगटिया करनपट्टी दुदही तथा मिनी औद्योगिक आस्थान, सिसवा बुजुर्ग सेवरही में उपलब्ध रिक्त औद्योगिक भूखण्डों के आवंटन हेतु उद्योग निदेशालय द्वारा जेम पोर्टल पर फॉरवर्ड ई–ऑक्शन की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई है।उपायुक्त उद्योग प्रवीण कुमार मौर्य ने बताया कि दोनों औद्योगिक आस्थानों के रिक्त भूखण्डों के आवंटन हेतु जेम बिड संख्या–36288 अपलोड की गई है। इच्छुक उद्यमी निर्धारित समयावधि के भीतर ऑनलाइन पंजीकरण कर ई–नीलामी प्रक्रिया में भाग लेकर भूखण्ड प्राप्त कर सकते हैं। ई–ऑक्शन की समय–सारिणी के अनुसार पंजीकरण 03 जुलाई से 15 जुलाई 2026 तक किया जाएगा। आवेदन–पत्रों की स्क्रूटनी 14 जुलाई से 20 जुलाई 2026 तक होगी। पात्र आवेदकों द्वारा 10 प्रतिशत ईएमडी जमा करने की अवधि 21 जुलाई से 29 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। जबकि ईएमडी की स्क्रूटनी 30 जुलाई से 03 अगस्त 2026 तक की जाएगी। ऑनलाइन नीलामी 04 अगस्त प्रातः 11रू00 बजे से 05 अगस्त 2026 अपराह्न 2रू00 बजे तक आयोजित की जाएगी। उपायुक्त उद्योग ने जनपद के इच्छुक उद्यमियों एवं निवेशकों से अपील किया है कि वे निर्धारित समय सीमा के भीतर पर जाकर ऑक्शन बिड संख्या–36288 के अंतर्गत आवेदन करें तथा पारदर्शी ई–नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से औद्योगिक भूखण्ड प्राप्त कर अपने उद्योग की स्थापना करें। इससे जनपद में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलने के साथ–साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

लूट की घटना के 24 घटे के अंदर ही पुलिस ने खुलासा, लूट का पैसा, मोबाइल सहित 4 अभियुक्तगिरफ्तार, भेजे गए जेल

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद के चौराखास पुलिस ने थाना क्षेत्र में एक कलेक्शन एजेन्ट के हुई लूट की घटना का 24 घण्टे के अन्दर ही सफल अनावरण करते हुए लूट की 1,40,000ध– रुपये, एक लाख चालीस हजार रुपये नकदी, एक मोबाइल फोन व घटना मे प्रयुक्त दो अदद मोटर साइकिल के साथ 04 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

एसपी कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान घटना का खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक केशव कुमार ने बताया कि बीते 06 जुलाई को समय करीब 17.35 बजे सूचना मिली कि थाना चौराखास क्षेत्र के बाढ़ू चौराहा, दर्जिया के पास कुछ व्यक्तियो द्वारा दो व्यक्ति को मारपीट कर 1,50,000ध– रूपये तथा एक एण्ड्रायड मोबाइल छीन लिया गया है। सूचना प्राप्त होने पर पुलिस टीम ने तत्काल घटनास्थल पहुँचकर बारीकी से घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा थाना चौराखास पर मु0अ0सं0 115ध2026 पंजीकृत किया गया। इसके उपरांत पुलिस अधीक्षक ने पुलिस टीमो का गठन कर घटना के शीघ्र अनावरण के लिए निर्देश दिया। जिसके क्रम में थाना चौराखास व स्वाट की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा 24 घण्टे के अन्दर घटना का अनवारण करते हुए घटना में शामिल 04 अभियुक्तों को लूट के 1,40,000ध– रुपये, एक मोबाइल फोन व घटना मे प्रयुक्त दो अदद मोटर साइकिल के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिसिया पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि एक व्यापारी के दुकान का विपिन तुरहा एवं अमन चौबे बकाया वसूली का काम करते हैं। घटना के कुछ दिन पूर्व अभियुक्त विपिन तुरहा द्वारा अपने रिश्तेदार वीरेंद्र कुमार शाह उर्फ जगुआर के साथ योजना बनाया कि वह वसूली करने के लिए अक्सर जाता है। उसके मालिक के पास काफी पैसा है। अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर रास्ते में हम लोगों के साथ मारपीट का दिखावा कर पैसा ले लेना और 02 दिन बाद मुझे आधा पैसा दे देना, बाकी आधे में तुम अपना हिसाब कर लेना। साजिश के तहत 06 जुलाई को विपिन तुरहा स्वयं अपनी लोकेशन व्हाट्सएप से जगुआर को दे रहा था। घटनास्थल रुसवा गांव के पास निकट बाढ़ू चौराहा के पास अभियुक्त अफजल अंसारी, शहनवाज अंसारी, वीरेन्द्र कुमार शाह उर्फ जगुआर, नीरज यादव व एक अन्य अभियुक्त द्वारा घटना को अंजाम दिया गया। मौके पर मारपीट के दौरान विपिन तूरहा द्वारा शहनवाज को घुसा मार देने से नाराज होकर शहनवाज द्वारा विपिन तुरहा को ज्यादा मारा गया। जिसका ईलाज चल रहा है। शीघ्र ही विपिन तूरहा के साथ एक अन्य अभियुक्त को भी गिरफ्तार कर लिया जायेगा। गिरफ्तार अभियुक्तो में अफजल अंसारी पुत्र नियाजुद्दीन अंसारी साकिन रघुनन्दनपुर मंगल टोला थाना चौराखास जनपद कुशीनगर, शहनवाज अंसारी पुत्र नफीस अंसारी साकिन भानपुर थाना चौराखास जनपद कुशीनगर, वीरेन्द्र कुमार शाह उर्फ जगुआर पुत्र स्व0 जोगिन्दर शाह साकिन साकिन दुहौना थाना कटया जनपद गोपालगंज बिहार, नीरज यादव पुत्र गणेश यादव साकिन रघुनन्दनपुर मंगल टोला थाना चौराखास जनपद कुशीनगर शामिल है।

जीआरपी में कानून की चौखट पर वसूली दहशत और अनुशासनहीनता के गंभीर सवाल

सुल्तानपुर। जीआरपी की कार्यशैली इन दिनों सवालों के घेरे में है। हालात ऐसे बताए जा रहे हैं कि सुरक्षा व्यवस्था से ज्यादा चर्चाएँ वसूली, दबंगई और अनुशासनहीनता की हो रही हैं। आरोप है कि पश्चिम से आए कुछ सिपाहियों ने जीआरपी की छवि को धूमिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या यह सब बिना विभागीय संरक्षण के संभव है। चर्चा है कि जीआरपी प्रभारी भोलाशंकर का इन पर पूरा संरक्षण प्राप्त है। आखिर हो भी क्यों न? स्टेशन के बाहर टेम्पो स्टैंड, वेंडरों और कथित टिकट दलालों से होने वाली कथित वसूली का खेल यदि सच है तो फिर संरक्षण की कहानी भी लोगों की जुबान पर होना स्वाभाविक है। आरोप है कि इस पूरे नेटवर्क की कमान सिपाही योगेश कुमार यादव के हाथों में है। बताया जाता है कि बिना वर्दी के चलने वाला यह सिपाही दो वर्दीधारी पुलिसकर्मियों के साथ ऐसे घूमता है मानो उसे व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए सरकारी एस्कॉर्ट उपलब्ध कराया गया हो। सवाल यह है कि आखिर यह विशेष रुतबा किस आधार पर। यदि सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे दृश्य वास्तविक हैं तो तस्वीर और भी चिंताजनक है। आरोप है कि एक व्यक्ति को जानवरों की तरह बेरहमी से पीटा जा रहा है। ऐसे दृश्य न केवल पुलिस की छवि पर दाग लगाते हैं बल्कि आम नागरिक के मन में

कानून के प्रति भरोसा भी कमजोर करते हैं। स्टेशन परिसर में दहशत का माहौल होने की भी चर्चा है। लोग शिकायत करने से बचते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि कार्रवाई की जगह शिकायतकर्ता ही मुश्किल में पड़ सकता है।दूसरी ओर गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय गौरव के अवसर पर भी अनुशासन तार–तार होता दिखाई देता है। आरोप है कि सलामी समारोह के दौरान सिपाही नितिन कुमार मलिक का आचरण वर्दी की गरिमा और तिरंगे के सम्मान के अनुरूप नहीं था। यदि यह आरोप सही हैं तो यह केवल अनुशासनहीनता नहीं बल्कि उस वर्दी की मर्यादा पर भी प्रश्नचिह्न है जिसकी शपथ देश की सेवा के लिए ली जाती है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सुल्तानपुर जीआरपी में कानून का राज है या कुछ लोगों की मनमानी का। क्या रेलवे स्टेशन सुरक्षा का केंद्र है या कथित वसूली और दबंगई का अड्डा? यदि लगाए जा रहे आरोपों और सीसीटीवी फुटेज में दम है तो संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष जांच कर सच्चाई जनता के सामने लानी चाहिए। वर्दी सम्मान का प्रतीक है, भय और बदनामी का नहीं।

मुडिया पूर्णिमा मेला 23 जुलाई से शुरूरु एडीजी ने की बड़ी घोषणा, 9 जोन-सुपरजोन में बटेगा गोवर्धन, पिछले साल की कमियां नहीं दोहराई जाएंगी

- एडीजी, मंडलायुक्त, डीएम-एसएसपी ने की उच्च स्तरीय समीक्षा, मंदिरों के महंतों के साथ बैठक, श्रद्धालुओं की सुरक्षा पहली प्राथमिकता

(मथुराध्गोवर्धन)

ब्रजवासियों की आस्था के प्रतीक मुडिया पूर्णिमा मेले को सकुशल और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। गोवर्धन तहसील में हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन ने मेले को लेकर बड़ी घोषणाएं कीं।

बैठक के बाद एडीजी ने बताया कि मेला 23 जुलाई से शुरू होकर लगभग 23 दिनों तक चलेगा। पिछले सालों के अनुभव के आधार पर जो भी कमियां रही हैं, उन्हें इस बार नहीं दोहराया जाएगा। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। संपूर्ण मेले को 9 जोन में बांटकर सुपरजोन बनाया गया है। इसके अलावा सेक्टर भी बनाए जा रहे हैं। अस्थाई चौकियां, पुलिस बूथ और पेट्रोलिंग पार्टियां तैनात की जाएंगी ताकि हर क्षेत्र पर नजर रखी जा सके। एसएसपी और डीआइजी ने जो भी फोर्स मांगी है, जोन की तरफ से दे दी गई है। किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होगी। उम्मीद है व्यवस्था सुचारू रूप से चलेगी।

गोष्ठी में अपर पुलिस महानिदेशक आगरा जोन, मंडलायुक्त आगरा मंडल, पुलिस उपमहानिरीक्षक आगरा परिक्षेत्र, जिलाधिकारी मथुरा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा ने प्रतिभाग किया। इस दौरान गोवर्धन क्षेत्र के सभी पुलिस और प्रशासनिक अधिकारीगण के साथ–साथ गिरिराज जी के मंदिरों के महंत और चेयरमैन भी मौजूद रहे।

अधिकारियों के कड़े निर्देश

अधिकारियों ने सुरक्षा, यातायात, भीड़ नियंत्रण, साफ–सफाई और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर विस्तृत चर्चा की। सभी संबंधित अधिकारियों को कड़े दिशा–निर्देश दिए गए। कहा गया कि मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा हमारी पहली प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंदिर समितियों से भी सहयोग मांगा गया ताकि मेले के दौरान किसी भी तरह की अव्यवस्था न हो।

लाखों श्रद्धालुओं का लगेगा मेला

गोवर्धन की मुडिया पूर्णिमा पर हर साल देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु गिरिराज जी की 21 किमी की परिक्रमा करने आते हैं। 9 जोन–सुपरजोन की व्यवस्था से इस बार मेले को और अधिक सुव्यवस्थित और सुरक्षित बनाने का दावा प्रशासन कर रहा है।

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का हुआ शुभारंभ, 12 लाख शिक्षकों एवं उनके परिवारों को मिलेगा लाभ

कुशीनगर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी से मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रदेश के लगभग 12 लाख शिक्षकों एवं उनके परिवारों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्रदान करने, 1. 10 करोड़ विद्यार्थियों को डीबीटी के माध्यम से यूनिफॉर्म, जूता, मोजा, स्वेटर, स्कूल बैग एवं स्टेशनरी हेतु प्रति छात्र–छात्रा 1200 रुपए की धनराशि हस्तांतरित करने, 10 लाख शिक्षकों एवं संविदा कर्मियों की सामाजिक सुरक्षा के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ एमओयू निष्पादित करने तथा राष्ट्रीय स्तर पर चयनित स्वच्छ एवं हरित विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को सम्मानित करने के कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री के संबोधन एवं कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनपद मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक फाजिलनगर सुरेंद्र सिंह कुशवाहा ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में विधायक श्री कुशवाहा ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार के कार्यकाल में शिक्षा व्यवस्था में व्यापक एवं सकारात्मक परिवर्तन हुए हैं। आज शिक्षक समयबद्ध एवं उत्तरदायित्वपूर्ण ढंग से विद्यालयों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं तथा पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में योगदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि शिक्षक संकल्प ले लें तो समाज और व्यवस्था दोनों में परिवर्तन संभव है। इतिहास इसका साक्षी है कि एक शिक्षक के मार्गदर्शन में ही चंद्रगुप्त मौर्य जैसे महान सम्राट का निर्माण हुआ। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार एवं शिक्षकों के संयुक्त प्रयासों से परिषदीय विद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा शिक्षा की गुणवत्ता में भी निरंतर सुधार हो रहा है। मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना को उन्होंने शिक्षकों के हित में एक ऐतिहासिक एवं कल्याणकारी पहल बताते हुए कहा कि अब किसी शिक्षक का उपचार आर्थिक अभाव के कारण बाधित नहीं होगा। यह योजना शिक्षकों एवं उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करेगी और उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएगी।कार्यक्रम के दौरान प्रतीकात्मक रूप से शिक्षकों को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा कार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य फूल बदन कुशवाहा, बीज विकास निगम के दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री राजेश्वर सिंह, नगर पालिका परिषद पडरौना के अध्यक्ष प्रतिनिधि, जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर, मुख्य विकास अधिकारी वंदिता श्रीवास्तव, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के गोरखपुर जोन के मैनेजर, बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जिला संगठन ही शक्ति ह प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने मीरजापुर में कार्यकर्ताओं को दिया जीत का मूल मंत्र

मीरजापुर।भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी जी का आज प.दीनदयालपुरम् कॉलोनी, बरौधा कचार स्थित जिला कार्यालय पर प्रथम आगमन हुआ। जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज के नेतृत्व में ढोल–ताशा के साथ उनका जोरदार स्वागत किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष ने प्रेस सभागार में मीडिया से संवाद कर केंद्र की मोदी सरकार व प्रदेश की योगी सरकार के विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। मीडिया संवाद का संचालन जिला मीडिया

प्रभारी भावेश शर्मा ने किया।

इसके बाद जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज की अध्यक्षता में जिला कार्यसमिति की बैठक हुई, जिसमें संगठनात्मक विषयों, आगामी कार्यक्रमों व जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की गई। प्रदेश अध्यक्ष ने वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने पर जोर दिया।

जनप्रतिनिधि बैठक में विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष व अन्य जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्रीय समस्याएं रखीं। प्रदेश अध्यक्ष ने योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा, ष्संगठन ही हमारी शक्ति है। कार्यकर्ताओं की मेहनत से भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। मीरजापुर के कार्यकर्ता 2027 में पार्टी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे और 2017 का अपना रिकॉर्ड स्वयं तोड़ेंगे।ष

इसके बाद बृजधाम लॉन में प्रबुद्ध संवाद व मैदान में वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान प्रदेश महामंत्री दिलीप पटेल व काशी क्षेत्र अध्यक्ष अशोक चौरसिया विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री स्वामीनाथ सिंह ने किया।

निवर्तमान जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह, विधायक रमाशंकर सिंह पटेल, एमएलसी श्याम नारायण सिंह, विधायक रत्नाकर मिश्र, अनुराग सिंह, शुचिस्मिता मौर्या, जिला पंचायत अध्यक्ष राजू कन्नौजिया, नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुन्दर केशरी सहित तमाम पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी का सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ नपाध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने किया स्वागत

मीरजापुर।भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी गुरुवार को माँ विंध्यवासिनी के दर्शन और संगठनात्मक बैठक करने मीरजापुर पहुंचें।उनके आगमन की सूचना पर नटवा तिराहा

पर सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे नगर पालिका अध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया,उनको माला पहनाकर और पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत अभिनंदन किया।भाजपा के नारों और कार्यकर्ताओं के उत्साह से नटवा तिराहा गूंज उठा।इस मौके पर नपाध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष का कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया है।प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन को मजबूत बनाने तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर–घर तक पहुंचाने का आह्वान किया है।

विशेष सचिव राजस्व विभाग ने मां विंध्यवासिनी देवी के धाम विंध्यधाम पहुंचकर कर किया दर्शन-पूजन, नवीन कलेक्ट्रेट निर्माण की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा

मीरजापुर 09 जुलाई 2026– विशेष सचिव, राजस्व विभाग, उत्तर प्रदेश शासन दिव्या मित्तल ने अपने तीन दिवसीय जनपद भ्रमण के दूसरे दिन विश्वविख्यात मां विंध्यवासिनी धाम, विंध्याचल पहुंचकर विधिवत दर्शन–पूजन किया।

दर्शन–पूजन के उपरांत विशेष सचिव ने कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर वर्तमान कलेक्ट्रेट परिसर एवं चंदईपुर में प्रस्तावित नवीन कलेक्ट्रेट अनावासिय भवन के निर्माण के संबंध में बिंदुवार विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने प्रस्तावित भूमि की उपलब्धता, राजस्व अभिलेखों, पहुंच मार्ग, आधारभूत सुविधाओं, तकनीकी एवं प्रशासनिक पहलुओं सहित निर्माण कार्य से संबंधित सभी आवश्यक बिंदुओं की विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

विशेष सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नवीन कलेक्ट्रेट निर्माण की प्रक्रिया को शासन की मंशा के अनुरूप समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्ता के साथ आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि परियोजना से जुड़े सभी आवश्यक अभिलेख एवं औपचारिकताएं शीघ्र पूर्ण करते हुए कार्ययोजना के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि जनपद को आधुनिक सुविधाओं से युक्त नवीन कलेक्ट्रेट भवन उपलब्ध कराया जा सके।

बैठक के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों ने वर्तमान कलेक्ट्रेट परिसर की स्थिति तथा चंदईपुर में प्रस्तावित नवीन कलेक्ट्रेट निर्माण से संबंधित बिंदुओं पर विस्तार से प्रस्तुतीकरण देते हुए आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई। विशेष सचिव ने विभिन्न पहलुओं पर आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान करते हुए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्यों को गति देने पर बल दिया।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 विनोद कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी भू0ध्रा0 देवेंद्र प्रताप सिंह, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे विजेता, नगर मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत -आस्ट्रेलिया के बीच जो समझौते हुए हैं उससे रक्षा-सुरक्षा का पूरा परिदृश्य ही बदल जायेगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान सामने आईं उनकी और प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की आत्मीयता से भरी तस्वीरें केवल दो नेताओं की व्यक्तिगत मित्रता का प्रदर्शन नहीं थीं, बल्कि दोनों देशों के लगातार मजबूत होते रणनीतिक रिश्तों का सशक्त संदेश भी थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज ने शांतिपूर्ण हिंद–प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने में द्विपक्षीय साझेदारी की अहम भूमिका को रेखांकित करते हुए भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच असैन्य परमाणु ऊर्जा, समुद्री सुरक्षा और महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने संबंधी कई महत्वपूर्ण समझौतों को अंतिम रूप दिया। मोदी और अल्बनीज की बैठक के बाद दोनों पक्षों ने सुरक्षा पर भारत–ऑस्ट्रेलिया संयुक्त घोषणा, ऊर्जा संबंधों पर संयुक्त बयान और साइबर, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी एवं आपूर्ति श्रृंखलाओं में सहयोग के लिए एक खाका जारी किया। हम आपको बता दें कि असैन्य परमाणु ऊर्जा से जुड़े समझौते के जरिए ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियम की वाणिज्यिक आपूर्ति का रास्ता खुलेगा। इससे भारत की परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं को मदद मिलेगी। सरकारीएजेंसियां साथ ही दोनों पक्षों ने प्रस्तावित व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते के साथ–साथ द्विपक्षीय निवेश संरक्षण समझौते पर भी तेजी से काम करने का निर्णय लिया। दोनों पक्ष महत्वपूर्ण खनिज गलियारे पर भी मिलकर काम करेंगे। रक्षा क्षेत्र में दोनों देशों ने बढ़ते सहयोग का उल्लेख

करते हुए स्वतंत्र एवं स्थिर हिंद–प्रशांत के महत्व पर जोर दिया। हम आपको बता दें कि रक्षा संबंधों को मजबूत करने की ये नयी पहल हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन द्वारा अपनी सैन्य ताकत दिखाए जाने को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच की गई हैं। हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान सामने आईं उनकी और प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की आत्मीयता से भरी तस्वीरें केवल दो नेताओं की व्यक्तिगत मित्रता का प्रदर्शन नहीं थीं, बल्कि दोनों देशों के लगातार मजबूत होते रणनीतिक रिश्तों का सशक्त संदेश भी थीं। साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री सहित ऑस्ट्रेलिया के अनेक वरिष्ठ नेताओं और प्रमुख हस्तियों से प्रधानमंत्री मोदी की गर्मजोशी भरी मुलाकातों ने यह भी साबित किया कि ऑस्ट्रेलिया में उनकी स्वीकार्यता और प्रभाव लगातार बढ़ा है। देखा जाये तो मोदी और अल्बनीज के बीच विकसित हुई यह मजबूत व्यक्तिगत समझ अब दोनों देशों की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा और नई गति दे रही है। इसी भरोसे और राजनीतिक सामंजस्य का परिणाम रहा कि मेलबर्न में आयोजित तीसरे भारत ऑस्ट्रेलिया वार्षिक शिखर सम्मेलन में दोनों देशों ने ऐसे ऐतिहासिक समझौतों पर मुहर लगाई, जिन्होंने विशेष रूप से रक्षा और सुरक्षा सहयोग को अभूतपूर्व ऊंचाई पर पहुंचा दिया। नई संयुक्त रक्षा और सुरक्षा घोषणा के साथ भारत और ऑस्ट्रेलिया ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वे अब केवल आर्थिक साझेदार नहीं, बल्कि हिंद प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा, स्थिरता और शक्ति संतुलन के सबसे भरोसेमंद रणनीतिक सहयोगियों के रूप में उभर रहे हैं। देखा जाये तो नई रक्षा और सुरक्षा घोषणा बदलते वैश्विक भू–राजनीतिक परिदृश्य में साझा रणनीतिक सोच का स्पष्ट संकेत है। इसके तहत दोनों देशों ने अपनी सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय, संयुक्त सैन्य अभ्यासों की जटिलता और आवृत्ति बढ़ाने, सूचनाओं के आदान प्रदान, सैन्य क्षमता निर्माण, रक्षा उद्योगों के एकीकरण, रक्षा अनुसंधान, आधुनिक सैन्य प्रौद्योगिकी तथा समुद्री सुरक्षा सहयोग को नई गति देने पर सहमति बनाई है। यह समझौता इस बात का प्रमाण है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया अब दीर्घकालिक सामरिक साझेदार बन चुके हैं।दोनों देशों के बीच विशेष महत्व का विषय समुद्री सुरक्षा सहयोग है। दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा सहयोग रूपरेखा को अंतिम रूप देकर हिंद महासागर और व्यापक हिंद प्रशांत क्षेत्र में साझा निगरानी, परिचालन समन्वय, क्षमता निर्माण और समुद्री क्षेत्र की जागरूकता बढ़ाने का निर्णय लिया है। भारतीय तटरक्षक बल और ऑस्ट्रेलिया की समुद्री सीमा कमान के बीच हुए समझौते से समुद्री कानून प्रवर्तन, सीमा सुरक्षा तथा समुद्री अपराधों पर संयुक्त कार्रवाई को नई मजबूती मिलेगी। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब हिंद प्रशांत क्षेत्र में समुद्री प्रतिस्पर्धा लगातार बढ़ रही है और वैश्विक व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से होकर गुजरता है।रक्षा क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि ऑस्ट्रेलियाई रक्षा महाविद्यालय में भारतीय सैन्य प्रशिक्षक की नियुक्ति का निर्णय है। यह केवल प्रशिक्षण का विषय नहीं, बल्कि दोनों देशों के सैन्य नेतृत्व के बीच दीर्घकालिक विश्वास, पेशेवर सामंजस्य और रणनीतिक समझ को और गहरा करने वाला कदम माना जा रहा है।

सम्पादकीय

फर्क को पाट पाएंगे

ईरान और यूएई के प्रतिनिधियों में हुई झड़प मिसाल है कि बदली विश्व परिस्थितियों के बीच ब्रिक्स़ के सदस्य ना सिर्फ अलग धरातल पर खड़े हैं, बल्कि वे परस्पर विरोधी रुख भी खुलेआम अपना रहे हैं।

ब्रिक्स़ देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की नई दिल्ली में हुई बैठक एक बार फिर इस समूह के अंदर गहरा रहे मतभेदों को उजागर कर गई। बैठक के दौरान ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के प्रतिनिधियों की बीच हुई झड़प मिसाल है कि बदली विश्व परिस्थितियों के बीच ब्रिक्स़ के सदस्य देश ना सिर्फ अलग धरातल पर खड़े हैं, बल्कि अब वे परस्पर विरोधी रुख भी खुलेआम अपना रहे हैं। ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार घादिर निजामीपुर ने अपने देश पर अमेरिका और इजराइल के हुए हमले में सक्रिय भूमिका निभाने का आरोप यूएई पर लगाया। जबकि यूएई ने ईरान पर उसे अनुचित निशाना बनाने का इल्जाम मढ़ा। इससे ब्रिक्स़ में सर्व–सहमत दृष्टिकोण उभरने की संभावना और कम हो जाने के संकेत मिले हैं।

मेजबान भारत की सहानुभूति यूएई के साथ अधिक है, जिसके इजराइल और अमेरिका से बेहतर रिश्ते हैं। दूसरी तरफ चीन और ईरान के प्रतिनिधियों की द्विपक्षीय बैठक से साफ हुआ कि वे दोनों देश बदल रहे वैश्विक समीकरणों के बीच समान धरातल पर खड़े हैं। ऐसे में ब्रिक्स़ की बैठक का असल महत्त्व इस मौके पर हुई द्विपक्षीय वार्ताएं ही रहीं। इनमें एक खास मौका राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल और चीन के विदेश मंत्री (जो वहां के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी हैं) वांग यी की मुलाकात रहा। डोवाल और वांग सीमा विवाद पर अपने– अपने देशों के विशेष प्रतिनिधि भी हैं।

दोनों ने भारत– चीन संबंध के ताजा हाल की समीक्षा की। इसी तरह की द्विपक्षीय वार्ताएं अन्य देशों के प्रतिनिधियों के बीच भी हुईं। इस रूप में नई दिल्ली में उनका जुटना सार्थक रहा। बहरहाल, जहां तक ब्रिक्स़ का प्रश्न है, तो उसके महत्त्व और भूमिका को लेकर भले जो कहा जाता हो, लेकिन असल में यह समूह दिशाहीनता का शिकार होता नजर आ रहा है। इसी बात के संकेत पिछले महीने ब्रिक्स़ विदेश मंत्रियों की बैठक में भी मिले थे। सितंबर के मध्य में जब ब्रिक्स़ शिखर सम्मेलन होगा, तो उसमें कोई अलग नजारा होगा या इन देशों के सर्वोच्च नेता नजरिए में फर्क को पाट पाएंगे, इसकी संभावना भी कम ही है।

आधुनिक तकनीक से वन संरक्षण को नई दिशा

छत्तीसगढ़ का ऑटोमेटेड फॉरेस्ट फायर अलर्ट सिस्टम बना जंगलों का सतर्क प्रहरी

धनंजय राठौर, ऑटोमेटेड फॉरेस्ट फायर अलर्ट सिस्टम एक उन्नत तकनीक है जो जंगलों में आग लगने की घटनाओं का तुरंत पता लगाकर संबंधित अधिकारियों को सूचित करती है। भारत में, भारतीय वन सर्वेक्षण और विभिन्न राज्य वन विभाग फोरेस्ट फायर अलर्ट एंड मानिटरिंग सिस्टम सैटेलाइट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं। जंगल की आग को ध्यान में रखते हुए श्फोरेस्ट फायर अलर्ट सिस्टम संस्करण 2.0श् लाया गया है और पूरी प्रक्रिया को स्वचालित बना दिया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार वन संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग कर रही है। इसी दिशा में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा विकसित ऑटोमेटेड फॉरेस्ट फायर अलर्ट सिस्टम जंगलों में लगने वाली आग की घटनाओं पर त्वरित नियंत्रण सुनिश्चित कर रहा है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में विकसित यह तकनीक वन विभाग की कार्यप्रणाली को अधिक तेज, प्रभावी और पारदर्शी बना रही है। इससे वन संपदा, वन्यजीवों और जैव विविधता की सुरक्षा को नई मजबूती मिली है।अब कुछ ही मिनटों में मिलती है आग लगने की सूचना

पहले वनाग्नि की जानकारी प्राप्त करने और संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने में एक से दो घंटे का समय लग जाता था। इस दौरान आग कई बार बड़े क्षेत्र में फैल जाती थी। अब नई स्वचालित प्रणाली के माध्यम से यह पूरी प्रक्रिया केवल 5 से 10 मिनट में पूरी हो जाती है। इससे समय रहते आग पर नियंत्रण संभव हो रहा है।उपग्रह तकनीक से होती है सटीक निगरानी

यह प्रणाली अत्याधुनिक उपग्रह तकनीक पर आधारित है। उपग्रह जंगलों में तापमान में होने वाले असामान्य बदलाव की पहचान करता है। वैज्ञानिक विश्लेषण के बाद आग की पुष्टि होने पर संबंधित वन मंडल, रेंज और बीट स्तर के अधिकारियों को तत्काल एसएमएस और ई–मेल के माध्यम से अलर्ट भेज दिया जाता है।रियल टाइम मॉनिटरिंग से बढ़ी कार्यक्षमता वन विभाग ने इस प्रणाली को जीआईएस आधारित रियल टाइम डैशबोर्ड से जोड़ा है। इसके माध्यम से अधिकारी वनाग्नि की घटनाओं पर लगातार निगरानी रखते हैं। सूचना मिलते ही फील्ड स्टाफ मौके पर पहुंचकर आग बुझाने की कार्रवाई करता है और उसकी ऑनलाइन रिपोर्ट दर्ज करता है। इससे भविष्य की रणनीति बनाने और संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने में भी सहायता मिलती है।

समंदर बन गई हैं महानगरों की सड़कें, डूबती गाड़ियों को कोई किनारा नहीं मिलता

क्या हम 2047 के विकसित भारत की इमारत उस बुनियाद पर खड़ी कर रहे हैं जो हर मानसून में हिल जाती है? क्या अब समय नहीं आ गया है कि विकास के दावों से पहले शहरों की जल निकासी व्यवस्था, निर्माण की गुणवत्ता, नगर नियोजन और प्रशासनिक जवाबदेही को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए?हम 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की बात कर रहे हैं। हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहे हैं। हम आधुनिक बुनियादी ढांचे, स्मार्ट शहरों और वैश्विक स्तर की सुविधाओं का दावा कर रहे हैं। लेकिन क्या हर मॉनसून हमारे इन सभी दावों की वास्तविकता सामने नहीं रख देता? क्या यह सवाल पूछने का समय नहीं आ गया है कि यदि हमारे महानगर और राज्य की राजधानियां कुछ घंटों की बारिश भी नहीं झेल पा रही हैं, तो विकसित भारत की बुनियाद आखिर कितनी मजबूत है? क्या यह आश्चर्य की बात नहीं कि महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और गुरुग्राम जैसे देश के सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र हर वर्ष मानसून आते ही जलभराव, जाम और अव्यवस्था की पहचान बन जाते हैं? क्या यह केवल मौसम की मार है, या फिर हमारी नगर योजना, निर्माण व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारी की सबसे बड़ी असफलता है? यदि हर वर्ष यही स्थिति बननी है, तो फिर हर वर्ष होने वाली तैयारियों और बैठकों का परिणाम आखिर कहां दिखाई देता है?क्या स्मार्ट सिटी का अर्थ केवल चौड़ी सड़कें, चमकदार भवन और आकर्षक परियोजनाएं हैं? क्या स्मार्ट शहर वह नहीं होना चाहिए जो सामान्य से अधिक बारिश को भी सहजता से संभाल सके? यदि अरबों रुपये जल निकासी, सड़क निर्माण और शहरी विकास पर खर्च हो रहे हैं, तो पहली तेज बारिश में ही सड़कें नदी और चौराहे तालाब क्यों बन जाते हैं?क्या हर मानसून के बाद वही तस्वीरें, वही बयान और वही आश्वासन सुनना हमारी नियति बन चुकी है? क्या कभी किसी अधिकारी, किसी एजेंसी या किसी निर्माण करने वाली संस्था की जवाबदेही तय हुई? क्या जनता को यह जानने का अधिकार नहीं कि हर वर्ष खर्च होने वाला धन आखिर किस काम में लगाया जाता है?क्या समस्या केवल अधिक बारिश की है, या फिर प्राकृतिक जलमार्गों पर अतिक्रमण, बिना योजना के विस्तार, कमजोर निर्माण और रखरखाव की अनदेखी इसकी असली वजह है? क्या नदियों, तालाबों और पुराने जल निकासी मार्गों को पाटकर खड़ी की गई इमारतों की कीमत अब पूरा समाज नहीं चुका रहा है? यदि शहरों की सांस लेने वाली प्राकृतिक व्यवस्था को ही समाप्त कर दिया जाएगा, तो पानी आखिर जाएगा कहां?क्या यह सामान्य बात मानी जा सकती है कि बारिश होते ही एंबुलेंस फंस जाए, बच्चे स्कूल न पहुंच सकें, कर्मचारी दफ्तर न जा सकें, बाजार ठप हो जाएं, रेल और हवाई यात्रा थम जाएं और सामान्य जीवन रुक जाए? क्या हर वर्ष होने वाले आर्थिक नुकसान, समय की बर्बादी और जनजीवन की परेशानी का कोई हिसाब भी रखा जाता है? यदि रखा जाता है, तो फिर समाधान आज तक क्यों नहीं मिला?क्या

विकसित भारत केवल बुलेट ट्रेन, एक्सप्रेस वे और गगनचुंबी इमारतों से बनेगा? या फिर उसकी पहचान ऐसी मजबूत बुनियादी व्यवस्था से होगी जो हर मौसम में नागरिकों को सुरक्षित और सुगम जीवन दे सके? क्या विश्व स्तर की अर्थव्यवस्था बनने का सपना उन शहरों के सहारे पूरा होगा जो हर मानसून में ठहर जाते हैं?क्या केवल सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाना पर्याप्त है? क्या नागरिकों की भी जिम्मेदारी नहीं कि वे नालों में कचरा न डालें, जलमार्गों पर अतिक्रमण का विरोध करें और सार्वजनिक व्यवस्था के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं? लेकिन क्या यह भी उतना ही सच नहीं कि व्यवस्था की सबसे बड़ी जिम्मेदारी उसी पर होती है जिसके हाथ में योजना, संसाधन और निर्णय की शक्ति होती है? देखा जाये तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या हम 2047 के विकसित भारत की इमारत उस बुनियाद पर खड़ी कर रहे हैं जो हर मानसून में हिल जाती है? क्या अब समय नहीं आ गया है कि विकास के दावों से पहले शहरों की जल निकासी व्यवस्था, निर्माण की गुणवत्ता, नगर नियोजन और प्रशासनिक जवाबदेही को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए? क्या जनता को हर वर्ष एक ही परेशानी झेलने के लिए मजबूर रखना किसी भी विकसित राष्ट्र की पहचान हो सकती है?

मूल्य श्रृंखला का जुड़ाव पीएम मित्र पार्क के जरिए कैसे भारत के टेक्सटाइल क्षेत्र की बदल रही है तस्वीर

पबित्रा मार्गेरिटा

सदियों से, भारत की पहचान उसके परिधानों से गहराई से जुड़ी रही है। चाहे वह कश्मीर के पश्मीना की लंबे समय तक रहने वाली गर्माहट हो, असम के मूंगा सिल्क की सुनहरी चमक हो, तमिलनाडु की शाही कांजीवरम साड़ियाँ हों, चंदेरी की बुनाई हो या सूरत के कारीगरों की कपड़ों पर मशहूर कारीगरी। आज भी यह क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बनकर खड़ा है, जो जीडीपी में 2.3त्न, औद्योगिक उत्पादन में 13त्न और निर्यात में 12त्न का योगदान देता है। खेती के बाद भारत में सबसे ज्यादा रोजगार देने वाला यह क्षेत्र 45 मिलियन लोगों को सीधे तौर पर और 100 मिलियन से ज्यादा लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार देता है। इससे ग्रामीण समुदायों को मजबूती मिलती है और देश भर में लाखों महिलाओं के लिए आर्थिक आजादी का रास्ता खुलता है।

वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के एक साथ जुड़ी हुई व्यवस्था के उलट, भारत की वस्त्र मूल्य श्रृंखला ऐतिहासिक रूप से अलग–अलग जगहों पर फैले हुए मॉडल के तौर पर विकसित हुई। कताई, बुनाई, प्रोसेसिंग, कपड़े सिलने और निर्यात जैसी गतिविधियाँ अलग–अलग राज्यों में स्वतंत्र रूप से विकसित हुईं, जिसका अर्थ था कि एक कपड़ा बनने के दौरान अक्सर कई राज्यों की सीमाओं से गुजरता था। इस बिखराव के कारण कई संरचनात्मक बाधाएँ पैदा हुईं। इसने बड़े पैमाने पर काम करने, आधुनिकीकरण, ऑटोमेशन और आखिरकार मजदूरों की उत्पादकता को सीमित कर दिया।

इसके साथ ही, मल्टी–मॉडल संपर्क में कमियों की वजह से लॉजिस्टिक्स का बोझ भी बढ़ जाता है। प्रोडक्शन के अलग–अलग चरणों के बीच हर बार सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने या संभालने में अतिरिक्त खर्च और ढुलाई का किराया लगता है। कई चरणों में लंबी दूरी तक सामान को एक जगह से दूसरी जगह भेजने से कुल लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ जाती है और सामान को तेजी से बाजार तक पहुँचाने की क्षमता खत्म हो जाती है, जो आज की रिटेल व्यवस्था में बार–बार ऑर्डर देने वाले साइकल में एक बहुत बड़ी और नुकसानदायक कमी है।

वर्तमान में पर्यावरण से जुड़ी जरूरतों पर भी ध्यान देने की जरुरत है। दुनिया भर में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वस्त्र उद्योग की हिस्सेदारी 8त्न से 10त्न और औद्योगिक जल प्रदूषण में 20त्न है। हजारों छोटी–छोटी और अलग–अलग जगहों पर फैली इकाइयों में नियमों को लागू करना और सही तरीके से प्रबंधन करना पहले एक बड़ी प्रशासनिक चुनौती रहा है।

इन रुकावटों को व्यवस्थित रूप से दूर करने के लिए, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2021 में पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) योजना शुरू की, जिसके लिए ?4,445 करोड़ का बजट रखा गया। यह एक अहम कदम था, जो एक ऐसा व्यापक मॉडल पेश करता है, जिसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, उद्योगों से जुड़े लोगों और निजी साझेदारों के साथ मिलकर विकास को आगे बढ़ाती है।

इस योजना के केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दूरदर्शी 5एफ फॉर्मूला है यानी फार्म (खेत) से फाइबर (रेशा) से फैक्टरी (कारखाना) से फैशन और फारेन (विदेश) तक पहुंच। यह सोच सीधे तौर पर उस बात को सामने लाती है, जो भारत को वैश्विक मंच पर अलग बनाती हैरू हमारी संपूर्ण और बेहद विविध मूल्य श्रृंखला। कच्चे माल के आयात या सिर्फ तैयार कपड़ों की बनावट पर निर्भर रहने वाले दूसरे देशों के उलट, भारत वस्त्रों को बनाने की पूरी प्रक्रिया में शामिल है, जिसमें किसानों के खेतों से लेकर हाई–फैशन रनवे तक की प्रक्रिया शामिल है। इस अनोखी समझ की वजह से, हमारी विकास रणनीति को वैश्विक प्रतिस्पर्धा और पूरी तरह से सामाजिक समानता के बीच एक खास संतुलन बनाने की जरुरत है। विस्तार करते समय, हमें हर क्षेत्र के कल्याण का ध्यान रखना होगा, ताकि साधारण किसान और ग्रामीण बुनकर से लेकर कपड़े के निर्यातक तक, कोई भी पीछे न छूटे। पीएम मित्र फ्रेमवर्क इसी संतुलन को हासिल करता है।

इन पार्कों को कच्चे माल के मुख्य केंद्रों के पास रणनीतिक रूप से बनाने से ट्रांसपोर्ट का खर्च कम होता है और निर्माण के लिए बिना रुकावट आपूर्ति सुनिश्चित होती है। इससे जरूरी बात यह है कि इस नजदीकी से शुरुआत से आखिर तक ट्रैकिंग भी मुमकिन हो पाती है। चूँकि वैश्विक ब्रांड ऑर्गेनिक या सस्टेनेबल प्रमाणीकरण की मांग करते हैं, इसलिए ये एकीकृत पार्क एक सत्यापन योग्य कस्टडी चेन देते हैं। इससे कड़े वैश्विक ईएसजी नियमों का पालन होता है और विदेशों में प्रीमियम कीमत पाने का रास्ता भी बनता है।

1,000 एकड़ से ज़्यादा के एक ही इलाके में कताई, बुनाई, प्रोसेसिंग और कपड़ा बनाने की सुविधाओं को एक साथ लाने से अलग–अलग राज्यों के बीच सामान ले जाने की जरूरत खत्म हो जाती है। इससे माल ढुलाई का खर्च और ट्रांसपोर्ट से होने वाला प्रदूषण भी बहुत कम हो जाता है और सामान तेजी से बाजार तक पहुँच पाता है। समर्पित माल गलियारे और एक्सप्रेसवे जैसे राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर से जुड़े होने के कारण, विदेशी बाजारों तक सामान पहुँचाना बहुत सस्ता और किफायती हो जाता है। हर पार्क में प्लग–एंड–प्ले इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर होता है, जिसमें बिजली के खास सब–स्टेशन, लगातार पानी की सप्लाई और तुरंत इस्तेमाल के लिए तैयार फैक्ट्री शेड जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। इसके साथ ही, जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (जेडएलडी) तकनीक वाले उन्नत एडवांस्ड कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट और आधुनिक सुविधाएँ भी होती हैं, जिससे कारोबारियों पर ढ़ांचागत बोझ कम पड़ता है और कारोबार करने में आसानी होती है।

पीएम मित्र पार्क तेजी से कागजी योजनाओं को असल जमीनी हकीकत में बदल रहे हैं। इस योजना में सात रणनीतिक पार्क शामिल हैंरू पाँच ग्रीनफील्ड डेवलपमेंट विरुधुनगर (तमिलनाडु), नवसारी (गुजरात), कलबुर्गी (कर्नाटक), धार (मध्य प्रदेश) और लखनऊ (उत्तर प्रदेश) और दो ब्राउनफील्ड डेवलपमेंट वारंगल (तेलंगाना) और अमरावती (महाराष्ट्र) में। अब तक, इस योजना में कुल ?69,899 करोड़ के निवेश की दिलचस्पी दिखाई गई है, जिसमें से ?27,658 करोड़ का निवेश पहले ही हो चुका है।

10 मई, 2026 को माननीय प्रधानमंत्री ने तेलंगाना के वारंगल में पहले कार्यरत पीएम मित्र पार्क का उद्घाटन किया। इस पार्क में पहले ही ?3,862 करोड़ का निवेश हो चुका है और यहाँ विश्व–स्तरीय पर्यावरण अनुकूल बुनियादी ढ़ांचे पर काम किया जा रहा है। ये विशेषताएँ स्थायित्व के उन मानकों को दर्शाती हैं, जिन्हें सभी सात पार्क साइटों पर स्थापित किया जा रहा है।

पूरे देश में एक साथ काम शुरू होने से सहकारी संघवाद की तेजी और सफलता दोनों साफ दिखती है, जहां सभी सात राज्यों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, 100त्न जमीन का अधिग्रहण हो चुका है और पर्यावरण से जुड़ी मंजूरी भी मिल गई है। पाँच ग्रीनफील्ड साइट्स के लिए जेवी एग्रीमेंट और एसपीवी पूरी तरह से तैयार हैं, जिससे तेजी से काम आगे बढ़ रहा है।

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। किसी प्रतियोगी परीक्षा का रिजल्ट आपके पक्ष में आएगा।

वृष राशि–
आज का दिन आपके लिए लकी रहेगा। आप अपने बिजनेस में नई शुरूआत करेंगे। आभूषणों के कारोबार मे आज आपको दोगुनी सफलता मिलेगी।

मिथुन राशि–
आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। कारोबार में बदलाव को लेकर लिए गए फैसले आज सही साबित होंगे। आज मार्केटिंग से जुड़े कामों पर ज्यादा ध्यान दें।

कर्क राशि–
आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। आज आप अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए नये फैसले लेंगे। आज ऑफिस में आपकी योग्यता और कार्यक्षमता की सराहना होगी

सिंह राशि–
सिंह राशि वालों का आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आपको आपके करियर के क्षेत्र में अपार संभावनाएं मिलेंगी आपका सरकारी काम पूरा जाएगा।

कन्या राशि–
आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। व्यापार जगत से जुड़े कार्यों में आज आपको सफलता मिलेगी। परीक्षा में पूर्ण अध्ययन से छात्र कामयाबी पा सकेंगे।

तुला राशि–
आज का दिन नए अनुभव लेकर रहेगा। आज परिवार में आज मांगलिक कार्यक्रम करवाएंगे घर का माहौल खुशहाल रहेगा। इंपोर्ट–एक्सपोर्ट के बिजनेस से जुड़े लोगों को किसी खास संपर्क से आज लाभ होगा।

वृश्चिक राशि–
आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। अगर आज आप किसी बिजनेस में धन निवेश करेंगे तो आने वाले समय में लाभ अवश्य मिलेगा।

धनु राशि–
आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। अगर आप किसी खास काम के लिए प्रयासरत हैं, तो उसमें उचित सफलता मिल सकती है। आज आपका वैवाहिक जीवन खुशियों से भरा रहेगा आप एक दूसरे की भावनाओं को समझने का प्रयास करेंगे।

मकर राशि–
आपके लिए आज का दिन मिला–जुला रहने। आज आपको परिवार का सहयोग मिलेगा। आज वैवाहिक जीवन में परेशानियां खत्म होंगी। कार्यस्थल पर अपने विरोधियों से सतर्क रहें

कुंभ राशि–
आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहेगा साथ ही छात्रों के लिए बेहतर परिणाम लेकर आएगा। आज आपको कार्यस्थल पर अपने सीनियर्स का सहयोग मिलेगा।

मीन राशि–
आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहेगा। सोची हुई योजनाएं सफल होती दिखेंगी। आप खुद को भावनात्मक रूप से मजबूत महसूस करेंगे। आज आप अपना नया बिजनेस स्टार्ट करने की योजना बनाएंगे।

शिक्षक सशक्त, विद्यार्थी समर्थ- शिक्षा से समृद्ध उत्तर प्रदेश- मुख्यमंत्री

आजमगढ़, (आर एन एस)मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा वाराणसी से किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत 12 लाख शिक्षकधशिक्षणेत्तर कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने वाली मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ, 1.10 करोड़ विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म, जूता–मोजा, स्वेटर, स्कूल–बैग एवं स्टेशनरी हेतु उनके अभिभावकों के खाते में डी.बी.टी. के माध्यम से प्रति विद्यार्थी रू0 1,200 का अंतरण, 10 लाख शिक्षकों एवं संविदा कर्मियों को सामाजिक सुरक्षा कवच प्रदान करने हेतु स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ एम.ओ.यू. का निष्पादन एवं राष्ट्रीय स्तर पर चयनित स्वच्छ एवं हरित विद्यालयों के प्रधानाचार्योंधप्रधानाध्यापकों को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री के उपर्युक्त प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का जनपद आजमगढ़ में कारागार मंत्री, दारा सिंह चौहान व जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार की गरिमामयी उपस्थिति में हरिऔध कला केन्द्र में सजीव प्रसारण किया गया। स्कूली छात्राओं ने सांस्कृतिक गायन की शानदार प्रस्तुति दी। साथ ही जनपद के समस्त बीआरसी व स्कूलों में भी कार्यक्रम का सजीव प्रसारण शिक्षक, छात्र–छात्रा, अभिभावकों द्वारा देखा व सुना गया। कारागार मंत्री व जिलाधिकारी द्वारा 15 शिक्षक व अन्य कार्मिक– रवि प्रकाश पाठक, आलोक चतुर्वेदी, इस्तेयाक अहमद (सपरिवार), जितेन्द्र कुमार यादव, अजय प्रताप सिंह, पंकज कुमार मौर्य, पवन कुमार श्रीवास्तव, प्रवीण कुमार सिंह, नीलम सिंह, अर्चना श्रीवास्तव, प्रभा यादव, जालन्धर कुमार, राजेश कुमार सिंह, राधेश्याम यादव, रीना पाण्डेय को प्रतीकात्मक डेमो मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा कार्ड प्रदान कर उनको सम्मानित किया गया। कार्ड पाकर शिक्षकों के चेहरे खुशी से खिल पड़े, उन्होने मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद व आभार व्यक्त किया कि उन्होने हमारे स्वास्थ्य के सुरक्षा की गारण्टी प्रदान की है।

रू0 5 लाख तक की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा से प्रदेश के 12 लाख शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी व उनके आश्रित लाभान्वित हो रहे हैं। इनमें शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक, रसोइया और वार्डन सहित बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा से जुड़े कार्मिक शामिल हैं। मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना से जुड़े सभी लाभार्थियों को मा0 मुख्यमंत्री ने हृदय से बधाई देते हुए ईश्वर से प्रार्थना किया है आप सभी स्वस्थ रहें और उत्तम आरोग्यता प्राप्त करें।

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षकों एवं उनके पात्र आश्रितों को आयुष्मान भारत से संबद्ध अस्पतालों में कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने की शुरूआत की गयी। यह पहल गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ कराने के साथ शिक्षकों की आर्थिक सुरक्षा को भी सुदृढ़ करेगी। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ऑनलाइन डेटा संग्रह पोर्टल विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से पंजीकरण, सत्यापन एवं अनुमोदन की पूरी प्रक्रिया डिजिटल रूप से संपन्न होगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि हर शिक्षक, शिक्षामित्र और अनुदेशक को सुरक्षा की गारंटी दी जा रही है। किसी दुर्घटना की स्थिति में रू0 10,000 से अधिक वेतन पाने वाले शिक्षकों एवं कार्मिकों को रू0 10 लाख का ग्रुप टर्म इंश्योरेंस कवर प्रदान किया जाएगा। इसके साथ रू0 1 करोड़ का पर्सनल एक्सीडेंट कवर, रू0 1 करोड़ का स्थायी दिव्यांगता कवर, रू0 1.6 करोड़ का एयर एक्सीडेंट इंश्योरेंस कवर तथा किसी अनहोनी की स्थिति में शिक्षक या कार्मिक के बच्चों की शिक्षा और पुत्रियों के विवाह के लिए भी एड–ऑन कवर उपलब्ध कराया जाएगा। उत्तर प्रदेश का बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग इस योजना को भारतीय स्टेट बैंक के सहयोग से लागू कर रहा है।

कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा की अलख जगाने वाले प्रहरियों की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठा रही है। इसी क्रम में प्रदेश के लगभग 12 लाख शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं उनके आश्रितों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया गया। उन्होने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री की यह पहल शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के प्रति प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता को और सशक्त बनाते हुए प्रदेश के शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनेगी।जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने बताया कि जनपद आजमगढ़ में बेसिक शिक्षा परिषद में कार्यरत कुल 23317 शिक्षकधशिक्षामित्रध विशेष शिक्षकधअनुदेशक तथा बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित मान्यता प्राप्त अनुदानित विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में कार्यरत वार्डनध पूर्णकालिक अंशकालिक शिक्षकध शिक्षिका एवं प्रधानमंत्री पोषण योजना के रसोइया एवं उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में जनपद में माध्यमिक शिक्षा में कार्यरत कुल 1758 शासकीयध अशासकीय सहायता प्राप्त संस्कृत विद्यालयों में एवं उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ का निर्णय लिया गया है। जिलाधिकारी ने बीएसए व डीआईओएस को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के अन्तर्गत आने वाले सभी शिक्षकों व अन्य कार्मिकों का जल्द ही सत्यापन कर प्रभावी क्रियान्वयन करना सुनिश्चित करें।भारतीय स्टेट बैंक आजमगढ़ के मुख्य प्रबन्धक अजीत कुमार ने बताया कि एसबीआई और बेसिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश के मध्य सभी स्थायी एवं संविदा शिक्षकोंधकर्मचारियों के लिए विशेष सैलरी एकाउण्ट की शुरूआत हेतु एमओयू हस्ताक्षरित किया गया है।

मुख्यमंत्री कैशलेस शिक्षक योजना से शिक्षकों को मिला सुरक्षा का नया भरोसा अनुराग सिंह सोनू

आजमगढ़ (आर एन एस)मुख्यमंत्री कैशलेस शिक्षक योजना के शुभारंभ का सजीव प्रसारण लालगंज तहसील सभागार में गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विकास खंड तरवां, पल्हना, लालगंज एवं ठेकमा के शिक्षा विभाग में कार्यरत बड़ी संख्या में शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख पल्हना अनुराग सिंह श्सोनूश ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनके ज्ञान, समर्पण और अथक परिश्रम से ही देश का भविष्य संवरता है। उन्होंने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री द्वारा प्रारंभ की गई मुख्यमंत्री कैशलेस शिक्षक योजना शिक्षकों एवं उनके परिवारों को स्वास्थ्य संबंधी आपात परिस्थितियों में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी पहल है।ब्लॉक प्रमुख अनुराग सिंह श्सोनूश ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षकों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। यह योजना न केवल शिक्षकों के आत्मविश्वास को बढ़ाएगी, बल्कि उन्हें बिना किसी आर्थिक चिंता के पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने के लिए और अधिक प्रेरित करेगी। उन्होंने सभी शिक्षकों से इस जनकल्याणकारी योजना का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान भी किया।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में तहसीलदार लालगंज उमेश सिंह, नायब तहसीलदार कनक सिंह तथा कार्यक्रम के संयोजक एवं खंड शिक्षा अधिकारी लालगंज विमल तिवारी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने योजना को शिक्षकों के हित में सरकार का सराहनीय और ऐतिहासिक कदम बताते हुए इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम का सफल संचालन एवं आयोजन शिक्षा विभाग के सहयोग से संपन्न हुआ। उपस्थित शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री कैशलेस शिक्षक योजना का स्वागत करते हुए इसे शिक्षक हित में अत्यंत महत्वपूर्ण और लाभकारी पहल बताया।

सिविल विवाद के बीच बिजली मीटर से तोड़फोड़, चार नामजद सहित अज्ञात पर मुकदमा दर्ज

आजमगढ़ (आर एन एस)निजामाबाद थाना क्षेत्र के फरिहा कस्बे में संपत्ति विवाद के बीच एक महिला के घर पर लगे सरकारी स्मार्ट बिजली मीटर को उखाड़कर दबंगों द्वारा क्षतिग्रस्त करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फरिहा निवासी नाहिद तबस्सुम पत्नी इमरान अहमद ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया है कि उन्होंने 8 जनवरी 2026 को एक मकान खरीदा था, जिसको लेकर सिविल न्यायालय में वाद विचाराधीन है। मामले में 8 जुलाई को न्यायालय द्वारा कमीशन की कार्रवाई प्रस्तावित थी। आरोप है कि 7 जुलाई की दोपहर करीब तीन बजे विपक्षी अब्दुल रहमान पुत्र बदरे आलम,अहमद रजा खान ,हामिद पुत्रगण शाहनवाज, बदरे आलम पुत्र स्वर्गीय फारूक तथा कुछ अज्ञात लोगों ने उनके मकान पर लगे सरकारी स्मार्ट बिजली मीटर को उखाड़कर तोड़ दिया और उसे नाली (गटर) में फेंक दिया। पीड़िता का आरोप है कि विरोध करने पर आरोपियों ने गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने यह भी दावा किया कि पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है, जिसकी फुटेज उन्होंने पुलिस को उपलब्ध कराई है। साथ ही बिजली कनेक्शन से संबंधित रसीद और बिल की प्रतियां भी साक्ष्य के रूप में दी गई हैं।

जमीन पर जबरन कब्जे की कोशिश का आरोप, पीड़ित ने डीएम से लगाया न्याय की गुहार

बस्ती। संतकबीर नगर जनपद के धनघटा थाना क्षेत्र के दूल्हापार निवासी रमजान अली ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर कलवारी थाना क्षेत्र के वेइली निवासी महमुदुल हसन खां पर उसकी गाटा संख्या 841 की भूमि पर जबरन कब्जा करने का प्रयास करने और मानसिक उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। पीड़ित का कहना है कि आरोपी दबंग प्रवृत्ति का है और लगातार उसे परेशान कर विवाद में उलझाने का प्रयास कर रहा है।शिकायती पत्र के अनुसार, रमजान अली की गाटा संख्या 841 के बगल में आरोपी की गाटा संख्या 842 स्थित है। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी अपनी जमीन की नपाई के बहाने उसकी भूमि पर भी कब्जा करना चाहता है। पत्र में यह भी कहा गया है कि पूर्व में हुई पैमाइश को सक्षम अधिकारी द्वारा निरस्त किया जा चुका है, जिसके विरुद्ध किसी न्यायालय में कोई अपील या स्थगन आदेश प्रभावी नहीं है।पीड़ित का कहना है कि इसके बावजूद आरोपी दबंगई के बल पर उसकी भूमि में घुसकर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। साथ ही मानसिक रूप से प्रताड़ित कर उसे विवाद में फंसाने और परेशान करने का प्रयास किया जा रहा है। पीड़ित ने अपनी और अपने परिवार की जान–माल की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई है।रमजान अली ने जिलाधिकारी से मांग की है कि आरोपी को उसकी भूमि पर जबरन कब्जा करने से रोका जाए, मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाए तथा उसे और उसके परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए।

एक पेड़ मां के नाम अभियान में सबकी सहभागिता आवश्यक- डीएफओ

बस्ती। पर्यावरण संरक्षण और मानव जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है कि हम सभी अपनी जिम्मेदारियां का निर्वहन करें। पर्यावरण को संरक्षित करने के साथ अपने आने वाली पीढ़ियां को हरा–भरा वातावरण उपलब्ध कराएं। डीएफओ बस्ती डा. शिरीन ने आमजन से सहयोग का आग्रह करते हुए कहा कि वह एक पेड़ मां के नाम अभियान में अवश्य शामिल हो। इसके माध्यम से वह हर हाल में एक पौध आरोपित कर उसका संरक्षण अवश्य करें।उन्होंने बताया कि बस्ती जिले की 32 पौधशाला में 72 लाख पौधे तैयार हैं। जिसमें बस्ती जनपद का लक्ष्य 50 लाख पौधा रोपित करने का है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बीते 5 जून को 6 लाख पौधे जिले में आरोपित किए गए हैं। आगामी 12 जुलाई को पूरे जिले में वन विभाग 20 लाख 40 हजार पौधे रोपित करेगा। इसके साथ ही जो अन्य 26 विभाग हैं। वह 23 लाख 70 हजार पौधे रोपित करेंगे। सभी के सहयोग से बस्ती जिला अपने 50 लाख पौधा रोपित करने के लक्ष्य को पूरा करेगा।डीएफओ ने बताया कि 1 से 7 जुलाई को सम्पन्न हुए वन सप्ताह के दौरान विभाग द्वारा सभी गैर सरकारी संगठनों, शिक्षण संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों के माध्यम से पौधारोपण करने के साथ जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।डीएफओ ने बताया कि इस अभियान में सभी विभागों के साथ जनप्रतिनिधियों और सभी सामाजिक संस्थाओं का पूरा सहयोग मिल रहा है। हम सब की यह सामूहिक जिम्मेदारी है कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर के हमेशा सतर्क और जागरूक रहें। जब भी हमें अवसर मिले हम पौधा लगाने के साथ उसकी देख रेख भी सुनिश्चित कराएं।

रास्ता बंद करने, उत्पीड़न का आरोप, पीड़ित परिवार ने डीआईजी, डीएम से लगाया न्याय की गुहार

बस्ती। हर्रैया थाना क्षेत्र के ग्राम खम्हरिया सुजात निवासी मनोज कुमार पाण्डेय पुत्र रामेश्वर प्रसाद ने गांव के कुछ लोगों पर जबरन रास्ता बंद करने, धमकी देने और उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी तथा डीआईजी को प्रार्थना पत्र सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है। प्रार्थना पत्र में पीड़ित पक्ष का आरोप है कि उनके घर तक आने–जाने का केवल एक ही रास्ता है, जिस पर गांव के कुछ लोग कथित रूप से अवैध निर्माण कर रास्ता बंद करने का प्रयास कर रहे हैं। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है।

पीड़ितों का कहना है कि निर्माण कार्य शुरू होने की सूचना पर उन्होंने डायल 112 पुलिस को बुलाया, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने निर्माण कार्य रुकवा दिया। हालांकि आरोप है कि इसके बाद भी विपक्षी लगातार रास्ता बंद करने और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दे रहे हैं। पीड़ित परिवार ने यह भी आरोप लगाया है कि गांव के ही उदय प्रताप सिंह पुत्र शिवशंकर सिंह, शिवशंकर पुत्र रामबदन सिंह आदि द्वारा एक गरीब ब्राह्मण परिवार का लगातार शोषण और मानसिक उत्पीड़न किया जा रहा है। परिवार का कहना है कि विपक्षी आर्थिक और सामाजिक रूप से प्रभावशाली हैं, जिसके कारण उन्हें न्याय मिलने में कठिनाई हो रही है। पीड़ित परिवार ने डीआईजी और डीएम से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, रास्ते पर हो रहे कथित अवैध निर्माण को तत्काल रोका जाए तथा आरोपितों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई कर उनके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ, वितरित किए गए हेल्थ कार्ड

बस्ती। प्रदेश स्तर पर मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के शुभारंभ के साथ बुधवार को हर्रैया तहसील सभागार में भी योजना का शुभारंभ किया गया। हर्रैया विधायक प्रतिनिधि सरोज मिश्र एवं एसडीएम उमाकांत तिवारी ने शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित कर योजना की शुरुआत कराई। इस अवसर पर शिक्षकों को कैशलेस उपचार की सुविधा के साथ–साथ स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ हुए एमओयू के तहत एक करोड़ रुपये तक के बीमा सुरक्षा कवर की जानकारी भी दी गई, जिससे शिक्षकों एवं संविदा कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा को नई मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में डीबीटी के माध्यम से परिषदीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के अभिभावकों के खातों में 1200 रुपये की धनराशि हस्तांतरित किए जाने के क्रम में बलराज यादव, सुन्दरी, किताबुल निश्रा, राममणि एवं मकसूद को प्रतीकात्मक रूप से चेक प्रदान किए गए।

वेतन भुगतान की मांग को लेकर सफाई कर्मचारियों का प्रदर्शन, डीपीआरओ पर अभद्रता का आरोप

बस्ती। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ अध्यक्ष अजय आर्य ने बुधवार को जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपकर जिला पंचायत राज अधिकारी 'डीपीआरओ' पर सफाई कर्मचारियों और संगठन के पदाधिकारियों के साथ अभद्र व्यवहार करने, सामूहिक रूप से गाली देने का आरोप लगाया है। संघ ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।संघ के जिलाध्यक्ष अजय कुमार आर्य, जिलाकोषाध्यक्ष अशोक कुमार चौहान, संगठन मंत्री अमित कुमार चक्रवर्ती, जिला लेखा सम्प्रेक्षक भरत कुमार यादव के हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन के अनुसार, जनपद में कार्यरत ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को मई और जून 2026 का वेतन अब तक नहीं मिला है। वेतन भुगतान की मांग को लेकर बुधवार को संगठन के पदाधिकारी और कर्मचारी जिला पंचायत राज अधिकारी के कार्यालय पहुंचे थे।

दोस्त की बहन की शादी में पहुंचे युवक की पीट-पीटकर हत्या

आजमगढ़ (आर एन एस)जिले के मेहनाजपुर थाना क्षेत्र में दोस्त की बहन की शादी में शामिल होने गए युवकों पर अज्ञात लोगों द्वारा किए गए हमले में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, तरवां थाना क्षेत्र के किशुनदासपुर निवासी अगस्त त्रिपाठी के यहां से बारात मेहनाजपुर थाना क्षेत्र के डंडवल गांव आई थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण लहुआ कला नसीरपुर निवासी युवती का विवाह उसके नाना लालजी दुबे के घर से कराया जा रहा था। युवती के भाई गौरव पाण्डेय ने अपने दोस्त आनंद राजभर निवासी सराय, थाना देवगांव को शादी में आमंत्रित किया था। बताया जाता है कि शादी समारोह में भोजन के दौरान आनंद राजभर का कुछ लोगों से विवाद हो गया। विवाद के बाद उसने सुरक्षित घर लौटने के लिए अपने गांव के साथियों को बुला लिया। सूचना पर देवगांव कोतवाली क्षेत्र के सराय गांव निवासी प्रीतेश राजभर (20) पुत्र स्वर्गीय सुनील राजभर तथा ओटू राजभर (26) पुत्र जमुना राजभर भी मौके पर पहुंचे। आरोप है कि गांव पहुंचते ही पहले से घात लगाए बैठे अज्ञात लोगों ने दोनों युवकों पर हमला कर दिया। हमले में प्रीतेश और ओटू गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को पहले मेहनाजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और फिर जिला अस्पताल ले जाया गया। प्रीतेश की हालत नाजुक होने पर उसे हायर सेंटर रेफर किया गया। एक निजी अस्पताल में भर्ती न मिलने के बाद दूसरे हायर सेंटर ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। मृतक प्रीतेश के पिता का पहले ही निधन हो चुका था। वह अपनी मां का इकलौता बेटा था और उसकी दो छोटी बहनें हैं। बेटे की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है।

वहीं घायल ओटू राजभर का संयुक्त चिकित्सालय लालगंज में उपचार चल रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन आक्रोशित होकर मेहनाजपुर थाने पहुंच गए।

पुलिस ने परिजनों को समझाकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हरिऔध कला केन्द्र को शासनानुसार पीपीपी मोड पर संचालित किये जाने पर दिया गया बल

आजमगढ़, (आर एन एस)जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद, आजमगढ़ की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद में पर्यटन एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के विस्तार, पर्यटन स्थलों के विकास, हरिऔध कला केन्द्र के प्रभावी संचालन तथा विभिन्न निर्माणाधीन पर्यटन परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में वर्तमान में जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के प्रशासनिक नियंत्रण में संचालित हरिऔध कला केन्द्र के संबंध में शासन की मंशा के अनुरूप इसे पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड पर संचालित किये जाने के प्रस्ताव पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि पीपीपी मॉडल के माध्यम से कला केन्द्र का बेहतर प्रबंधन, रखरखाव तथा सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जा सकेगा, जिससे जनपद की सांस्कृतिक पहचान को नई गति मिलेगी।बैठक में हरिऔध कला केन्द्र में निर्मित 444 सीट क्षमता वाले आधुनिक ऑडिटोरियम तथा भू–तल पर स्थित पूर्वी हॉल (रसोई सहित) के उपयोग हेतु किराया दरों का निर्धारण भी किया गया। निर्णय के अनुसार ऑडिटोरियम का किराया 30,000 रुपये तथा 18 प्रतिशत जीएसटी सहित कुल 35,400 रुपये निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार पूर्वी हॉल (रसोई सहित) का एक दिन का किराया 10,000 रुपये तथा 18 प्रतिशत जीएसटी सहित कुल 11,800 रुपये निर्धारित किया गया है। यह दरें तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। जनपदवासी, विभिन्न संस्थानध संस्थाएं, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन तथा निजी प्रतिष्ठान अपने कार्यक्रम, संगोष्ठी, सम्मेलन, सांस्कृतिक आयोजन एवं अन्य समारोहों के लिए हरिऔध कला केन्द्र स्थित जिला पर्यटन कार्यालय से संपर्क कर ऑडिटोरियम एवं हॉल की बुकिंग करा सकते हैं। उन्होंने हरिऔध कला केन्द्र में ऊर्जा संरक्षण एवं संचालन व्यय में कमी लाने के उद्देश्य से सोलर प्लांट स्थापित किये जाने पर भी विशेष बल दिया।बैठक में जनपद में संचालित पर्यटन विकास परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि सभी निर्माणाधीन पर्यटन स्थलों का नियमित स्थलीय निरीक्षण किया जाए। निरीक्षण के दौरान संबंधित स्थल की भौगोलिक स्थिति, विकास खण्ड एवं तहसील का स्पष्ट उल्लेख किया जाए तथा प्रत्येक परियोजना की गुणवत्ता पर विशेष निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता के साथ समयसीमा के भीतर पूर्ण कराये जाएं, जिससे जनपद के पर्यटन विकास को गति मिल सके।जिलाधिकारी ने शासन की उस योजना की भी समीक्षा की जिसके अंतर्गत 100 वर्ष या उससे अधिक पुराने मंदिरों, मठों, धर्मशालाओं, कुण्डों एवं अन्य धार्मिक स्थलों के जीर्णोद्धार का प्रावधान है। उन्होंने निर्देशित किया कि प्राप्त सभी प्रस्तावों का प्राथमिकता के आधार पर स्थलीय निरीक्षण कराया जाए। यदि संबंधित स्थल पर पर्याप्त भूमि उपलब्ध हो तथा कोई प्रतिकूल तथ्य न हो, तो कार्यदायी संस्था ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, प्रखण्ड आजमगढ़ के माध्यम से तत्काल आगणन तैयार कराकर शासन को अग्रसारित किया जाए, ताकि पात्र स्थलों का शीघ्र जीर्णोद्धार कराया जा सके।

नई किरण प्रोजेक्ट के तहत 02 परिवारों का सफलता पूर्वक हुआ समझौता

आजमगढ़ (आर एन एस)वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ डॉ0 अनिल कुमार के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक यातायातध नोडल अधिकारी महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन के पर्यवेक्षण में दिनांक 08.07.2026 को थाना कोतवाली, जनपद आजमगढ़ परिसर स्थित परिवार परामर्श प्रकोष्ठधनई किरण की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कुल 06 पत्रावलियों में दोनों पक्षों को फोन एवं नोटिस के माध्यम से सूचित कर मध्यस्थता (मिडिएशन) हेतु बुलाया गया था, जिनमें से सभी 06 पत्रावलियों में दोनों पक्ष उपस्थित हुए। काउंसलिंग एवं अथक प्रयासों के उपरांत सभी 02 प्रकरणों में पक्षकारों को समझा–बुझाकर आपसी मतभेद दूर कर समझौता कराया गया।

मध्यस्थता के दौरान प्राप्त प्रकरणों में एक प्रकरण में आवेदिका के पति व ससुराल वालों द्वारा दहेज की मांग करना तथा प्रताड़ित करना

तथा दूसरे प्रकरण में आवेदिका के पति द्वारा पड़ोसी व जेठानी के बहकावें में आकर शराब पीकर मारने–पीटने से संबंधित शिकायतों पर दोनों पक्षों की बात सुनते हुए उन्हें आपसी संवाद, सहनशीलता एवं पारिवारिक मूल्यों के महत्व से अवगत कराया गया। सकारात्मक वातावरण में हुई काउंसलिंग के फलस्वरूप परिवारों में पुनः सामंजस्य स्थापित हुआ। श्नई किरणश प्रोजेक्ट का उद्देश्य पारिवारिक विघटन को रोकना, बिखरते रिश्तों को जोड़ना तथा परिवारों में आपसी सामंजस्य स्थापित करना है। यह पहल न केवल परिवारों को नई दिशा प्रदान कर रही है, बल्कि पारिवारिक न्यायालयों पर बढ़ते कार्यभार को कम करने में भी सहायक सिद्ध हो रही है।

कुल समझौते– 02

01. ज्योति पत्नी श्रीकृष्ण ग्राम–मीरपुर, थाना–निजामाबाद,जनपद– आजमगढ़।

02. शालू पत्नी अशोक ग्राम–मनरा, थाना–फूलपुर, जनपद–आजमगढ़ ।

आजमगढ़ पुलिस का श्नई किरणश प्रोजेक्ट बिखरते परिवारों को जोड़ने और सामाजिक सौहार्द को सुदृढ़ करने की दिशा में एक प्रभावी एवं मानवीय पहल है।

कार्य में घोर लापरवाही पर डायल-112 के 02 पुलिसकर्मीयों को पुलिस अधीक्षक ने निलंबित करते हुए विभागीय जांच के दिए आदेश

आजमगढ़ (आर एन एस)जनपद आजमगढ़ में पुलिस विभाग में अनुशासन, जवाबदेही एवं कर्तव्यनिष्ठा बनाए रखने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ डॉ० अनिल कुमार द्वारा निरंतर समीक्षा की जा रही है।समीक्षा के दौरान यूपी डायल–112, जनपद आजमगढ़ के मुख्य आरक्षी बृजलाल पटेल व आरक्षी कमलेश कुमार गौड़, जो वर्तमान में थाना जहानागंज की पी.आर.वी. पर नियुक्त है । उक्त पुलिस कर्मियों ने पीआरवी चालक हो0गा0 राधेश्याम द्वारा लापरवाही पूर्वक पीआरवी वाहन चलाकर दिनांक 05.07.2026 को दीवाल में टक्कर मारकर छतिग्रस्त करने की सूचना कन्ट्रोल को नही दी गयी और न ही प्रभारी को अवगत कराया गया । मुख्य आरक्षी बृजलाल पटेल व आरक्षी कमलेश कुमार गौड़ के विरुद्ध अनुशासनहीनता, अकर्मण्यता, लापरवाही एवं स्वेच्छाचारित बरतने के आरोप प्रकाश में आये है।प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ द्वारा संबंधित पुलिस कर्मियों के विरुद्ध उत्तर प्रदेश अधीनस्थ श्रेणी के पुलिस अधिकारियों की दण्ड एवं अपील नियमावली–1991 के प्रावधानों के अंतर्गत विभागीय जांच संस्थित करते हुए निलंबन की कार्रवाई की गई है।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जनपद के सभी पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं अनुशासन के साथ करें। कर्तव्य पालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनुशासनहीनता अथवा गैर–जिम्मेदाराना आचरण पाए जाने पर कठोर विभागीय कार्रवाई की जाएगी ।जनपद आजमगढ़ पुलिस कानून–व्यवस्था, जनसुरक्षा एवं अनुशासित पुलिसिंग के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा कर्तव्य निर्वहन में किसी भी प्रकार की शिथिलता को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा ।

सोशल मीडिया पर हिन्दू देवता के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

आजमगढ़ (आर एन एस)वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में थाना रौनापार पुलिस टीम द्वारा 01 अभियुक्त को पुलिस हिरासत में लेकर निरोधात्मक कार्यवाही की गयी है, जो सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाले एवं सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास कर रहा था ।वादी मुकदमा रितिसागर भारती, मठाधीश, निवासी रजादुर थाना जीयनपुर, जनपद आजमगढ़ द्वारा थाना रौनापार पर लिखित प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया गया कि अभियुक्त जितेन्द्र पासवान पुत्र मंगरु निवासी ग्राम ओढ़रा सलेमपुर थाना रौनापार जनपद आजमगढ़ ने सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में हिन्दू देवता के प्रति अत्यंत आपत्तिजनक एवं अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया है, जिससे करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं तथा सामाजिक सौहार्द एवं शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका उत्पन्न हुई।

फर्जी अभिलेख तैयार कर मदरसा अनुदान में धोखाधड़ी करने वाला प्रबंधक गिरफ्तार

आजमगढ़ (आर एन एस)वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) एवं क्षेत्राधिकारी सगड़ी के पर्यवेक्षण थाना जीयनपुर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना जीयनपुर पुलिस ने आर्थिक अपराध (म्ट) की जांच से संबंधित मुकदमे में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया।दिनांक 10.02.2025 को राज्य विशेष अपराध अनुसंधान शाखा (म्ट), मुख्यालय लखनऊ के निरीक्षकध्जांच अधिकारी श्री कुँवर ब्रह्म प्रकाश सिंह द्वारा प्रस्तुत तहरीर एवं जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, आजमगढ़ के आदेश के अनुपालन करें।

जनसभा स्थल पर सीएम योगी आदित्यनाथ, गेट के बाहर खडी भीड व जांच सुरक्षाकर्मीयों द्वारा की गई

-950 करोड़ की 125 योजनाओं का किया लोकार्पण, शिलान्यास

चित्रकूट। सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने सियारामचन्द्र भगवान की नाम लेते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम के संकट के समय में चित्रकूट आश्रय बना। 14 वर्ष के वनवास में लगभग 12 वर्ष चित्रकूट में बिताया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने चित्रकूट का विकास नहीं किया। चाहते तो चित्रकूट का विकास कर सकते थे, लेकिन सपा तो परिवारवाद व जमीन की खरीदफरोख्त कर लूट में लगी थी। बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चित्रकूट इंटर कालेज के प्रांगण में 950 करोड़ की 124 योजनाओं का बटन दबाकर लोकार्पण व शिलान्यास किया। इसी दौरान उन्होंने दो लाभार्थियों को पांच–पांच लाख, आवास योजना के दो लाभार्थियों को आवास की चाबी, आंगनबाडी को स्मार्ट फोन व प्रदेश में स्थान बनाने वाले मेधावियों को एक–एक लाख सहित किसान दुर्घटना बीमा के लाभार्थियों को चेक प्रदान किए। इसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि रामायण की गाथा सबको प्रेरणा देता है। चित्रकूट की धरती पूरी दुनिया को आकर्षित करने का सामर्थ्य रखाता है, लेकिन पिछली सरकारों ने चित्रकूट के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया। आने जाने की कोई व्यवस्था नहीं थी। राजापुर में कोई कार्य नहीं हुआ। ऐसा लगता था कि चित्रकूट उपेक्षित है। पहले लोग आने में डरते थे। जब वह मुख्यमंत्री बनने के बाद चित्रकूट के दौरे में पहली बार आए तो देखा कि चित्रकूट बहुत कुछ पाने का अधिकारी था। यहां देवांगना की पहाड़ी पर एअरपोर्ट की सौगात उन्होंने दिया। बुन्देलखंड एक्सप्रेस वे का कार्य हुआ। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम को जब वनवास हुआ तो महर्षि भरद्वाज ने रास्ता बताया। महर्षि बाल्मीकि ने चित्रकूट में रहने के लिए कहा। जहां कोल वनवासी, ऋषि मुनियों के साथ समय व्यतीत किया। इसके बाद उन्होंने आततायियों का नाश करने के लिए दक्षिण की ओर प्रस्थान किया। जहां पंचवटी में मां जानकी का अपहरण हो गया। कहा कि आजादी के बाद से चित्रकूट उपेक्षित रहा, लेकिन अब चित्रकूट में बड़ा निवेश करने जा रहे हैं। डिफेंस कारीडोर बनने से चित्रकूट केन्द्र होगा। यहां शास्त्र और शस्त्र दोनो ही बनेगें। जेआरएचआरयू को राज्य स्तर की उपलब्धि दी गई है। 75 वर्षो से चित्रकूट विकास के लिए लालायित था। सपा को ठेके, पट्टे से फुर्सत नहीं था। चाहते तो वह भी विकास कर सकते थे। 2022 में अगर भाजपा का एमएलए होता तो आज चित्रकूट चमक रहा होता। चित्रकूट के विकास के लिए हर माहह प्रभारी मंत्री समीक्षा करते हैं। तभी विकास होना सुनिश्चित हुआ है। सीएम ने कहा कि डा राममनोहर लोहिया का नाम तो सपाई लेते हैं सत्ता में आते ही सैफई के अलावा कुछ नहीं दिखाई देता। जब भी मौका मिला परिवारवाद में ही रह गए। डा लोहिया ने रामायण मेला की परिकल्पना की है। समाजवादी लोग बाबर और औरंगजेब को आदर्श मानते हैं। भगवान राम और कृष्ण के लिए आस्था नहीं है। सपा की चार बार सरकार थी। चित्रकूट के विकास के लिए कुछ नहीं किया। भय और दहशत का माहौल रहा। चित्रकूट में ताड़का और मारीच जैसे लोग लगता था कि बैठ गए हैं। गरीबों के उत्थान के लिए पीएम मोदी जी ने उज्जवला योजना, मुत में राशन, आवास, शौचालय, किसान सम्मान निधि, सिंचाई, बिजली कनेक्शन दिया। सपा इसी पर डकैती डालती थी। प्रदेश में साढ़े नौ लाख युवाओं को नौकरी दी गई थी। अब चित्रकूट में भी निवेश आ रहा है। पहले तो देख सपाई बिटिया घबराई। सपा शासन में बिटिया घबराती थी। प्रगति जितना तेज होगा उतना तेजी से विकास होता है। कहा कि जो लोग जाति, भाषा और समाज के नाम पर बांट रहे हैं उनसे सतर्क और सावधान रहता होगा।सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस समय कांग्रेस और सपा अचानक सक्रिय हो गए हैं। कांग्रेस तो सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दिया कि राम और कृष्ण काल्पनिक हैं। आज वे लोग किस मुंह से राम के आस्था की बात कर रहे हैं। राम भक्तो पर गोलियां चलाने वाले किस मुह से अयोध्या की आस्था की बात करते हैं। कहा कि भाजपा ने मंदिर बनवाएं हैं। जबकि सपा ने कब्रिस्तान बनवाए हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ के नाम पर कांग्रेस और सपा ने हजारो बीघे जमीन की लूट की थी। इसी को लेकर पीएम ने कानून बनाया तो इन्होंने विरोध किया। राम मंदिर ट्रस्ट से जानकारी मिली कि चंदा चोरी हुआ है। इस पर एसआईटी गठित किया। जांच में आठ लोग पाए गए। जिसमें दो लोग साजिशकर्ता और दो मुख्य आरोपी है। जिनके खिलाफ ट्रस्ट ने एफआईआर दर्ज कराया है। सपा सरकार में बाल्मीकि आश्रम को कब्जा करने वाली थी। 2017 में भाजपा सरकार बन गई तो आश्रम बच गया। सरकार बनते ही सपाईयों को दिन में तारे दिखने लगे थे।

स्कूल चलो अभियान के दूसरे चरण का हुआ भव्य शुभारंभ

नगर में निकाली गई जनपद स्तरीय विशाल रैली

चित्रकूट। शासन के निर्देशानुसार सभी बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से स्कूल चलो अभियान के दूसरे चरण के तहत जनपद स्तरीय रैली के माध्यम से अभिभावकों एवं आम जनमानस को जागरूक किया जा रहा है। इसी मकसद को लेकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रंजना शुक्ला ने बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चित्रकूट आगमन के पूर्व ही पूरे शहर में स्कूल चलो अभियान रैली निकालकर शिक्षा की अलख जगाने का पुनीत कार्य कर रही हैं। उनका कहना है कि सभी अभिभावक अपने बच्चों का दाखिला बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित विद्यालयों में अवश्य कराएं।स्कूल चलो अभियान रैली का शुभारंभ नगर पालिका चित्रकूटधाम कर्वी कार्यालय से कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर किया। यह रैली नगर पालिका से चलकर पुरानी बाजार होते हुए ६ लुच चौराहा और फिर वापस टंडन स्कूल के पास समाप्त हुई। जिला बेसिक अधिकारी रंजना शुक्ला ने कहा कि स्कूल चलो अभियान के दूसरे चरण का शुभारंभ आज से हो गया है हमारे जनपद में सबसे ज्यादा जोर बच्चों के नामांकन पर किया जा रहा है हम सब का प्रयास होगा कि कोई भी बच्चा किसी भी गांव में शिक्षा से वंचित न रहे सभी बच्चों का नाम परिषदीय विद्यालयों में लिखा जाए। इसके लिए सभी शिक्षक अभिभावकों से संपर्क करके बच्चों के प्रवेश जरूर कराएं। बीएसए ने कहा कि शिक्षा ही समाज की रीढ है, समाजोत्थान के लिए हर बच्चे को शिक्षित होना जरूरी है, तभी अच्छा समाज और अच्छा देश बनेगा और हमारे देश के प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी की परिकल्पना के अनुसार विकसित भारत के नवनिर्माण में हमारे जनपद के बच्चों का योगदान होगा। रैली में पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय कछारपुरवा सहित प्राथमिक विद्यालय उच्च प्राथमिक विद्यालय नगर क्षेत्र सभी शिक्षा अधिकारी प्रधानाध्यापक शिक्षक शिक्षिकाएं व जयघोष के साथ बच्चे प्रतिभाग किया। इस दौरान सभासद शंकर प्रसाद यादव, खंड शिक्षा अधिकारी शशांक शेखर चुक्ला, प्रवीण दीक्षित, अतुल दत्त तिवारी, समन्वयक पुष्पेंद्र सिंह, हरिकांत, झानेंद्र मिश्रा, बीरेंद्र गुप्ता, कुलदीप सिंह, श्रीमती रचना यादव प्रधानाध्यापिका, विद्यासागर सिंह, रंजना चंदेल, संजू यादव, गीतांजलि, पूनम श्रीवास्तव, अनुराधा सिंह, आराधना सिंह, शहनाज बानो, अनुरंजना सिंह, श्यामसुन्दर यादव आदि मौजूद रहे।

पटेल एस.एम.एच हास्पिटल के 11 छात्रों का फार्मासिस्ट पद पर चयन

चयनित छात्रों को पुरस्कृत कर बढाया हौसला

बस्ती। पटेल एस.एम.एच हास्पिटल एण्ड आयुष पैरा मेडिकल कॉलेज गोटवा के 11 छात्रों का चयन उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा होम्योपैथिक फार्मासिस्ट पद पर हुआ है। चयनित अभ्यर्थियों का कॉलेज सभागार में प्रतिभा सम्मान के रूप में सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। मुख्य अतिथि अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. ए.के. चौधरी ने अभिषेक चौधरी, राम दयाल चौधरी, विजय वरुण, विजय पाल चौधरी, सुभाष चन्द्र शर्मा, स्वीटी सिंह, शशिधर वर्मा आदि को पुरस्कृत करते हुये कहा कि यह पटेल एस.एम.एच हास्पिटल के लिये बड़ी उपलब्धि है। उन्होने चयनित फार्मासिस्टों से कहा कि मानव सेवा का जो अवसर उन्हें मिला है पूरी निष्ठा के साथ उसका पालन करें। चिकित्सा का क्षेत्र पीड़ितों के चेहरों पर मुस्कान लाने का मानवीय माध्यम है। हास्पिटल के प्रबंधक डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि आरम्भ से ही बेहतर शिक्षा, प्रशिक्षण का ही परिणाम है कि छात्र निरन्तर चयनित हो रहे हैं। इसका श्रेय छात्रों के साथ ही समर्पित शिक्षकों को है। निदेशक डा. आलोक रंजन ने कहा कि पटेल एस.एम.एच हास्पिटल में शासन के दिशा निर्देश का पूरा पालन कराया जाता है। इसी का परिणाम है कि बड़ी संख्या में छात्रों को चयन का अवसर मिले। इससे और बेहतर करने की क्षमता बढी है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डा. राजेश पटेल, डा. दिनेश सिंह कुशवाहा, डा. जी.सी. वर्मा, डा. हिमांशी वर्मा, रंजीत रंजन, विजय प्रकाश वर्मा, राम पूरन चौधरी, शिव प्रसाद चौधरी, अमरेश वर्मा, उमा दूबे, कृष्ण चन्द्र, वर्तिका शुक्ल, शिवानी दूबे के साथ ही पटेल एस.एम.एच हास्पिटल आदि ने चयनित छात्रों का उत्साहवर्धन किया। संचालन वरिष्ठ कवि डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने किया।

डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कजारिडोर में ब्रह्मोस मिसाइल का उत्पादन कर इंडोनेशिया को किया जाएगा निर्यात

चित्रकूट। मुख्यमंत्री ने चित्रकूट को विकास की नई उड़ान देने का ऐलान करते हुए 950 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम ने वनवास का करीब 12 वर्ष चित्रकूट में बिताया था। उसी पावन भूमि को अब आधुनिक सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है। सीएम ने कहा कि पहाड़ी की चोटी पर बने एयरपोर्ट के कारण चित्रकूट देश का अनूठा उदाहरण बना है। जल्द ही दिल्ली–लखनऊ से हवाई सेवा शुरू होगी। डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर में ब्रह्मोस मिसाइल का उत्पादन कर इंडोनेशिया को निर्यात किया जाएगा। जगद्गुरु रामभद्राचार्य विश्वविद्यालय को राज्य विश्वविद्यालय का दर्जा देकर शास्त्र और शस्त्र दोनों का केंद्र बनाया जाएगा। उन्होंने पूर्व की समाजवादी सरकारों पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए कहा कि तब बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, विश्वविद्यालय और एयरपोर्ट संभव थे, पर इच्छाशक्ति नहीं थी। डबल इंजन सरकार में गरीबों को मुत राशन, शौचालय, गैस, बिजली, पीएम किसान सम्मान निधि और 9.30 लाख सरकारी नौकरियां मिली हैं। कार्यक्रम में मऊ सराय–अकिल मार्ग, यमुना घाट सीढ़ी, रिवर ट्रेनिंग सेंटर, रामघाट पर्यटन विकास, सोमनाथ शिव मंदिर, आईटीआई कार्यशाला, सिंथेटिक ट्रैक व माइक्रोबायोलॉजी लैब का लोकार्पण, शिलान्यास हुआ। सीएम ने 2047 तक विकसित भारत के संकल्प में चित्रकूट की भागीदारी पर जोर दिया।

आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक विरासत और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का सशक्त प्रतीक बनेगा चित्रकूट

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चित्रकूट की पावन धरती से एक दूरदर्शी घोषणा करते हुए कहा कि आने वाले समय में चित्रकूट को शास्त्र और शस्त्र दोनों का प्रमुख केंद्र बनाया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि यहां होने वाला विकास केवल प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश और विदेशों में भी अपनी अलग पहचान बनाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट आध्यात्म, संस्ृति और ज्ञान की प्राचीन धरोहर है। अब इसे आधुनिक विकास, सुरक्षा, शिक्षा और पर्यटन के नए आयामों से जोड़ते हुए ऐसा स्वरूप दिया जाएगा। जिसकी गूंज विश्वभर में सुनाई देगी। उन्होंने कहा कि चित्रकूट की पहचान केवल धार्मिक नगरी तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह आध्यात्मिक चेतना, सांस्ृतिक विरासत और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का सशक्त प्रतीक बनेगा।मुख्यमंत्री के इस ऐलान से चित्रकूटवासियों में उत्साह का माहौल है। लोगों का मानना है कि यदि यह संकल्प धरातल पर उतरा तो चित्रकूट पर्यटन, रोजगार, शिक्षा और आधारभूत विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूएगा तथा देश–विदेश के श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनेगा।

एअरपोर्ट में सीएम का हुआ भव्य स्वागत

चित्रकूट। सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ का उड़नखटोला देवांगना एअरपोर्ट में 2:48 बजे उतरा। यहां जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य, राज्य मंत्री डा ब्रजेश सिंह, पूर्व मंत्री चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय, पूर्व सांसद भैरो प्रसाद मिश्र, आरके सिंह पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता, एडीजी ज्योति नारायण, कमिश्नर अजीत कुमार, डीआईजी राजेश एस, डीएम पुलकित गर्ग, एसपी अरुण कुमार सिंह ने फूलमालाओं से अगुवानी की।

जनसभा स्थल मार्ग में वाहनों का आवागमन रोका

चित्रकूट। सीएम योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर एलआईसी तिरराहे, पटेल चौक के रास्ते में वाहनो का आवागमन सवेरे से रोक दिया गया। कुछ लोग तो बीच की गलियों से घुसकर निकलना चाहा तो वहां भी पुलिस तैनात नजर आई। ऐसे में लोग गलियों में वाहन खड़ा कर सभा स्थल तक पहुंचे।

दुल्हन की तरह सजाया गया हवाईपट्टी से सीआईसी तक मार्ग

चित्रकूट। देवांगना हवाईपट्टी से लेकर चित्रकूट इंटर कालेज तक दुल्हन की तरह सजा रहा। जगह–जगह गमले व पोस्टर–बैनरो से मार्ग के किनारे पटे रहे।

सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

चित्रकूट। सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ के जनसभा स्थल जाने के लिए तीन रास्ते बनाए गए। एक रास्ते पर सीएम का काफिला और दूसरे रास्ते से वीआईपी पास व तीसरे रास्ते से आम लोगों को जाने दिया गया। तीनो रास्तो पर मेटल डिटेक्टर व सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे।

चप्पे-चप्पे पर तैनात रहा पुलिस बल

चित्रकूट। सीएम योगी के आगमन को लेकर मुख्यालय के विभिन्न स्थानों पर पुलिस की चौकसी देखने को मिली। जगह–जगह बैरीकेटिंग व पुलिस सुरक्षा व्यवस्था रही।

बंदियों को प्राधिकरण सचिव ने दी विधिक सहायता और विशेष लोक अदालत की जानकारी

चित्रकूट। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव इला चौधरी ने बुधवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। यहां उन्होंने कारागार में संचालित लीगल एड क्लीनिक की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और वहां संरक्षित पंजिकाओं की जांच की। निरीक्षण में सभी अभिलेखों की प्रविष्टियां नियमानुसार दर्ज मिलीं।

सचिव ने लीगल एड क्लीनिक में तैनात पैरालीगल वालंटियर्स को निर्देशित किया कि यदि कोई बंदी अपने मुकदमे की पैरवी के लिए निजी अधिवक्ता करने में सक्षम नहीं है, तो नियमानुसार पत्राचार कर जिला कारागार अधीक्षक के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से अधिवक्ता उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने बंदियों को समाधान समारोह और सुप्रीम कोर्ट की विशेष लोक अदालत के बारे में भी जानकारी दी। बताया कि जिन बंदियों के मामले सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं, वे इसकी सूचना कारागार अधीक्षक के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय तक पहुंचाएं, ताकि उन्हें आपसी सहमति से विवाद निस्तारण के लिए विशेष लोक अदालत से जोड़ा जा सके। बताया कि आगामी 21, 22 और 23 अगस्त 2026 को प्रस्तावित यह विशेष लोक अदालत बिना अतिरिक्त खर्च और लंबी न्यायिक प्रक्रिया के पुराने मामलों के सौहार्दपूर्ण और त्वरित निस्तारण का अवसर प्रदान करेगी। इस दौरान आगामी 15 जुलाई 2026 को होने वाली अंडर ट्रायल रिव्यू समिति की बैठक पर भी चर्चा की गई। सचिव ने कारागार अधीक्षक को पात्र बंदियों का विवरण निर्धारित प्रारूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का हुआ शुभारंभ

चित्रकूट। मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का बुधवार को जहां एक ओर बनारस में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुभारंभ किया गया वहीं जिला मुख्यालय के मंदाकिनी उत्सव भवन में भी शिक्षा विभाग के सहयोग से इस योजना का भव्य शुभारंभ हुआ। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा 15 शिक्षकों को डेमो कार्ड वितरित किए गए।समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद भैरों प्रसाद मिश्र ने कहा कि कैशलेस चिकित्सा योजना की शुरुआत करके मुख्यमंत्री जी ने बहुत ही प्रशंसनीय कार्य शिक्षकों के जीवन की सुरक्षा के लिए किया है हम सब का कर्तव्य की जिले के विकास में अपना योगदान दें। हमारे जिले को आकांक्षी घोषित किया गया है यह शब्द तभी हटेगा जब हम सब लोग अपने–अपने कर्तव्यों दायित्वों का निर्वाह करके मोदी और योगी के मंशानुरूप क्षेत्र के विकास के हित में काम करेंगे। शिक्षक विधायक डॉ बाबूलाल तिवारी ने कहा कि जहां योगी जी ने आज चिकित्सकों के लिए कैशलेस चिकित्सा योजना लागू की है वहीं बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें बजट भी आज ही जारी किया गया है निश्चित रूप से योगी जी की यह योजना विकसित भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगी। सभी शिक्षक पूर्ण योग से शिक्षा के स्तर को बढ़ाने में पूर्ण ईमानदारी से बच्चों को पढ़ायें और अपने जनपद और प्रदेश के शैक्षिक स्तर को सुदृढ़ करें। जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव ने कहा कि स्वस्थ और शिक्षित समाज से ही देश और समाज का निर्माण होता है मुख्यमंत्री जी इस योजना को लागू करके शिक्षकों के जीवन को सुरक्षित करने का काम किया है। नगरपालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता ने कहा कि मोदी और योगी जी हमेशा आम जनमानस के साथ राष्ट्र निर्माता शिक्षकों के हितों के लिए भी तमाम योजनाएं सौगात के रूप में दी हैं, आज यह कैशलेस चिकित्सा योजना शिक्षकों व उनके परिवार के लिए वरदान साबित होगी।बीएसए रंजना शुक्ला ने कहा कि मुख्यमंत्री ने शिक्षकों अनुदेशकों शिक्षामित्रों रसोइयों की जीवन सुरक्षा के लिए कैशलेस चिकित्सा योजना लागू करके जीवन सुरक्षा की गारंटी प्रदान की है इसके लिए हम सब उन्हें बधाई देते हैं हमारे जिले में इस योजना के तहत 8087 शिक्षक कर्मचारी लाभान्वित होंगे। शिक्षा विभाग के लिए यह ऐतिहासिक उपलब्धि है।समारोह में भाजपा जिला अध्यक्ष महेंद्र कोटार्य, कोआपरेटिव बैंक के चेयरमैन पंकज अग्रवाल, जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर, लेखाधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी एस एस शुक्ला, प्रवीण दीक्षित, रामनारायण साहू, झानेंद्र मिश्रा, हरीकांत, पुष्पेंद्र सिंह यादव, बीरेंद्र गुप्ता आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में बीएसए कार्यालय स्टाफ के साथ ही पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय

संकल्पों के साथ मनाया गया श्री कृष्णा मिशन हास्पिटल का 10वां स्थापना दिवस

बस्ती। शहर के बड़े बन बरगदवा स्थित श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल का 10वां स्थापना दिवस रविवार को भव्य एवं गरिमामय समारोह के साथ मनाया गया। वर्ष 2016 में स्थापित इस अस्पताल ने पिछले दस वर्षों में क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराकर अपनी अलग पहचान बनाई है। स्थापना दिवस समारोह में विभिन्न राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, चिकित्सकों तथा गणमान्य नागरिकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद राम प्रसाद चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि श्री कृष्णा मिशन हॉस्पिटल ने पूर्वांचल के लोगों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को 10वें स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी जनसेवा के कार्यों को इसी समर्पण के साथ जारी रखने का आह्वान किया।

अस्पताल के चेयरमैन बसंत चौधरी ने अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि यह अस्पताल केवल उनका नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की जनता का है। सभी के सहयोग, विश्वास और स्नेह के कारण अस्पताल लगातार प्रगति कर रहा है तथा आने वाले समय में इसे और अधिक आधुनिक सुविधाओं, नई तकनीकों से सुसज्जित किया जाएगा। मरीजों की सेवा सर्वोच्च प्राथमिकता है।डायरेक्टर पंकज चौधरी ने कहा कि क्षेत्र के मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए अस्पताल में शीघ्र ही हृदय रोग (कार्डियोलॉजी) एवं न्यूरो विभाग की स्थापना की जाएगी। इन विभागों के शुरू होने के बाद गंभीर मरीजों को इलाज के लिए लखनऊ या अन्य महानगरों का रुख नहीं करना पड़ेगा, जिससे समय और धन दोनों की बचत होगी।समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, विधायक महेंद्र नाथ यादव, विधायक राजेंद्र चौधरी, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, संजय प्रताप जायसवाल, नगर पंचायत नगर के अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ भाजपा नेता राना दिनेश प्रताप सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, रामनगर ब्लॉक प्रमुख यशकांत सिंह, पूर्व विधायक अंबिका सिंह, कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष वीरेंद्र प्रताप नारायण पांडेय, नगर पंचायत कप्तानगंज अध्यक्ष चंद्र प्रकाश चौधरी, कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख आसमान सिंह, युवा वाहिनी के महामंत्री विनय सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश शुक्ला, विनोद चौधरी, मनमोहन श्रीवास्तव 'काजू', लोकदल के मंडल अध्यक्ष विवेक चौधरी, जिला अध्यक्ष महिपाल पटेल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।इस अवसर पर अस्पताल के जनरल मैनेजर वी. के. अय्यर, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. पी. पी. मिश्रा, डॉ. नवीन मौर्य, डॉ. असरार, डॉ. सोमाशा गुप्ता, डॉ. सौरभ सिंह, डॉ. वीरेंद्र चौधरी, डॉ. अजीज आलम, डॉ. अवधेश उपाध्याय, डॉ. अखिलेश त्रिपाठी, डॉ. डी. सी. श्रीवास्तव सहित अस्पताल के चिकित्सक एवं कर्मचारी मौजूद रहे। साथ ही राम धीरज चौधरी, विनोद पांडे, कमलेंद्र पटेल, विश्वनाथ चौधरी, दुर्गेश चौधरी, सी. पी. चौधरी तथा सुधीर चौधरी सहित बड़ी संख्या में लोगों ने समारोह में सहभागिता की।कार्यक्रम का संचालन जनपद के वरिष्ठ शिक्षाविद योगेश शुक्ला ने किया। पूरे समारोह में अस्पताल की दस वर्षों की उपलब्धियों, आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं और भविष्य की विकास योजनाओं पर विशेष चर्चा हुई।

अग्निवीर नरेन्द्र कुमार यादव के घर पहुंचकर मनीष मिश्रा ने किया आर्थिक सहयोग, नौकरी और आवास निर्माण का दिया आश्वासन

बस्ती। नगर पंचायत मुण्डेरवा क्षेत्र के वीर सपूत अग्निवीर नरेंद्र कुमार यादव के सर्वोच्च बलिदान को नमन करने के लिए पहल सोशल वेलफेयर एण्ड एजुकेशनल सोसायटी के संस्थापक मनीष मिश्रा उनके पैतृक आवास पहुंचे। उन्होंने शहीद अग्निवीर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर सपूतों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। पूरा राष्ट्र उनके प्रति सदैव ऋणी रहेगा।मनीष मिश्रा ने दिवंगत अग्निवीर नरेन्द्र कुमार यादव को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए दिया गया उनका सर्वोच्च बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत वीर आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मनीष मिश्रा ने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कई महत्वपूर्ण सहयोगों की घोषणा की। उन्होंने 50 हजार रूपये की आर्थिक सहायता दिया। इसके साथ ही परिवार के एक सदस्य को रोजगार उपलब्ध कराने तथा उनके आवास पर दो कमरों के निर्माण का पूरा दायित्व स्वयं लेने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह सहयोग केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक सामाजिक दायित्व है।

मनीष मिश्रा ने कहा कि शहीद के परिवार को भविष्य में जब भी किसी प्रकार की आवश्यकता होगी, वह हर समय उनके साथ खड़े मिलेंगे। उन्होंने कहा कि समाज का प्रत्येक सक्षम व्यक्ति यदि ऐसे परिवारों की सहायता के लिए आगे आए तो देश के वीर जवानों के परिवारों को कभी अकेलापन महसूस नहीं होगा। उन्होंने युवाओं से भी देशभक्ति, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया।इस बीच क्षेत्र के लोगों ने भी मनीष मिश्रा की इस पहल की सराहना की। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बिना किसी राजनीतिक पद या सरकारी जिम्मेदारी के जिस प्रकार वह लगातार शिक्षा, सामाजिक सेवा और जरूरतमंद परिवारों की सहायता के लिए कार्य कर रहे हैं, वह समाज के लिए प्रेरणादायक है। लोगों का मानना है कि उनकी ष्बस्ती बेस टू स्पेसष् की सोच केवल एक नारा नहीं, बल्कि समाज को आगे बढ़ाने का एक व्यापक अभियान बनती जा रही है। उल्लेखनीय है कि अग्निवीर नरेंद्र कुमार यादव के पार्थिव शरीर के गांव पहुंचने पर पूरे क्षेत्र की आंखें नम हो गई थी।

पहल के मनीष मिश्रा ने कहा कि देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले सैनिकों और उनके परिवारों का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

पुण्य तिथि पर याद किये गये पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर

बस्ती। गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर को उनकी 19 वीं पुण्य तिथि पर प्रेस क्लब सभागार में याद किया गया। चन्द्रशेखर जन्म शती समारोह समिति के संयोजक डॉ. हरीओम श्रीवास्तव के संयोजन में आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने उनके विविध राजनीतिक जीवन के पक्षों पर प्रकाश डाला।मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति प्रोफेसर चितरंजन मिश्र ने कहा कि चन्द्रशेखर सत्ता की ओर देखने वाले नेता नहीं थे। वे चाहते तो आपातकाल के दौरान गिरफ्तारी से बच सकते थे किन्तु तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के प्रस्ताव को ठुकराकर उन्होने जेल जाने का रास्ता चुना। समाजवाद को लेकर सदैव वे निर्भीक रहे और उसके लिये प्रधानमंत्री होते हुये भी टकराव किया। जनतापार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में भी वे सदैव सादगी पसन्द रहे। उन्होने सत्ता के लिये कभी समझौता नहीं किया।विशिष्ट अतिथि शिव हर्ष किसान पी.जी. कालेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. रघुवंशमणि त्रिपाठी ने चन्द्रशेखर जी के जीवन के विविध पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि सीधे–सरल स्वभाव वाले चंद्रशेखर ने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। हालांकि पीएम के रूप में उनका कार्यकाल काफी छोटा रहा। युवा तुर्क के नाम से मशहूर पूर्व पीएम चंद्रशेखर का 17 अप्रैल को जन्म हुआ था। वह पहले ऐसे नेता थे, जिन्होंने सीधे प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। हालांकि भारत के 8 वें प्रधानमंत्री रहे चंद्रशेखर का ने कभी भी राजनीतिक अस्पृश्यता और असहिष्णुता के फेर में नहीं रहे। उनको राजनीति का अजातशत्रु कहा जाता था। आज जब सत्ता के लिये हर स्तर पर समझौता का दौर चल रहा है वे अपने सिद्धान्तों पर अडिग रहे।कार्यक्रम के दौरान डॉ. हरीओम श्रीवास्तव ने वर्तमान स्थितियों को लेकर एक प्रस्ताव रखा। इसे राष्ट्रपति, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को भेजा जायेगा।

सौरव गांगुली की बायोपिक का पहला पोस्टर जारी, राजकुमार राव ने जन्मदिन पर दिया तोहफा

मुंबई । भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली के 54वें जन्मदिन पर बुधवार को नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले एक्टर राजकुमार राव ने क्रिकेटर की आने वाली बायोपिक दादारू द सौरव गांगुली स्टोरी का पहला लुक शेयर किया है।

सौरव गांगुली की यह बायोपिक अगले साल 14 मई को थिएटर में रिलीज होगी। गांगुली को जन्मदिन की बधाई देते हुए राजकुमार ने पोस्टर जारी किया, जिसमें एक्टर पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली का रोल करते हुए दिख रहे हैं। पोस्टर में राजकुमार राव मशहूर लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड की बालकनी में शर्ट उतारकर खड़े नजर आ रहे हैं। यह दृश्य 2002 की नेटवेस्ट ट्रॉफी जीत के बाद सौरव गांगुली द्वारा मनाए गए ऐतिहासिक जश्न को दोबारा जीवंत कर रहा है। राजकुमार के पीछे लहराता विशाल भारतीय तिरंगा इस पोस्टर को और भी दमदार और भावनात्मक बना रहा है।फिल्म का टाइटल, दादा, पोस्टर पर नीले अक्षरों में लिखा है, जिसके ऊपर उपशीर्षक द सौरव गांगुली स्टोरी लिखा है। टेक्स्ट ओवरले में एक टैगलाइन भी है, जिसमें लिखा हैरू उन्होंने सिर्फ गेम नहीं खेला, उन्होंने इसे बदल दिया। राजकुमार ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्इंस्टाग्रामश्च पर शेयर किए गए पोस्ट के कैप्शन में लिखा, हमारे प्यारे दादा को जन्मदिन की बधाई।सौरव गांगुली की कप्तानी में टीम इंडिया ने 2002 में लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ नेटवेस्ट ट्राई सीरीज का फाइनल जीतकर यादगार इतिहास रचा था। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 325 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा था। इसके जवाब में भारत ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 2 विकेट और 3 गेंद शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया था। यह जीत भारतीय क्रिकेट की सबसे यादगार जीतों में गिनी जाती है। उस ऐतिहासिक जीत के बाद गांगुली ने कहा था, मुझे कभी यकीन नहीं था कि हम यह मैच जीत पाएंगे।सौरव गांगुली के जीवन पर आधारित फिल्म श्दादारू द सौरव गांगुली स्टोरीश्च का निर्देशन विक्रमादित्य मोटवानी ने किया है। फिल्म का निर्माण लव रंजन और अंकुर गर्ग ने लव फिल्म्स के बैनर तले किया है। इसमें राजकुमार राव गांगुली की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि तान्या मानिकतला उनकी पत्नी डोना गांगुली के किरदार में नजर आएंगी।भारतीय क्रिकेट

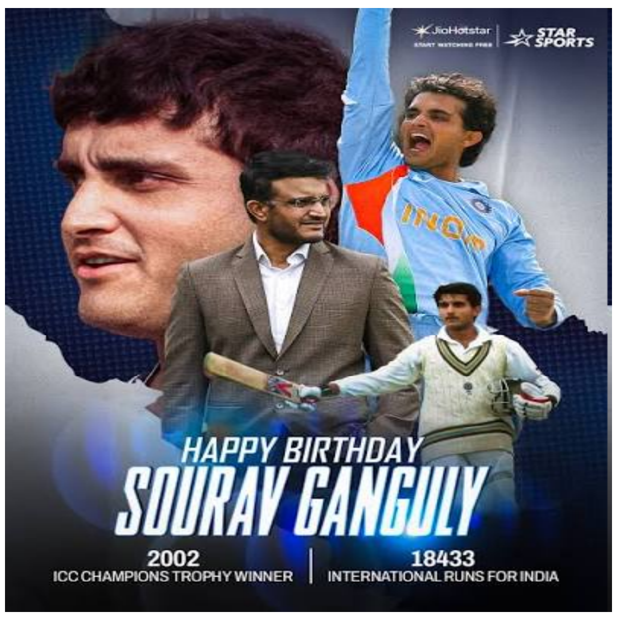

में श्महाराजाश्च के नाम से मशहूर सौरव गांगुली ने कप्तान के रूप में टीम इंडिया को नई दिशा दी। उनकी कप्तानी में भारत ने 2002 आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी का संयुक्त खिताब जीता और 2003 क्रिकेट विश्व कप, 2000 आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी तथा 2004 एशिया कप के फाइनल तक का सफर तय किया। अपने एकदिवसीय इंटरनेशनल करियर में गांगुली ने 11,363 रन बनाए, जो उन्हें वनडे क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल करता है। उन्होंने 2008 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया और 2012 में क्रिकेट के सभी प्रारूपों को अलविदा कहा था। भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें 2004 में देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया।

विंबलडन सबसे लंबे क्वार्टर फाइनल मैच को जीतकर सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच, सिनर से होगी भिड़ंत

लंदन। नोवाक जोकोविच ने विंबलडन में अब तक के सबसे लंबे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। वह विंबलडन में लगातार आठवीं बार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। पांच घंटे और 15 मिनट तक चले मुकाबले में जोकोविच ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फेलिक्स ऑगर–अलियासिमे को 7–6(10), 3–6, 6–3, 6–7(4), 7–6(10–4) से हराया। जोकोविच अपने करियर में 55वीं बार ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इसके साथ ही जोकोविच ने विंबलडन के सेमीफाइनल में रिकॉर्ड 15वीं बार जगह बनाई है। जोकोविच ने अपने पहले विंबलडन सेमीफाइनल के 19 साल बाद एक बार फिर अंतिम चार में जगह बनाई है। 39 साल और 51 दिन की उम्र में वह ओपन एरा में विंबलडन सेमीफाइनल में पहुंचने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे आगे सिर्फ ऑस्ट्रेलिया के केन रोजवेल हैं, जिन्होंने 1974 में 39 साल 246 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।

24 बार के ग्रैंड स्लैम चौंपियन जोकोविच ने इस मुकाबले में अनुभव और धैर्य का शानदार उदाहरण पेश किया। मैच के दौरान उन्हें पिंडली की चोट के कारण मेडिकल टाइमआउट भी लेना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और आखिरी सेट में जबरदस्त वापसी करते हुए जीत हासिल की।

क्वार्टर फाइनल में जोकोविच ने ऑगर–अलियासिमे के बैकहैंड को लगातार निशाना बनाया और अपनी रणनीति के साथ आगे बढ़े। हालांकि, कनाडा के खिलाड़ी अलियासिमे ने उन्हें कड़ी चुनौती दी और मुकाबले को पांचवें सेट के टाई–ब्रेकर तक पहुंचाया। आखिर में जोकोविच अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए मैच को अपने नाम करने में सफल रहे।इस जीत के साथ जोकोविच ने विंबलडन में शीर्ष–10 खिलाड़ियों के खिलाफ लगातार तीन हार का

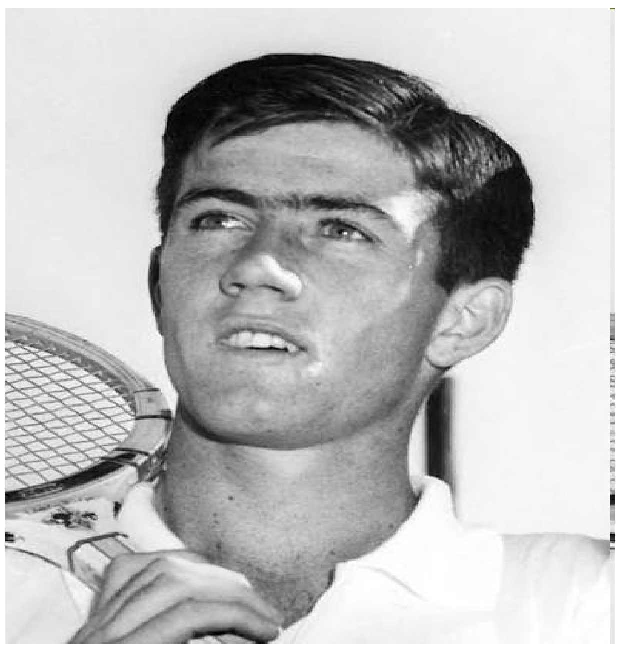

सिलसिला भी खत्म किया। इससे पहले वह 2023 और 2024 के फाइनल में कार्लोस अल्काराज से और पिछले साल सेमीफाइनल में यानिक सिनर से हार गए थे। अब सेमीफाइनल में जोकोविच का सामना इटली के यानिक सिनर से होगा।

4 मुकाबलों के बाद आप बुरी टीम नहीं बन जाते, तीसरे टी20 में करारी हार के बाद बोले कोच गंभीर

नॉटिंघम ,। भारतीय टीम को तीसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में इंग्लैंड के खिलाफ 125 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा। ट्रेंट ब्रिज के मैदान पर भारत का बल्लेबाजी क्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया और पूरी टीम महज 76 रन बनाकर सिमट गई। हालांकि, हार के बाद हेड कोच गौतम गंभीर ने टीम का बचाव किया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए गंभीर ने कहा, मुझे लगता है कि हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। आप चार मैच के बाद बुरी टीम नहीं बन जाते। कभी–कभार आपकी विरोधी टीम अच्छा खेलती है, कभी आप परिस्थितियों को ठीक तरह से भांप नहीं पाते हैं। गेम को समझना भी काफी जरूरी है, जो हम आयरलैंड सीरीज से नहीं कर सके हैं। हेड कोच ने आगे कहा, मुझे नहीं पता कि इंग्लैंड क्या करने की कोशिश करेगा, लेकिन हमको खुद को बेहतर करने पर ध्यान देना होगा। सबसे ज्यादा जरूरी बात यह है कि इस मुकाबले में आज शायद हमारा दिन खराब था,क्योंकि आप पिछले दो टी20 मैचों को देखेंगे, तो हमने 190 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए थे। जब आप हाई–रिस्क वाला गेम खेलते हैं, तो ऐसी चीजें हो सकती हैं।तीसरे टी20 में इंग्लैंड से मिले 202 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम शुरुआत से ही बैकफुट पर नजर आई। अभिषेक शर्मा बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह महज 10 रन बनाकर आउट हुए। वैभव सूर्यवंशी 5 गेंदों में 13 रन बनाने के बाद जोफ्रा आर्चर का शिकार बने। ईशान किशन 13

रन ही बना सके,जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर ने 5 रन बनाए। अक्षर पटेल 10 और तिलक वर्मा सिर्फ 3 रन बनाकर आउट हुए। हर्षित राणा (9 रन) और शिवम दुबे (2 रन) को जोश टंग ने पवेलियन भेजा। भारतीय बल्लेबाजों ने सिर्फ 11.4 ओवर में ही घुटने टेक दिए और पूरी टीम 76 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। रनों के लिहाज से यह भारतीय टीम की टी20 इंटरनेशनल में अब तक की सबसे बड़ी हार है।

ड्रा रहा दूसरा टेस्ट मैच, वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ 23 साल बाद जीती टेस्ट सीरीज

एंटीगुआ ,। वेस्टइंडीज और श्रीलंका के बीच विवियन रिचर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया दूसरा टेस्ट मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ। श्रीलंका से मिले 302 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में बिना कोई विकेट गंवाए 109 रन बनाए, जिसके बाद दोनों कप्तानों ने ड्रॉ पर सहमति जताई। दूसरा टेस्ट ड्रॉ होने के साथ ही वेस्टइंडीज ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज को 1–0 से अपने नाम किया। वेस्टइंडीज ने 23 साल बाद श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज को अपने नाम किया है। इसके साथ ही पिछले 3 साल और 5 महीने में यह कैरेबियाई टीम की पहली टेस्ट सीरीज जीत है। दूसरी पारी में वेस्टइंडीज को जॉन कैंपबेल और ब्रैंडन किंग ने शानदार शुरुआत दी। दोनों ही बल्लेबाजों ने अर्धशतकीय पारी खेली। कैंपबेल 113 गेंदों का सामना करते हुए 51 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि किंग 5 चौके और एक छक्के की मदद से 51 रन बनाकर नॉटआउट रहे। इससे पहले , श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी 9 विकेट खोकर 251 रन बनाने के बाद घोषित की।

टीम की तरफ से दिनेश चांदीमल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 107 गेंदों का सामना करते हुए 71 रनों की दमदार पारी खेली। वहीं, कामिंदु मेंडिस ने 58 गेंदों में 44 रन बनाए। सोनल दिनुशा ने 28 और धनंजय डी सिल्वा ने 34 रनों का योगदान दिया। वेस्टइंडीज की तरफ से गेंदबाजी में अल्जारी जोसेफ ने 2 विकेट चटकाए, तो शेमार जोसेफ, रोस्टन चेज और जेयडन सील्स ने एक–एक विकेट चटकाया।

श्रीलंका ने पहली पारी में 9 विकेट गंवाकर 549 रन बनाने के बाद अपनी पहली पारी को घोषित किया था। टीम की ओर से

लाहिरू उदारा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 188 रनों की उम्दा पारी खेली, जबकि सोनल ने 92 और कामिंदु मेंडिस ने 84 रनों का योगदान दिया। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की पूरी टीम पहली इनिंग में 499 रन बनाकर ऑलआउट हुई। कैरेबियाई टीम की तरफ से कप्तान शाई होप और जस्टिन ग्रीव्स ने शतकीय पारी खेली। होप ने 112 रन बनाए, तो ग्रीव्स 180 रन बनाकर प्रभात जयसूर्या का शिकार बने। वहीं, कैंपबेल ने 72 बनाए। पहली पारी के आधार पर श्रीलंका ने 50 रनों की बढ़त हासिल की थी।

सरकार ने नवी मुंबई एयरपोर्ट के जरिए दवाओं के आयात को मंजूरी दी

नई दिल्ली जुलाई ,। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने महाराष्ट्र में हाल ही में शुरू हुए नवी मुंबई एयरपोर्ट के जरिए दवाओं के आयात की मंजूरी दे दी है। इससे दवा की खेप के लिए तय एंट्री पॉइंट्स की संख्या में इजाफा हुआ है। यह जानकारी आधिकारिक बयान में बुधवार को दी गई।ड्रग्स रूल्स, 1945 के नियम 43ए में संशोधन करके नवी मुंबई को उन एयरपोर्ट्स की लिस्ट में शामिल किया गया है जहां से दवाएं आयात की जा सकती हैं। यह कदम दवाओं की आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने और व्यापार को आसान बनाने की दिशा में एक अहम कदम है।स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि यह नोटिफिकेशन ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के प्रावधानों के तहत ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड से सुझाव के बाद जारी किया गया है।बयान में कहा गया, इस संशोधन से फार्मास्युटिकल कंसाइनमेंट की आवाजाही आसान होने, लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होने और भारत में दवाओं के आयात के लिए एक नया विकल्प मिलने से आयातकों को ज्यादा सुविधा मिलने की उम्मीद है।मंत्रालय ने कहा कि यह पहल नियामक ढांचे को मजबूत करने, व्यापार को आसान बनाने और श्ईज ऑफ डूइंग बिजनेसश्च को बढ़ावा देने के साथ–साथ आयात की गई दवाओं पर प्रभावी रेगुलेटरी निगरानी सुनिश्चित करने की सरकार की लगातार कोशिशों के अनुरूप है।केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने जून में ड्रग्स रूल्स, 1945 में संशोधन का प्रस्ताव दिया था ताकि जांच, टेस्ट या एनालिसिस के लिए दवाओं के आयात की मंजूरी लेने की प्रक्रिया को आसान बनाया जा सके, जिसे आमतौर पर श्फॉर्म 11श्च के जरिए किया जाता है।यह संशोधन एनालिटिकल और

नॉन–क्लिनिकल टेस्टिंग के मकसद से कम मात्रा में सभी दवाओं के आयात के लिए एक स्वीकृति–आधारित सिस्टम शुरू करता है। बयान में कहा गया है कि इस संशोधन से टेस्टिंग या आरएंडडी के मकसद से कम मात्रा में दवाओं के आयात के लिए लाइसेंसिंग की जरूरतें खत्म हो जाएंगी, जिससे आवेदकों पर नियमों का पालन करने का बोझ काफी कम होने की उम्मीद है।इस कदम से फार्मास्युटिकल सेक्टर में कारोबार में आसानी को बढ़ावा मिलेगा और साथ ही रिसर्च और इनोवेशन को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्टार्ट–अप्स और इंडस्ट्रीज तेजी से टेस्टिंग या एनालिसिस शुरू कर पाएंगी।

भारत-आसियान व्यापार ने भरी उड़ान, 128 अरब डालर के पार पहुंचा द्विपक्षीय कारोबार

नई दिल्ली ।भारत और आसियान देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार बढ़कर वित्त वर्ष 2025–26 में बढ़कर 128 अरब डॉलर हो गया है। यह दिखाता है कि दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी मजबूत हुई है। यह जानकारी बुधवार को जारी आधिकारिक बयान में दी गई।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने बयान में कहा कि आसियान भारत का एक प्रमुख ट्रेडिंग पार्टनर है और भारत के वैश्विक व्यापार में हिस्सेदारी करीब 11 प्रतिशत है।रिश्तों को और मजबूत करने के लिए, भारत ने 6 से 10 जुलाई तक 13वीं आसियान–भारत ट्रेड इन गुड्स एग्रीमेंट (एआईटीआईजीए) की संयुक्त समिति (जेसी) और उससे जुड़ी बैठकों की मेजबानी कर रहा है, ताकि एआईटीआईजीए की समीक्षा के तहत बातचीत की प्रगति का जायजा लिया जा सके।

आधिकारिक बयान में आगे कहा गया, संयुक्त समिति की बैठक में उप–समितियों को उनके काम के क्षेत्रों में रणनीतिक मार्गदर्शन दिया गया और उनसे एआईटीआईजीए समीक्षा के तहत बाकी बचे अध्यायों को जल्द से जल्द पूरा करने का आग्रह किया गया।बयान के मुताबिक, बातचीत की गति बनाए रखने के लिए, उप–समितियों को तय समय–सीमा के भीतर काम पूरा करने की जिम्मेदारी दी गई और उन्हें सहमत समय–सीमा के अंदर ठोस नतीजे हासिल करने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।बयान में आगे कहा गया है कि एआईटीआईजीए जॉइंट कमिटी के तहत आठ सब–कमिटी में से तीन की बैठकें अभी 13वीं जॉइंट कमिटी की बैठक के साथ–साथ हो रही हैं।इनमें कस्टम्स प्रक्रियाओं और व्यापार को आसान बनाने पर बनी सब–कमिटी (एससी–सीपीटीएफ), नेशनल

ट्रीटमेंट और मार्केट एक्सेस पर बनी सब–कमिटी (एससी–एनटीएमए), और रूल्स ऑफ ओरिजिन पर बनी सब–कमिटी (एससी–आरओओ) शामिल हैं।मंत्रालय ने कहा कि ये बैठकें भारत और आसियान के बीच सहयोग बढ़ाने, आपसी समझ को मजबूत करने और रचनात्मक बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए एक अहम मंच का काम कर रही हैं।13वीं एआईटीआईजीए जॉइंट कमिटी की बैठक की सह–अध्यक्षता कॉमर्स डिपार्टमेंट के एडिशनल सेक्रेटरी नितिन कुमार यादव और मलेशिया के इन्वेस्टमेंट, ट्रेड और इंडस्ट्री मंत्रालय की डिप्टी सेक्रेटरी जनरल (ट्रेड) मस्तुरा अहमद मुस्तफा ने की।

कच्चे तेल में उबाल से शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स-निफ्टी गिरे, निवेशकों के डूबे करोड़ों

मुंबई ,। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट दर्ज की गई। कारोबार शुरू होने के शुरुआती 10 मिनट के भीतर ही सेंसेक्स 625 अंकों से अधिक टूट गया। शुरुआती कारोबार में आई इस गिरावट से निवेशकों की संपत्ति में करीब 2.79 लाख करोड़ रुपये की कमी आ गई।बाजार में कमजोरी की प्रमुख वजह अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी को माना जा रहा है। इसके अलावा रुपये में कमजोरी ने भी निवेशकों की चिंता बढ़ाई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का भाव 76 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया।शुरुआती कारोबार में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 559

अंक टूटकर 77,621.92 पर कारोबार करता दिखा। कारोबार के दौरान यह 625.20 अंक की गिरावट के साथ 77,555.52 के निचले स्तर तक पहुंच गया। इससे पहले मंगलवार को सेंसेक्स 78,180.72 अंक पर बंद हुआ था।वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी–50 शुरुआती कारोबार में 159 अंक गिरकर 24,238.25 पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान यह 180 अंक से अधिक टूटकर 24,207.20 के निचले स्तर तक फिसल गया।सेंसेक्स में शामिल प्रमुख शेयरों में अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स और इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो) के शेयरों में 2 से 3 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स (बीईएल) और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर भी लगभग एक प्रतिशत तक कमजोर रहे।दूसरी ओर, इंफोसिस, टीसीएस और सन फार्मा के शेयरों में मामूली बढ़त देखने को मिली। बाजार में बढ़ती अस्थिरता के बीच इंडिया वीआईएक्स (ढ्ढठ्ठस्र्द्बड्ड ङ्कढ्ढङ्ग), जो बाजार की उतार–चढ़ाव की आशंका को दर्शाता हैं।

भारत ने इंडोनेशिया के साथ ब्रह्मोस मिसाइल की आपूर्ति के लिए किया करार, घरेलू डिफेंस इंडस्ट्री को मिलेगा बढ़ावा

मुंबई ,। भारत ने इंडोनेशिया के साथ ब्रह्मोस मिसाइल की आपूर्ति को लेकर करार किया। इससे एक तरफ देश के दक्षिणपूर्व एशियाई देश के साथ संबंध मजबूत होंगे और दूसरी तरफ देश की घरेलू डिफेंस इंडस्ट्री को बढ़ावा मिलेगा।साथ ही, इंडोनेशिया भारत में बनी श्अस्त्रश्च एयर–टू–एयर मिसाइलें भी खरीदने वाला है। डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित श्अस्त्रश्च एक श्बियॉन्ड–विजुअल–रेंजश्च मिसाइल है, जिसे तेजी से दिशा बदलने वाले दुश्मन के विमानों को ट्रैक करके नष्ट करने के लिए बनाया गया है।भारत के इंडोनेशिया को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की अतिरिक्तबैटरीज भी देने की संभावना है।ये समझौते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान किए गए, जो उनके तीन देशों के दौरे का पहला चरण था।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमारे देशों के बीच बढ़ता भरोसा हमारेरक्षा, सुरक्षा और समुद्री सहयोग को मजबूत कर रहा है। आज, हमने रक्षा आदान–प्रदान, आपदा प्रबंधन और औद्योगिक सहयोग को बढ़ाने के लिए एक समझौते पर सहमति व्यक्त की है।प्रधानमंत्री ने कहा, आज हुए समझौते से इंडोनेशिया के नागरिकों के लिए भारत की अच्छी क्वालिटी वाली और सस्ती दवाएं और भी आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। हम इंडोनेशिया में डॉक्टरों और हेल्थकेयर वर्कर्स की क्षमता बढ़ाने में भी मदद करेंगे।भारत और इंडोनेशिया ने स्टील सप्लाई चेन के लिए मिनरल्स और टेक्नोलॉजी पर भी समझौता किया है। इसका मकसद जरूरी मिनरल्स की सप्लाई चेन को मजबूत करना है।

राघव जुयाल की फिल्म भाई तेरा स्टार है का टीजर जारी, 30 जुलाई को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

राघव जुयाल अपनी सोलो फिल्म भाई तेरा स्टार है के जरिए सिनेमाघरों में आने को तैयार हैं। हाल ही में मोशन पोस्टर आया था। ज्यादा इंतजार न कराते हुए निर्माताओं ने इसका टीजर जारी कर दिया है। फिल्म में राघव अजय सिंह नाम का ऐसा किरदार निभा रहे हैं, जो दिन–रात सिर्फ हीरो बनने का सपना देखता है। निर्देशन की कमान विवेक बी. अग्रवाल ने संभाली है। निर्माण ईस्टवुड पिक्चर्स और इंडियन स्टोरीज 2 के बैनर तले किया गया है।

टीजर की शुरुआत राघव के किरदार से होती है, जो खुद को रॉकिंग रिबेल सुपर अल्ट्रा फ्यूचर स्टार बताकर अपना परिचय कराता है। ये

ऐसा किरदार हैं, जो हीरो बनने के लिए झूठ बोलने से नहीं कतराता और खुद को सुपरस्टार समझता है। कहानी बॉलीवुड और उसके पीछे छिपे संघर्षों से पर्दा उठाती है। फिल्म में निहारिका एनएम (यूट्यूबर), संजय कपूर, बरखा सिंह और चंदन रॉय सान्याल भी मौजूद हैं। यह 30 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राघव को पहचान टीवी शो डांस इंडिया डांस से मिली थी, जिसमें उन्होंने प्रतियोगी बनकर हिस्सा लिया। साल 2014 में फिल्म सोनाली केबल से अपना फिल्मी डेब्यू किया। इसके बाद रेमो डिसूजा की फिल्म एबीसीडी एबीसीडी 2 और स्ट्रीट डांसर में नजर आए। लक्ष्य लालवानी के साथ फिल्म किल (2023) में नकारात्मक और खूंखार किरदार निभाकर राघव ने खूब चर्चा बटोरी। उन्हें आखिरी बार वेब सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड (2025) में देखा गया था।

लव ओह लव को मिली यूए सर्टिफिकेट, 10 जुलाई होगी रिलीज

सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने डायरेक्टर मकेश राजेंद्रन की आने वाली रोमांटिक एंटरटेनर फिल्म लव ओह लव को यू ए सर्टिफिकेट के साथ रिलीज करने की मंजूरी दे दी है। इस फिल्म में एक्टर पाविश नारायण और नई एक्ट्रेस नागा दुर्गा लीड रोल में हैं। फिल्म बनाने वाले प्रोडक्शन हाउस में से एक, जिनेमा मीडिया ने अपने एक्स टाइमलाइन पर यह घोषणा करते हुए लिखा, प्यार को मंजूरी मिल गई है।

भावनाओं को सर्टिफिकेट मिल गया है। लव ओह लव यूए (13) सर्टिफिकेट मिला। लव ओह लव 10 जुलाई से याद दिला दें कि मेकर्स ने हाल ही में फिल्म का गाना ब्रोक बॉय रिलीज किया था। यह गाना बहुत ही जोश भरा और आज के युवाओं से जुड़ा हुआ था, जिसमें उनकी भावनाओं, उम्मीदों और संघर्षों को बखूबी दिखाया गया था।जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि लव ओह लव को जिनेमा मीडिया एंड एंटरटेनमेंट की ओर से दिनेश राज और क्रिएटिव एंटरटेनर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स के जी. धनंजय ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। लीड एक्टर्स के अलावा, फिल्म में डायरेक्टर सेल्वरघवन, डायरेक्टर के.एस. रविकुमार, वनिता विजयकुमार, राम्या और आदित्य कथिर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।मेकर्स ने हाल ही में फिल्म का टीजर रिलीज किया था। लगभग 80 सेकंड के इस टीजर में फिल्म की कहानी की एक झलक दिखाई गई, जो एक लड़के के एक लड़की के प्रति प्यार और उसके बॉयफ्रेंड बनने के बाद आने वाले मुश्किल अनुभवों के इर्द–गिर्द घूमती है। ज्यादातर चेन्नई की खूबसूरत जगहों पर शूट की गई यह फिल्म एक अनोखा शहरी आकर्षण और अंदाज दिखाती है। कुछ हिस्से ऊटी में भी शूट किए गए हैं। फिल्म की यूनिट से जुड़े सूत्रों का कहना है कि लव ओह लव ने ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो के साथ अपने डिजिटल स्ट्रीमिंग राइट्स पहले ही पक्के कर लिए हैं। फिल्म की कमर्शियल संभावनाओं को और मजबूत करते हुए, म्यूजिक इंडस्ट्री के बड़े नामों में से एक, थिंक म्यूजिक को फिल्म का ऑफिशियल म्यूजिक पार्टनर बनाया गया है। लव ओह लव में पाविश नारायण (निलावुक्कु एनमेल एन्नाडी कोबम फेम) के साथ नागा

दुर्गा नजर आएंगी, जो एक जानी–मानी तेलुगु यूट्यूब सेंसेशन हैं और इस फिल्म से तमिल सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं। फिल्म की टेक्निकल टीम में सिनेमैटोग्राफर पी.जी. शामिल हैं। मुथैया, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संपादक एन.बी. श्रीकांत, और कला निर्देशक पा. महेंद्रन।

वर्क फ्राम होम या बारिश का जादू? नुसरत भरूचा का मजेदार पोस्ट हुआ वायरल

वर्क फ्रॉम होम के दौरान ध्यान भटकना आजकल लगभग हर किसी की कहानी बन चुकी है। लेकिन अभिनेत्री नुसरत भरूचा के लिए इसकी वजह कोई सोशल मीडिया या फोन नहीं, बल्कि मानसून का खूबसूरत नजारा है। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने घर पर वर्कआउट करते हुए कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, जिनमें उनकी फिटनेस के साथ–साथ बारिश से सराबोर खूबसूरत माहौल ने भी सबका ध्यान खींच लिया। तस्वीरों में नुसरत व्हाइट स्पोर्ट्स टॉप, ब्राइट रेड शॉर्ट्स और मैचिंग स्नीकर्स पहने नजर आ रही हैं। वह डंबल्स के साथ एक्सरसाइज, स्क्वैट्स और स्ट्रेचिंग करती दिखाई दे रही हैं। वहीं कुछ तस्वीरों में वह अपनी बालकनी में खड़े होकर बारिश के मनमोहक नजारे का आनंद लेती भी नजर आ रही हैं। वैसे घर पर रहकर फिटनेस को प्राथमिकता देने के साथ उन्होंने एक बार फिर हेल्दी लाइफस्टाइल की झलक दिखाई है। हालांकि, इस पोस्ट की सबसे खास बात उसका कैप्शन है। मानसून के खूबसूरत मौसम और हरियाली से घिरे नजारों के बीच नुसरत ने मजाकिया अंदाज में लिखा, उन्होंने कहा था, वर्क फ्रॉम होम करना आसान है। यह कैप्शन साफ तौर पर इशारा करता है कि ऐसे सुहाने मौसम में काम पर ध्यान केंद्रित करना कितना मुश्किल हो जाता है।पोस्ट में बालकनी से दिखता हराभरा नजारा, बादलों से घिरा आसमान और शांत वातावरण मानसून की खूबसूरती को और भी खास बना रहा है। यही वजह है कि नुसरत का यह पोस्ट उन लोगों से भी

जुड़ गया जो घर से काम करते हुए अक्सर बारिश के मौसम में खिड़की या बालकनी की ओर खिंचे चले जाते हैं।नुसरत भरूचा अपने सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी रोजमर्रा की जिंदगी की झलकियां साझा करती रहती हैं। कभी फिटनेस, कभी फैशन, कभी ट्रैवल तो कभी पर्दे के पीछे के खास पलों से सजे उनके पोस्ट फैंस को काफी पसंद आते हैं। इस बार भी उनका यह हल्का–फुल्का और रिलेटेबल पोस्ट सोशल मीडिया पर लोगों का दिल जीत रहा है और याद दिला रहा है कि कभी–कभी काम के बीच कुछ पल प्रकृति का आनंद लेना भी जरूरी होता है।

ज्योति पूर्वज और पूर्वज अभिनीत सनसनीखेज विज्ञान-फाई थ्रिलर किलर का विशेष पोस्टर जारी

ज्योति पूर्वज और पूर्वज अभिनीत सनसनीखेज विज्ञान–फाई थ्रिलर किलर उद्योग में महत्वपूर्ण चर्चा पैदा कर रही है। फिल्म में मनीष गिलाडा, चंद्रकांत कोल्लू, विशाल राज, अर्चना अनंत और गौतम चक्रधर कोप्पीशेट्टी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

पूर्वाज और ए. पदमनाभ रेड्डी द्वारा थिंक सिनेमा और एयू एंड आई स्टूडियोज के बैनर तले और ध्यानम नन्नागारू के आशीर्वाद से निर्मित इस फिल्म को उर्वेश पूर्वाज ने प्रस्तुत किया है और इसका निर्देशन भी पूर्वज ने ही किया है। व्यापक वीएफएक्स कार्य सहित संपूर्ण पोस्ट–प्रोडक्शन प्रक्रिया पूरी होने के बाद, फिल्म अब भव्य थिएटर रिलीज के लिए तैयार है।

बेहद प्रतिभाशाली अभिनेत्री ज्योति पूर्वाज के फिल्म निर्माताओं ने फिल्म का एक विशेष पोस्टर जारी किया। पोस्टर में ज्योति एक शक्तिशाली और रहस्यमयी सुपर शी के किरदार में नजर आ रही हैं, जिनका दमदार लुक सबका ध्यान खींच लेता है। उनकी इस आकर्षक उपस्थिति की तुलना एंजेलिना जोली के फिल्म मैलीफिसेंट के यादगार लुक से की जा रही है। ज्योति पूर्वाज का सुपर शी के रूप में अभिनय दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगा।

निर्देशक पूर्वाज किलर के साथ एक अविस्मरणीय सिनेमाई ब्रह्मांड का निर्माण कर रहे हैं। फिल्म के निर्देशन के अलावा, वे सीएनए एकीकरण और आरओवाई प्रोटोकॉल पर काम करने वाले एक वैज्ञानिक की भूमिका भी निभाएंगे, जिससे कहानी में एक और दिलचस्प मोड़ आएगा।फिल्म की प्रगति के बारे में बात करते हुए निर्देशक पूर्वाज ने कहाफिल्म किलर का पोस्ट–प्रोडक्शन कार्य पूरा हो चुका है। फिल्म में कई हाई–एंड वीएफएक्स शॉट्स होने के कारण इन्हें पूरा करने में थोड़ा अतिरिक्त समय लगा। अब सभी वीएफएक्स कार्य पूर्ण हो चुके हैं। साथ ही, व्यावसायिक बातचीत भी सुचारू रूप से चल रही है। कई प्रमुख वितरकों और खरीदारों ने हमारे निर्माताओं के साथ फिल्म देखी है और अंतिम परिणाम से प्रसन्नता व्यक्त की है। हम जल्द ही व्यावसायिक सौदे पूरे करेंगे, सेंसर की औपचारिकताएं पूरी करेंगे ।

आलिया भट्ट की अल्फा को चौथे दिन झटका, गिरी फिल्म की दैनिक कमाई, वेलकम टू द जंगल की रफ्तार भी पड़ने लगी धीमी

आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की जासूस एक्शन थ्रिलर फिल्म अल्फा को तगड़ा झटका लगा है। वीकेंड पर शानदार कमाई करने के बाद फिल्म कारोबारी दिनों में आ चुकी है और इसी के साथ आंकड़ों में भारी गिरावट भी देखने को मिली है। यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की यह 7वीं कड़ी है, जिसमें बॉबी देओल और अनिल कपूर भी मौजूद हैं। दूसरी ओर, वेलकम टू द जंगल भी बॉक्स ऑफिस पर संघर्ष कर रही है। आइए देखें ताजा कलेक्शन।

सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने रिलीज के चौथे दिन सोमवार को 3.85 करोड़ रुपये कमाए हैं। वीकेंड पर इसने तीसरे दिन 13. 25 करोड़, दूसरे दिन 11.50 करोड़ और पहले दिन 9.25 करोड़ रुपये कमाए थे। चौथे दिन सबसे कम कलेक्शन करने के बाद फिल्म की कुल नेट कमाई 37.85 करोड़ रुपये हो पाई है। विश्व स्तर पर अल्फा का कलेक्शन अब तक 63.64 करोड़ रुपये हुआ है। इससे करीब 100 करोड़ रुपये के बजट को पार करना काफी मुश्किल होगा। अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी और अरशद वारसी जैसे सितारों से सजी फिल्म वेलकम टू द जंगल दूसरे हफ्ते में आकर फीकी पड़ने लगी है। सैकनिल्क के मुताबिक, इसने रिलीज के 11वें दिन कुल 2.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। घरेलू स्तर पर फिल्म का कुल नेट कलेक्शन 117.55 करोड़ रुपये हो चुका है, जबकि वर्ल्डवाइड इसने 170.35 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। अहमद खान द्वारा निर्देशित फिल्म 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।शाहिद कपूर, रश्मिका मंदाना और कृति सेनन स्टारर कॉकटेल 2 भी अब बॉक्स ऑफिस पर ठंडी पर रही है और ये अब लाखों में सिमट गई है. बता दें कि 18वें दिन यानी तीसरे मंडे को इस फिल्म ने महज 40 लाख रुपये कमाए, जिससे इसका

कुल घरेलू बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 92.95 करोड़ रुपये हो गया। फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया ने किया है.

मालविका मोहनन का बोल्ड लुक देख फैंस हुए लट्टू, एक्ट्रेस ने बिकिनी में ढाया कहर, इंटरनेट का बढ़ा तापमान

अभिनेत्री मालविका मोहनन आजकल सोशल मीडिया पर छाई हुई है. उनके सोशल मीडिया पर छाने की वजह से उनकी खूबसूरत फोटोज. जो आजकल इंटरनेट पर वायरल हो रही है. आपको बता दें कि मालविका मोहनन फैन्स की फेवरेट हीरोइन में से एक हैं. मालविका इंटरनेट पर भी काफी सक्रिय रहती हैं और फैन्स को सरप्राइज करने का मौका नहीं छोड़ती हैं. अब अभिनेत्री ने बिकिनी फोटोज से सोशल मीडिया पर हंगामा मचा दिया है. अभिनेत्री मालविका ने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर अपनी बिकिनी फोटोज साझा की हैं, जिसमें उनका बोल्ड लुक दिखा. पेस्टल कलर की बिकिनी में मालविका किलर लगीं. बिकिनी को उन्होंने प्रिंटेड स्कार्फ से कवर किया हुआ था, जो ट्रॉपिकल लुक के लिए एकदम परफेक्ट. नीले आसमान, रेत और पेड़ों के बीच मलाविका का हॉलिडे आउटफिट कम्फर्ट, एलीगेंस और मॉडर्न बीचवियर को दर्शाता है.जब बात हॉलिडे ड्रेसिंग की आती है, मलाविका मोहनन को पता है कि बिना किसी दिखावे के स्टाइल कैसे बनाए रखना है. उनका लेटेस्ट बीच लुक फ्रेश, मिनिमल और लग्जरी आइलैंड गेटअवे के लिए एकदम सूट करता है. अभिनेत्री मलाविका मोहनन रेत पर पेस्टल

टोन की सॉफ्ट बिकिनी में क्लासी लुक से ध्यान खींचती दिखीं. स्टाइलिंग को मिनिमल रखते हुए मलाविका ने अपने आउटफिट के साथ मेटालिक बैंगल्स का स्टैक पहना. लंबे स्टेटमेंट इयररिंग, ओपन हेयर और लाइट मेकअप से उन्होंने अपना लुक कंप्लीट किया. उनका दमकता हुआ चेहरा धूप में और भी निखरा दिखा.फैन्स मालविका के बिकिनी लुक को परफेक्ट और क्लासी बता रहे हैं. फैन्स फायर इमोजी बनकर उनके बिकिनी लुक को एक नंबर बता रहे हैं आपको बता दें कि मालविका मोहनन ने कई मूवीज में अभिनय कर चुकी है

पंकज त्रिपाठी की फिल्म ओह माय डाग का टीजर जारी, दिल छूने को तैयार भावुक कहानी

ओह माय गॉड 2 जैसी सफल फिल्म देने वाले निर्देशक अमित राय अब दर्शकों के लिए एक कहानी लेकर आ रहे हैं जिसका नाम है–ओह माय डॉग। फिल्म की टीजर रिलीज कर दिया गया है। टीजर में इंसानों और कुत्तों के बीच बिना शर्त प्यार और वफादारी की एक कहानी की झलक दिखती है। टीजर की शुरुआत अमिताभ बच्चन के मशहूर गाने मेरे पास आओ मेरे दोस्तों, एक किस्सा सुनो से होती है, जो तुरंत पुरानी यादें ताजा कर देता है। साथ ही कहानी की मासूमियत, अपनापन और इमोशनल गहराई को खूबसूरती से दिखाता है। यह फिल्म 31 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ओह माय डॉग की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह प्यार, दोस्ती, दया और करुणा जैसे विषयों को दिखाते हुए 250 से ज्यादा कुत्तों को शामिल करती है। फिल्म ओह माय डॉग में माही राय, पंकज त्रिपाठी, गीता अग्रवाल शर्मा, राजेश कुमार, पवन मल्होत्रा, सुलक्षणा बरुआ और विजय मिश्रा नजर आएंगे। इस फिल्म में 250 से ज्यादा कुत्ते हैं। वहीं ऑस्कर और ब्रूनो नाम के प्रशिक्षित डॉग्स भी फिल्म का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। यह फिल्म एक छोटे बच्चे और कुत्ते के बीच के खूबसूरत रिश्ते की दिल को छू लेने वाली कहानी बताती है।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।